नमस्कार मेडिटेशन की प्रस्तुति

शब्दों की उत्पत्ति कैसे हुई ?

(भाग-१, द्वितीय संस्करण)

ब्रह्मचारी प्रहलादानंद

(ध्यानाचार्य)

Namaskar Meditation Presentation

How Did The Words Originate ?

(Volume-1, Edition-2)

Brahmachari Prahladanand

(Master Of Meditation)

नमस्कार मेडिटेशन की प्रस्तुति

शब्दों की उत्पत्ति कैसे हुई ?

(भाग-१, द्वितीय संस्करण)

ब्रह्मचारी प्रहलादानंद

(ध्यानाचार्य)

Namaskar Meditation Presentation

How Did The Words Originate ?

(Volume-1, Edition-2)

Brahmachari Prahladanand

(Master Of Meditation)

शब्दों की उत्पत्ति कैसे हुई ? भाग - १
- ब्रह्मचारी प्रहलादानंद
How Did The Words Originate ? Volume - 1
- Brahmachari Prahladanand

प्रकाशक-
ब्रह्मचारी प्रहलादानंद
संन्यास आश्रम, विलेपार्ले (प.), मुंबई - ४०००५६ भारत
Publisher-
Brahmachari Prahladanand
Sanyas Ashram, Vile Parle (W), Mumbai - ४०००५६ India

प्रथम संस्करण - 2019, First Edition - 2019
द्वितीय संस्करण - 13 अक्टूबर ईस्वी सन् 2019,
शरद पूर्णिमा विक्रम संवत् 2076
Second Edition -13 Otober 2019 ,
Sharad Poornima Vikarm Samvat 2076
प्रिंट- 1000, Print-1000
मूल्य - अमूल्य, Price - Invaluable

संपर्क-Contact-
namaskar.meditation@gmail.com
Mobile - +91 9004928108 (Only WhatsApp Messages)

अनुक्रमणिका

-:-:-:-

श्री परम पूज्य गुरुदेव जी महाराज

परम पूज्य परमादरणीय श्रोत्रिय ब्रह्मनिष्ठ

सुरतगिरि बंगला हरिद्वार पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर

श्री स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरिजी महाराज

को सादर समर्पित

Dedicated To Shri Param Pujya Guru Dev Ji Maharaj

Param Pujya Param Aadharniya

Shrotriya Brahmanishth

Suratgiri Bangla Haridwar Peethadishwar

Acharya Mahamandleshwar

Shri Swami Vishveshwaranand Giri Ji Maharaj

प्रेरणास्त्रोत

Inspiration

श्री ध्यान माखीजा जी

(लेखक एवं पत्रकार, जनसत्ता, मुंबई)

Shri Dhyan Makhija Ji

(Writer and Journalist, Jansatta, Mumbai)

शब्द की उत्पत्ति कैसे हुई ?

हर शब्द के पीछे एक कहानी है। हर वाक्य के पीछे एक रवानी है। किसी भी भाषा का कोई भी शब्द अकेले उसी भाषा से नहीं बनता है, न ही उसी भाषा और संस्कृति से अर्थ रखता है, हर शब्द अपने पीछे एक कहानी कहता है, और वह कहानी कहीं की भी हो सकती है, वह शब्द किसी भी भाषा में हो सकता है, शब्द उसी भाषा के अक्षरों को मिलाकर बना हो ऐसा भी नहीं हो सकता है, उसके अक्षर भी कहीं न कहीं से आते हैं, और जुड़कर शब्द बन जाते हैं। शब्द दो प्रकार के होते हैं एक **पुरुषात्मक** दूसरे **स्त्रत्यात्मक**। स्त्रात्यात्मक शब्द एक ही स्थान के होते हैं, पुरुषात्मक शब्द अलग-अलग स्थान के होते हैं, यानि जब कोई पुरुष किसी प्रकार की रचना करता है, जो उसमें जो शब्द होते हैं, वह अलग-अलग प्रदेशों और अलग-अलग जातियों, समाज, समूह और भाषा के होते हैं, जब कोई स्त्री रचना करती है तो, वह शब्द उसी के स्थान के, एक ही परिवेश के, एक ही भाषा के होते हैं, और लिपियाँ भी एक होती हैं।

शब्दों का सफर सदियों से चला आ रहा है, और न जाने कितनी भाषाओं में से हो-होकर गुजरा है, परिवेश और वक्त के बदलते तेवरों ने शब्दों को बहुत से रुप और रंग दिये हैं, एक ही शब्द एक देश में अलग अर्थ में तथा दूसरे देश में अलग अर्थ में, रूप में जाने जाते हैं, शब्दों के सफर में आज शब्द यहाँ तक पहँचे हैं। स्त्रियों के शब्द जरुरतों तक सीमित हैं, और पुरुष के शब्द शौक के लिए होते हैं।

ब्रह्मचारी प्रहलादानंद

How Did The Words Originate ?

There is a story behind every word. Behind every sentence is a ravani (Flow). None of the languages of any language is made up of the same language alone, nor does it mean the same language and culture, every word tells a story behind it, and that story can be anywhere, that word is any language It may be in the word that is made by combining the letters of the same language, it cannot be such that its letters also come from somewhere, and joining becomes the word. There are two types of words: a man-oriented second-Feminine. Feminine words are of the same place; Man-oriented words are of different places, i.e. when a man creates some sort of thing, the words that contain the words in it are different states and different caste, society, There are groups and languages, when a woman creates, that word is of the same place, of the same environment, of the same language, and the scripts are also one.

The journey of words has been going on for centuries, and not knowing how many languages have passed through, the changing times of environment and time have given many forms and colors to the words, the same word in a different meaning in one country and the other The words are known in the country in different meanings, the words today are still here in the journey of words. Women's words are limited to the requirements, and men's words are meant for hobbies.

- Brahmachari Prahladanand

A

1. आगवानी - आग + वाणी = जिनके पास आग और वाणी होती, वही आगवानी करते हैं। रात को आग वाले आग लेकर आगे चलते हैं लोग उनके पीछे चलते हैं, दिन में वाणी वाले बोलते हैं सब लोग मेरे पीछे चलो, तो इस तरह वह आगवानी करते हैं।

2. Alarm - अल्लाह + राम = प्रभात फेरी में राम-राम की धुन तथा सुबह-सुबह अल्लाह-ओ-अकबर की अजान। यह दोनों ही तो प्रातःकाल में जगाने का काम करते हैं। इसलिए अंग्रेजों ने इसे घड़ी के Alarm का शब्द बनाया।

3. अदालत - अदा + लत = अदा और लत ही अदालत पहुँचाती है। अदा और लत एक ही शब्द के दो रूप हैं। बड़े लोगों की आदत को अदा और छोटे लोगों की आदत को लत कहतें हैं।

4. Approach - आप + रोच = आप को जो रोचक लगता है, वही Approach है। पहले आप लोगों की रोच जानो ओर फिर आप किसी से Approach कर सकते हो।

5. अभ्युदय - अभय + उदय = अभय का उदय होना - रात्रि के आरंभ से लेकर अंत तक सभी भय से ग्रसित हो जाते हैं। किंतु जब सूर्य का उदय होता है, तो सूर्य के प्रकाश के कारण सभी में अभय का उदय होता है।

6. आर्तो जिज्ञासु रथ अर्थी - चतुर लोगों ने मुझे भजने का विधान बनाया है - **आर्तो** - यानि मेरी आरती करना। **जिज्ञासु** - दूसरे के जी (मन) में क्या है ? यह पता करना, कि हे भगवान ! इसके मन मे क्या है, बस पता भर चल जाए। **रथ** - किसी भी वाहन में बैठने और चलाने से पहले। **अर्थी** - राम नाम सत्य है, ऐसा बोलकर।

7. अर्थात् - जिससे अर्थ (रुपया) आता है।

8. अपरिग्रह - अ + परि + ग्रह = पातञ्जली योगसूत्र के अनुसार योगी को दो

चीजों से बचना चाहिए। एक परि दूसरी ग्रह । यानि विश्वामित्र की तपस्या परि (अप्सरा) ने भंग की और दूसरों के ग्रह नहीं लेने चाहिए। सिर पर से ग्रह के दान घुमाकर दे। वह दान नहीं लेना चाहिए। नहीं तो उन ग्रहों को उतारने में ही समय व्यतीत हो जाएगा।

9. **अतीत** - तीत (कटु शब्द) को कोई अतीत नहीं करता है, या भूलता नहीं है।

10. **अधिकांश** - अधिक + अंश = अधिक लोग यही चाहते हैं कि, अधिक अंश उन्हें ही मिले।

11. **आध्यात्म** - आ + ध्या + अ + तम = आरंभ करो ध्यान का - जिससे अतम हो जाओ यानि बिना अंधेरे के हो जाओ।

12. **आजमाईश** - आजमा + ईश = ईश्वर की आजमाईश अक्सर लोग कर लेते हैं।

13. **अंधविश्वास** - अंधविश्वास नहीं करते परंतु Positive Energy और Negative Energy में विश्वास करते हैं। भूत-प्रेत नहीं मानते पर Good Elements और Bad Elements मानते हैं। नदी में सिक्का फेंकना अंधविश्वास है और Fountain में सिक्का फेंकना ????

14. **अन्तिम** - अंत + ईम = अन्न का अन्तिम ही ईम है, यानि ईमान है।

15. **आचरण** - आ + चरण = चरण से ही आचरण का पता चलता है। इसलिए लोग चरण छिपा लेते हैं और उच्च मूल्य के जूते पहन लेते हैं, ताकि वो उच्च आचरण वाले दिखाई दें। इसीलिए किसी का आचरण पहचानने के लिए लोग उसके चरण छुए जाते हैं। कुछ लोग चरण नहीं छुने देते हैं, ताकि उनके आचरण का पता न चल जाए।

16. **अतिरिक्त** - अति + रिक्त = अति करनेवाले (ज्यादा करनेवाले) और रिक्त (खाली) - इन दोनों को ही प्रत्येक वस्तु अतिरिक्त चाहिए।

17. **आलोचना** - आलू + चना = आलू को चना और चना को आलू करना

ही आलोचना है।

18. **अंतरण** - अंत + रण = या तो अंत होगा या रण में जाना पड़ेगा दोनों से ही अंतरण होगा। जैसे रावण ने कहा मरीचि से या तो में तेरा यहीं अंत कर दूँगा, या फिर तुझे सोने का हिरण बनकर राम के हाथों मरना पड़ेगा।
19. **आक्रोश** - आ + Crows = आते हैं क्रोश - जब Crows यानि जब बहुत सारे कोए गुस्से में इकट्ठे होते हैं, उसे आक्रोश कहते हैं।
20. **अजामिल** – अ + जाम + मिल = जो जाम को पीने में जो दूसरों के साथ न मिले, वह अजामिल।
21. **अभिमन्यु** - अभि + मन + New = अभी जिसका मन New है। यानि नये मन वाला। जो अभी संसार के चक्रों को नहीं जानता है, वह नये मन वाला ही, चक्रव्यूह में फंस कर मर जाता है।
22. **Angel** - अन्न + जल = अन्न और जल देने वाले ही तो Angel हैं। यानि जो हमें अन्न और जल देते हैं वही Angel यानि देवदूत या फरिश्ते होते हैं।
23. **अमरूद** - अमर + ऊद = अमर करना है उद (पेट) को तो अमरूद खाऔ, अमरूद खाने से पेट अच्छा रहता है।
24. **अंग्रेज** - अंग + रेज = अंग + जरे = अंग जिनके हो जरे। वह हैं अंग्रेज, अंग्रेजों के शरीर को देखने पर ऐसा लगता है कि इनके अंग जले हुए हैं।
25. **Arrange** - अ + रंग = रंज को खतम करने के लिए, Arrange Marriage की जाती है, भारत देश में एक-परिवार का रंज (दुश्मनी) दूसरे परिवार से बहुत वर्षों चलता है, तो उस रंज को समाप्त करने के लिए और परिवारों का प्यार बढ़ाने के लिए Arrange Marriage की जाती है।
26. **Alphabet** – अल्प + है + बात = अल्प है बात – यानि जब बात अल्प कहनी होती है, तो Alphabet में कही जाती है।
27. **Accident** – अक्छी + दँत = अक्छी (छींक) आने पर दाँत टूट जाते हैं।

छींक आने पर रुक जाना चाहिए क्योंकि छींक आने का मतलब है कि कोई Virus शरीर में घुसने की तैयारी कर रहा है। उस समय में पैदल ही यात्रा करनी पड़ती थी, अपने शरीर से ही यात्रा करनी पड़ती थी। तो अगर शरीर में Virus रहेगा तो बीमार हो जायेगा। उस समय उसका ईलाज कहाँ होगा ? क्योंकि कोई अस्पताल नहीं थे। और सारा रास्ता पैदल काटना है। और जहाँ मंजिल पर पहुँचेगें तो वहाँ पर उन लोगों के लिए भी बीमार व्यक्ति की सेवा करवाने वाले बन जाएगें। उनका समय भी नष्ट करेंगे। यहाँ पर भी लोगों को चिंता रहेगी। इसलिए छींक आने पर यात्रा टाल दी जाती थी। और कुछ दिन रुककर यात्रा की जाती थी। यानि **Virus** का उपचार कर यात्रा की जाती थी।

28. **Alexander** – अ + लक्ष + इन्द्र = अलक्षेन्द्र, जिसका कोई लक्ष्य न हो, वह है Alexander.
29. **अकबर** – अ + Cover = जिसको कोई Cover नहीं कर सकता वह है अकबर। यानि जिसको कोई अपने काबू में नहीं ले सकता है।
30. **आफरीन** - Off + ऋण = ऋण के Off हो जाने पर सब कुछ आफरीन लगता है। किसी पर कर्जा होता है, तो उसका बोझ उसके सिर पर बहुत अधिक होता है, जब कर्जा उतर जाता है, तब उसका बोझ बहुत कम हो जाता है।
31. **अन्जाम -** अन्न + जाम =हर अन्न का अन्जाम, जाम होता है। यानि हर प्रकार के अन्न से शराब बनाई जा सकती है, जो कि जाम में जाती है।
32. **आईना -** Eye + ना = आईना में कभी Eye (आँख) न डालो, खुद को खुद की नजर लग जाती है।
33. **Assets -** अपने बुजुर्गों की Ashes (राख, फूल) रखनेवाले ही तो अपने बुजुर्गों की Assets (सम्पत्ति) पाते हैं।

34. ऐश्वर्य - Ashes + वर्य = Ashes को रखनेवाले ऐश्वर्य को पा जाते हैं।

35. आहार - हार से जो बचाए वह है आहार यानि हार नहीं चाहिए तो आहार कीजिए। यही आहार का अर्थ है। खाली पेट सेना ज्यादा दिन नहीं लड़ सकती है और हार जाती है।

36. अल्लादीन का चिराग - अल्लाह को केवल दीन लोग ही मानते हैं। दीन के पेट की आग ही चिर आग होती है। जो कभी बुझती नहीं है। उस चिर आग को बुझाने के लिए वह मेहनत करता है। जिससे उसके पास धन-दौलत, घर-मकान और स्त्री आ जाते हैं।

37. आत्मसात - आत्म + सात = वह आत्म कह लो या सातवें आसमान पर खुदा रहता है कहलो, दोनों बराबर ही हैं। सात चक्रों के भेदन के बाद आत्म उपलब्धि होती है। चक्र का वह स्थान,जहाँ से भेदन किया जाता है, शून्य कहलाता है। शून्य ही खाली स्थान होता है, खाली स्थान को आकाश या आसमान कहते हैं। यही सात चक्र ही सात आसमान हैं। इन सात चक्रों के बाद आत्म है। इन्हीं सात आसमान के बाद खुदा है। आत्म ही खुदा है, खुदा ही आत्म है। जब आप खुद आते हैं तम (अंधेरे) में, तब आपको खुद के होने का पता चलता है। अंधेरा यानि अमावस्या की रात, किसी प्रकार का प्रकाश न हो, उस अंधेरे में रहने पर धीरे-धीरे, जो प्रकाश आएगा, वह आप हो, वह आत्म है, यानि कोई किसी के वह खुदा है, क्योंकि वह खुद आता है।

38. अंग्रेज = अंग + Raz = जो अपने अंग पर Razor का उपयोग करते हैं वह अंग्रेज, भारतीय लोग उस्तरे का उपयोग करते हैं।

39. आखिरी - आखिरी को ही खरी-खरी सुननी पड़ती है कि फिसड्डी कहीं का। तेज-तेज नहीं चल सकता। दूसरे देख कहाँ से कहाँ निकल गए तू अभी तक यहीं पड़ा है - आदि आदि।

40. **अमिताभ -** अमिट + आभा = अमिट आभा यानी मिट न सके ऐसी आभा। ध्यान में आभा के लिए ही बैठा जाता है, कि जो भोजन हमने किया है उस भोजन को कैसे ओज को आभा में बदला जाए, यह कार्य ध्यान के द्वारा किया जाता है। नहीं तो वह उर्जा शरीर से बाहर, किसी भी रूप में जा सकती है| उस उर्जा को आभा में परिवर्तित करने के लिए ही यह ध्यान मुद्रा है। यह मुद्रा बड़े-बड़े ध्यानियों ने ध्यान करने के लिए उपयोग में ली है |
41. **आसान** - सान ही तो आसान नहीं है। चाहे पानी के साथ आटा सानना हो, या भूसा के साथ पानी को सान कर सानी बनाना हो। तभी तो कहते हैं, इसके जैसा सानी दूसरा नहीं है।
42. **अदब** - जो दबे न वही अदब है।
43. **अयोध्या** – अ + युद्ध = जहाँ पर युद्ध नहीं होता वह है अयोध्या। यानि अयोध्या में युद्ध नहीं होता है।
44. **अवध** – अ + वध = जहाँ पर किसी का वध नहीं होता है। यानि जब अयोध्या में युद्ध ही नहीं होता है, तो फिर वहाँ पर वध हो ही नहीं सकता है।
45. **आशीर्वाद** – आ + सिर + वाद = आते हैं सिर में वाद। उसे कम करने के लिए आशिर्वाद दिये जाते हैं। जब किसी के सिर में वाद आते हैं, यानि किसी के सिर में वाद-विवाद होते हैं, यानि वह जब स्वयं से ही बहस करने लगता है, और तब उसे किसी प्रकार से शांति नहीं मिलती है, उसके सिर में दर्द होने लगता है, तो उस वाद को खतम करने के लिए आशीर्वाद दिये जाते हैं।
46. **अद्भुत -** भूत ही अद्भुत है।
47. **अड़ियल -** जो Dial नहीं होते वह अड़ियल होते हैं।
48. **अनपढ़ -** जो अ को नहीं पढ़ा वो अनपढ़ है।
49. **Aback** – अ + Back = जब कोई किसी को Back से यानि पीछे से हाथ

लगाता है, तो वह चौंक जाता है या कोई पीछे चलते-चलते किसी चीज से अचानक टकरा जाता है तो कहता है अबे, यही Aback है।

50. Abandon – अ + बन्डॉन = दान के बन्धन से बाहर आ जाना, यानि जब किसी को दान देकर बन्दी बनाया जाता है, उससे जब वह बाहर आ जाता है। उसे Abandon कहते हैं। है, वह है, अबन्दन या Abandon. यही दान देने वाला तो Don (डॉन) है। जिसके दिये दान के बंन्धन से बाहर आ जाना ही Abandon है।

51. Award – अ + Ward = जो Ward में नहीं जाते हैं, वही Award पाते हैं। जब युद्ध होता है, और जो सैनिक Hospital के Ward में भर्ती नहीं होते हैं, उन्हें ही Award दिया जाता है।

52. Antreprenor – आँत + प्राण + Or = जो आँत और प्राण की बात करता है वह है Antreprenor.

53. अर्जुन – अर्ज + उन = जो अरज (प्रार्थना) करता है, उनसे - उसे कहते हैं अर्जुन।

54. Asthma – अश + थमा = आशाओं को जो थाम के रख लेते हैं, उसे कहते हैं Asthma. यानि जो अपनी आशाओं को सीने में छिपाकर रखते हैं, उनको पूरा नहीं करते या बाहर नहीं निकालते हैं, तो उनके सीने में भारीपन आ जाता है, जो श्वास को रोकता है, उसे ही Asthma कहते हैं।

55. अजवाईन – अ + Join = जो Wine पीने में Join नहीं करते हैं उन्हें अजवाईन देते हैं।

56. Affair – अ + Air = जो Fair नहीं है वह Affair है। Fair यानि फलों की हवा – फलों की हवा जब चलती Fair अच्छी हवा चलती है। जब वही फल सड़ जाते हैं तो Affair यानि बुरी-सड़ी हुई हवा निकलती है जो Affair कहलाती है।

57. Associate – Ass (गधे) को ही सभी साथी बनाते हैं। पहले जमाने में बुद्धिमान लोग यात्रा करते थे तो यात्रा का साथी एक गधे को बनाते थे। जिस पर वह अपने बोझ को रख सके। उसी तरह जीवन में भी एक गधे को हर कोई साथी बनाता है जिस पर वह अपने सारे बोझ डाल देता है।

58.अहसान – अहं + शान = अहम् यानि अहंकार की शान दिखाने के लिए लोग अहसान करते हैं। गाँव में जब कोई आदमी अपने पशुओं के लिए किसी दूसरे को सानी (पशुओं का भोजन) बनाने के लिए देकर जाता है। तो दूसरा उसे हमेशा याद दिलाता है कि उसने उसकी सानी बनाकर उसपर अहसान किया है।

59. अकाल – अ + काल = काल का न होना ही अकाल है, जब काल नाराज होता है, तो फिर अकाल आता है, यानि काल वहाँ से चला जाता है, वहाँ पर काल की गतिविधियाँ रुक जाती है, ऐसा लगता है, जैसे समय रुक गया है।

60. अरदास – दास लोग ही अरदास करते हैं।

61. Address – Ad +Dress = Dress से ही Ad (Advertisement) की जाती है। यानि जब कोई अपने कार्य का विज्ञापन करता है, तब वह Dress (कपड़े) ही ऐसे बनाता है, कि वह कपड़े ही उसके कार्य का विज्ञापन करते हैं। और उस Dress पर ही उसका पता भी होता है, जो कि Address कहलाता है। पहले जमाने में भी Dress को देखकर पता चल जाता था कि इसका पता कहाँ पर है ? आज भी Dress पर पता लिखा रहता है।

62. अड्डा – Adda – सबके जमा (Add) होने का एक Adda (अड्डा) होता है, सबको Add (जमा) करने के लिए ही Advertisement की जाती है।

63. आदेश – आना + देश = आना अपने देश में यही तो आदेश है, आप अपने देश में किसी को भी आदेश दे सकते हैं, किन्तु दूसरे के देश में किसी को आदेश नहीं दे सकते हैं।

64. अनाज – अन्न + नाज = अन्न और नाज दोनों ही अनाज हैं।

65. Animal – जो कहीं पर भी अपने मल को कर दे उस Animal कहते हैं।

66. Accommodation – अ + कौम + देश + अन्न = जो कौम या देश का नहीं होता है, उसे अपने रहने और अन्न का प्रबन्ध खुद ही करना पड़ता है। यानि उसके Accommodation का इन्तजाम करना पड़ता है।

67. अभ्यास – अभय + आस = अभय होने की आस ही अभ्यास है, प्रत्येक व्यक्ति यही चाहता है कि वह अभय को जाए। बस इसी आस में वह अभ्यास करता है।

68. आला-तालीम - आला + तालीम = आला (Doctor) बनने की तालीम ही आला तालीम है, यानि जिस तालीम से ताली बजे उसे आला तालीम कहते हैं।

69. आवेश – आता है जो वेश से - वेश में रहने वाला व्यक्ति हमेशा आवेश में रहता है। जो व्यक्ति किसी Dress में रहता है, उसे आवेश होता ही है।

70. अमृत – जो मृत नहीं है, वही अमृत है।

71. Attention – At + Tension = जो Tension में होता है, सभी का Attention उसी की तरफ होता है।

72. अस्तेय – अ + Stay = जो Stay नहीं लेते हैं, वही अस्तेय हैं। यानि जो किसी के काम में कोई बाधा नहीं डालते हैं।

73. आसन – आस + न = जहाँ कोई आस न हो वही है आसन।

74. अवहेलना – Whale की कौन अवहेलना कर सकता है।

75. Audio – और + दिओ = जब कोई किसी और ज्यादा माँगता है तो

कहता है और दिओ, वही Audio है, सुनने वाला कहता है कि जोर से बोलो।

76. Arrest – अ + Rest = जहाँ पर Rest नहीं कर सकते हैं, वह है Arrest.

77. अहम – अ + हम = हम का न होना ही अहम है, यानि जब सब लोग मिलकर कार्य करते हैं, वह कहते हैं कि हमने किया और अकेले किया गया कार्य अहम कहलाता है, कि यह काम मैंने किया।

78. अंधाधुन्ध – अंधा + धुन्ध = अंधा हो या धुन्ध हो वही अंधाधुन्ध है।

79. अविष्कार – अ + विष + कार्य = जो कार्य बिना विष दिये होता है, उसे अविष्कार कहते हैं। भारत में पहले विष देने का कार्य बहुत होता था, अंग्रेज इससे बहुत परेशान थे, तो उन्होंने ऐसे चीजों को बनाना शुरु किया जिन पर विष का असर न हो। जैसे उन्हें जाना है जो घोड़े का विष दे दिया, घोड़ा बीमार पड़ा। और मर गया। तो उन्होनें Car-Motorbike बना ली, ऐसे ही अनेक अविष्कार किये गये।

80. आस्तिक – आशा + टिक = आशा टिक जाए जिसकी वह आस्तिक है।

81. अनास्था – अन्न + आस्था = अन्न पर आस्था रखना ही, अनास्था है।

82. अनादर – Another का ही अनादर किया जाता है। व्यक्ति उसी का अनादर करता है, जो उसका नहीं है यानि जो उसे जानता नहीं है, तभी तो अनादरित व्यक्ति कहता है कि तू मुझे नहीं जानता मैं कौन हूँ ?

83. अबला – अ + बला = जो बला नहीं होती हैं, वह अबला कहलाती हैं।

84. अजीर्ण – अ + जीर्ण = जो जीर्ण न हो वह अजीर्ण है, यानि जिससे जी नहीं बना उसे ही अजीर्ण कहते हैं।

85. अल्लादीन – अल्ला + दीन = जो दीन लोग होते हैं, वह अल्ला को मानते हैं।

86. अडिग – अ + डिग = जो डिगता नहीं है वही अडिग रहता है।

87. आत्मज – आत्मा + ज = आत्मा से जो जन्म लेता है, वह है आत्मज।

88. अहमकाना – अहम + काना = यह दोनों एक ही नजर से बात करते हैं, यानि एक ही पक्ष की बात कहते हैं, अहम केवल अपने अहंकार की बात है, और काना एक आँख से जितना दिखाई दे उतनी ही बात करता है, इसीलिए दोनों ही अहमकाना होते हैं।

89. अक्स – दूसरे की आँखो (अक्ष) में जो चेहरा दिखाई देता है, उसे अक्स कहते हैं।

90. आश्रित – आश + ऋतु = सभी लोग ऋतुओं पर आश्रित रहते हैं, ऋतुएँ सभी की आशाओं को पूरी करती हैं।

91. Adventure – Ad + वन + चर = अपना Advertisement करना हो, या वन में चरना हो, यह ऐसे ही जैसे जब व्यक्ति अज्ञात जगह अपनी पहचान बनाता है, यही है Adventure.

92. अचम्भित – अ + चम + भीत = किसी की चमड़ी और भीत (दीवार) देखकर ही व्यक्ति अचम्भित हो जाता है।

93. आशिफ – आशा + If = आशा होती है, कि ऐसा हो जाऐ, अगर ऐसा हो जाए यही है आशिफ।

94. आसमान – आशा + मान = आशाओं का मान जो रखता है, उसे आसमान कहते हैं। जब कहीं उसकी आशाऐं पूरी नहीं होती हैं, लोग कहते हैं कि आसमान से आस लगाओ, आसमान पर खुदा रहता है, तो फिर वह आसमान से आश लगाता है, और आसमान उसकी आशाओं को मान लेता है, इसीलिए वह आसमान को मान देता है और आसमान को ही खुदा समझता है और हमेशा उसी से आस लगाता है।

95. आचरण – आ + चरण = आते हैं चरण में, उसे कहते हैं आचरण।

96. अंध-विश्वास – अन्न + ध + विश्वास = अन्न खिलाकर ही अंध-विश्वास

कायम किया जातै है यानि जब कोई किसी का अन्न खा लेता है, तो फिर वह उस पर विश्वास कर लेता है, और वह सही है या गलत है इसकी परवाह नहीं करता है, क्योंकि यह उसकी नमक हरामी कहलाती है।

97. आदमी – आदम – आता है दम जिसमें वह है आदमी। आदमी में दम रहता है, इसीलिए उसे आदमी कहते हैं।

98. आशीष - आश + शीष = आशा करनेवाले भगवान के आगे शीष नवाते हैं, आशीष पाते हैं, इसलिए, आऔ शीष नवाऔ, आशीष पाऔ।

99. अनाहत नाद - अन + आहत + नाद = अन्न जब गिरता है, पेट में, तो जो आवाज होती है, उसे अनाहत नाद कहते हैं। अन्न के आहत से जो आवाज होती है, उसे नाद कहते हैं।

100. अनर्थ - अन्न + Earth = अन्न जब Earth (धरती) पर गिरता है, तो, अनर्थ नहीं होता है। गिरा हुआ अन्न ही, कई गुना होकर, वापस हमें प्राप्त होता है। अन्न Earth (धरती) से ही उत्पन्न होता है, इसीलिए उसे अनर्थ कहते हैं।

101. आहत - आह + हत = आह ही तो आहत करती है। इसीलिए कहते हैं, कि किसी गरीब की आह नहीं लेनी चाहिए। यानि किसी गरीब को दुःख नहीं देना चाहिए। नहीं तो उसकी आह, आहत कर देती हैं, बड़े-बड़े साम्राज्यौं को भस्म कर देती।

102. आसाम - आसाम में सामवेद का सामगान करनेवाले रहते हैं। आसाम वह प्रदेश है, जहाँ गाना गाने वाले लोग रहते हैं। आसाम के लोगों का गला बहुत सुरीला रहता है। संगीत अति उत्तम रहता है।

103. Atlas - एटलस - अ + तलाश = तलाश (खोज) का बंद हो जाना। जब व्यक्ति बने बनाए नक्शों का उपयोग करना शुरु कर देता है। तब उसकी स्वयं की खोज बंद हो जाती है।

104. ओझा - ऊँ कार + झाड़नेवाला = ऊँ कार से झाड़नेवाला ही ओझा होता है। MRI Magnetic resonance imaging (चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग) MRI Scan इसलिए किया जाता है, जिसमें देखा जाता है कि कहाँ पर क्षति हुई है। फिर उस स्थान की चिकित्सा की जाती है। इसी प्रकार ओझा भी शरीर की चुंबकीय अनुनाद को चेक करता है। और वह दो चीजों से चेक करता है। एक झाड़ू या दूसरी मोर के पंख। फिर जिस स्थान पर चुंबकीय बिगाड़ होता हैं, वहाँ वह मोर के पंख मारकर ऊँ कार से झाड़ता है। ऊँ से झाड़नेवाला इसलिए उसे ऊँ झा से ओमझा फिर ओझा कहा जाने लगा।

105. अर्थ - सारा आध्यात्मिक ज्ञान संस्कृत में है। संस्कृत से किसी भी भाषा में अर्थ करने पर उसके बदले में अर्थ (धन) मिलता है। जब यह ज्ञान सभी भाषा में उपलब्ध हो जाएगा तब अर्थ (मिलना) बंद हो जाएगा। क्योंकि सभी को उपलब्ध हो जाएगा। सभी आसानी से समझ जाएंगे। कोई दक्षिणा नहीं चढ़ायेगा। इसलिए इसे संस्कृत में ही रहने दीजिए। अर्थ (धन) के लिए इसका अर्थ मत कीजिए। जिसको समझना हो, उसको संस्कृत पढ़ाईये। संस्कृत भी बचेगी, संस्कार भी बचेंगे, संस्कृति भी बचेगी, आध्यात्मिक ज्ञान भी संस्कृत में, बिना मिलावट के सुरक्षित रहेगा। दूसरे किसी भाषा में नहीं जा पाएगा। इसे प्राप्त करने के लिए, सभी को संस्कृत पढ़नी पड़ेगी। सारी दुनिया में संस्कृत के विद्यालय होंगे। और आध्यात्मिक ज्ञान की प्राप्ति के लिए, सभी संस्कृत सीखेंगे।

106. अधिकारी - अधिक + कार्य = अधिक कार्य करनेवाले ही अधिकारी होते हैं।

107. Attitude - अटूट - जो टूटे नहीं, वही Attitude होता है। तभी तो कहते हैं, बड़ा अकड़ कर चलता है, इसका Attitude तो देखो , मैं इसका

घमंड तोड़ूंगा।

108. अड़चन - जब किसी को कोई अड़चन आती है तो वह अर्चन करता है।

109. अपमान - Up + मान = जब कोई यह कहे कि "आओ मेरे सिर के ऊपर बैठ जाओ" तो यह आपका मान है या Upमान है ? क्योंकि वह तो ऊपर बैठा रहा है। ऊपर बैठाना तो मान होता है।

110. आसमान - आस + मान = हम उसी को मान देते हैं, जो हमारी आशाओं को पूरा करता है । आसमान पर रहने वाला परमात्मा हमारी सभी आशाओं को पूरा करता है। इसलिए हम परमात्मा को मान देते हैं।

111. Action - एक + क्षण = एक क्षण में जो हो जाए वही तो Action है।

112. आर्ष विद्या - अर्श ही आर्ष है। अर्श यानि आसमान। विद्या यानि ज्ञान। आसमान का ज्ञान ही तो आर्ष विद्या है । आसमान यानि आकाश । आकाश यानि परमात्मा। तो परमात्मा से संबंधित ज्ञान ही आर्ष विद्या है। जिसे आसमानी इल्म भी कहते हैं।

113. अनजान - अन्न + जान = अन्न में ही जान होती है। यही पहला ज्ञान (जानकारी) आदमी को मिली। इसलिए अनजान होते हुए भी वह अन्न से उसकी जान बची रहती है यही सोचकर वह अनजाने अन्न को भी अपना लेता है।

114. आज्ञा - आता + ज्ञान = आता है, ज्ञान जहाँ उस स्थान को आज्ञा कहते हैं। आज्ञा चक्र वह स्थान है कि जब वह सक्रिय होता है तो आपको ज्ञान आना प्रारंभ हो जाता है।

-:-:-:-

B

1. **भैरव** - भय + रव = भैरव - भय से रक्षा करनेवाला।
2. **Barbeque** - बार + बे + क्यु = किसी ने पूछा यह क्यु रखा है, दूसरे ने कहा बार बे (जलाने) के लिए रखा है। मरे हुए आदमी को जलाने के लिए जिस पर रखा जाता था, अंग्रेजों ने समझा कि यही Barbeque है। इसीलिए वह मरे हुए जानवर को Barbeque में भून कर खाते हैं।
3. **Bar** - Bar में आदमी खुद को बारने (जलाने) जाता है। बार में बैठकर शराब पीता है, शराब आदमी को भीतर से जलाती है।
4. **बारूद** - Bar + ऊद = Bar में जो मिलती वह ऊद (पेट) में जाकर बारूद का काम करती है। जिस तरह से बारूद बाहर विस्फोट करती है। और आग लगा देती है। उसी तरह से शराब पेट में जाकर विस्फोट करती है, और आग लगा देती है। शराब व्यक्ति को अन्दर से जब जलाना शुरू करती है। व्यक्ति में ईर्ष्या उत्पन्न होती है वह दूसरों से जलने लग जाता है। यही ईर्ष्या की जलन उसे अन्दर ही अन्दर जला देती है।
5. **Budget** - बजट – बचत - Budget यानि बजट, हिन्दी के शब्द बचत का ही अपभ्रंश है। बचत का मतलब तो सभी जानते हैं कि आय को खर्च इस तरह से किया जाए कि उसमें से कुछ बच जाए। जिसे बचत कहा जाता है। क्योंकि यही छोटी-छोटी बचत बनकर एक बड़ी बचत बन जाती है। यही Budget - बजट या बचत है।
6. **Bell** - बैल के गले में घंटी बंधी होती है, जिसके बजने पर पता चल जाता है कि बैल आ गया। इसलिए अंग्रेजों ने बैल को ही Bell मान लिया।
7. **Belly** - पेट को Belly कहते हैं क्योंकि छोटे बच्चों के पेट पर घंटी बंधी होती है।
8. **Battle** - बाँटले ही Battle है। जब लोगों में यह तय होता है कि आजा

बाँटले, तो उसका मतलब अंग्रेजों ने Battle लगाया। क्योंकि बाँटना बिना जंग के हो नहीं सकता।

9. **बाहुबली** - जिसके बाहु (बाजू) में बल होता है, उसे ही बली देने का कार्य दिया जाता है।

10. **बिस्तर** - विष से जो तर है, वही तो बिस्तर है।

11. **Bandage** - बंद करने कोई वस्तु को बन्देज लगाया जाता है।

12. **बकवास** - Back + Wash = अंग्रेज रोज सोचते कि Indian लोग लोटा लेकर कहाँ और क्या करने जाते हैं ? एक दिन एक अंग्रेज अफसर ने अपने Junior को लोटे वाले के पीछे भेज दिया। Junior ने Reporting की He is doing Back Wash. तो उस दिन के बाद Back Wash बकवास बन गया। क्योंकि अंग्रेज Back Wash नहीं करते। और Indian की स्वच्छता को बकवास कहते है।

13. **Barricate** (बेरीकेट) - बेर के कांटे - बैरी के लिए, बेरी के काँटों से Barricate (बेरीकेटिंग) की जाती है। दुश्मन के रास्ते में कांटे बिछाये जाते हैं।

14. **Blog** - बैचेन लोगों की बेलगाम बातें। जो कि बेलॉग बातें होती हैं। B Category के लोगों की बातें जो A Category में नहीं आ सके।

15. **बक्षीश** - वक्ष + शीश = स्त्रियाँ अपने वक्ष दिखाकर अपना शीश बचा लेती हैं। कहीं पर भी जब कोई दूसरी सत्ता काबिज होती है तो पहली सत्ता वाली स्त्रियाँ आक्रमणकारी को अपना वक्ष दिखाकर अपने परिवार के लोगों का शीश बचा लेती हैं। यानि वह अपना समर्पण कर देती हैं और अपने परिवार को मरने से बचा लेती हैं, यही बक्षीश कहलाती है।

16. **Book** - काबू करने के लिए Book है। किसी को काबू करना है, तो यह

जान लो कि वह कौन-सी Book को मानता है, बस उसी Book के अनुसार उसे काबू कर लो। इसीलिए अनपढ़ लोग किसी के काबू में नहीं आते हैं, किंतु जो किसी Book को मानते हैं, वह जल्दी काबू में आ-जाते हैं।

17. **बिन बुलाया मेहमान** – बीन बजती है बारात में, नागिन Dance होता है, तो बीन की आवाज से जो चले आते हैं वह हैं बिन बुलाये मेहमान। बीन ही तो उनके लिए निमंत्रण है। यानि सर्प चले आते हैं।
18. **भोजन** – भोज का अन्न - राजा भोज के द्वारा दिया जानेवाला अन्न। राजा भोज हर किसी को अपना अन्न आमन्त्रण कर खिलाते थे, इसी से अन्न का नाम भोजन हो गया।
19. **बँटवारा** - बाँटने के लिए जो वार होती है, उसे बँटवारा कहते हैं।
20. **बाँसुरी** - बान (वाणी) को जो सुर दे, वह बाँसुरी है।
21. **भ्रम** – भर + Rum = भर जाती है जब रम भीतर, तो फिर उसे भ्रम हो जाता है।
22. **बुन्देलखण्ड** - बुनकरों एवं देऔल (चने की दाल) खानेवाले लोगों का खण्ड। बुन्देलखण्ड में बुनकर लोग एवं चने की दाल खाने वाले लोग रहते हैं।
23. **भटक** - भगवान् में अटकना, भगवान् में जो अटक जाता है वही भटक जाता है।
24. **भिक्षुक** - भगवान् को पाने का जो इक्षुक होता है वह भिक्षुक होता है।
25. **भूना** – जो भू का नहीं रहा।
26. **भूत-भविष्य** - भू = भूमि यानि मिट्टी, त = तय। सबका भूमि यानि मिट्टी बनना तय यानि निश्चित है। कोई भी हो अंत में सभी को देर-सबेर मिट्टी ही

बनना है। यही मिट्टी बनना ही भूत है। उसी भूत यानि मिट्टी से फिर भविष्य बनेगा। यानि उसी मिट्टी से फिर नया जीव बनेगा। यही भूत-भविष्य है।

भविष्य = भव = हो, ईष्य = ईश्वर हो जो ईश्वर के अनुसार। यही भविष्य है।

27. बंधन - बंधन केवल धन के होते हैं। धन से ही आदमी बंधा होता है। धन के लिए ही वह ब अंध यानी अँधा होता है। देख लो सारी दुनिया सब धन के पीछे अंधी है। अब जब यह धन को नहीं छोड़ेंगे तो मैं कैसे इनको बंधन मुक्त कर सकता हूँ। अगर यह धन छोड़ने को तैयार हैं, तो अपने आप बंधन मुक्त हो जायेंगे।

28. बालीबाल - क्रिकेट के खेल का प्रारंभ सैनिकों की आरामगाह से हुआ। जब युद्ध समाप्त होता था तो एक पक्ष के सैनिक दुसरे पक्ष के सैनिकों की कटी हुई लाशों के सिरों के बाल पकड़कर एक-दुसरे के पास फेंकते थे उसी को लोग बालीबाल कहते थे।

29. Butt - और उसी सिर को जब यह सैनिक अपने बदूक के बट से मारते थे तो उस बट का नाम आगे चल कर बैट पड़ गया।

30. Ball - और जिस सिर के बाल पकड़ कर सैनिक लोग खेलते थे वह बाल नाम से प्रसिद्ध हो गयी।

31. बुनियाद – बुनी + याद = बुनी हुई यादें ही बुनियाद है। व्यक्ति दो ही तरह से बुनियाद बनाता है, या तो बुनकर या फिर यादों को बुनियाद बनाता है।

32. Bail - पुराने समय में महाजन का कर्जा जब किसान नहीं चुका पाता था। तो वह किसान के बैल ले जाता था। यानि जमानत के तौर पर बैल ले जाता था। वही है Bail.

33. Balance – बल + अंश = बल का अंश ही Balance है।

34. Basket - बाँस की Kit ही Basket है।

35. भ्रमित - मित (मीठा) बोलने वाले ही भ्रमित करते हैं।

36. बालिग - बाल + Egg = जिस लड़के के बाल उग आए हैं, जिस लड़की में Egg आ गए हैं, वह दोनों बालिग हैं।

37. भयंकर – भय + अंक + कर = भय दिखाया जाता है अंक दिखा कर के कर (Tax) के। यानि कर ही भयंकर होता है।

38. Bill – Body + ILL = Body जब ILL हो जाती है, उसको ठीक करने के लिए उसका तो उसका Bill बनता ही है। यह बिल लम्बा ही होता जाता है, जैसे चूहे का बिल। जिसमें चूहा पकड़ने के लिए हाथ डाला जाता है तो वहाँ साँप मिलता है।

39. बिगड़ – Big + अड़ = Big यानि बड़ा ही अड़ जाता है। जब भी जीवन में कोई अड़ता है तो समझो वह Big यानि बड़ा है। वह अड़ता इसलिए है क्योंकि वह बिगड़ गया है यानि उसे सही तरीके से गढ़ा नहीं गया है।

40. Beautiful – Beauty + फूल = फूल ही Beautiful बनाते हैं। यानि फूलों से जब किसी का श्रृंगार कर दिया जाता है तो वह सुंदर यानि Beautiful हो जाता है।

41. बेशर्म – बेच + शर्म = बेच देता है जो अपनी शर्म वह बेशर्म हो जाता है। आदमी दो ही परिस्थिति में अपनी शर्म बेचता है, एक Wish और दूसरी Rum. यानि जब किसी को कोई ईच्छा होती है, और वह पूरी नहीं होती है तो वह अपनी शर्म को बेच कर दूसरे के यहाँ काम करने को तैयार हो जाता है और पैसा कमाता है। और दूसरी जब किसी के शरीर में Rum (शराब) जाती है तो वह अपने आप बेशर्म हो जाता है, और जब उसे पीने को Rum नहीं मिलती है, तो वह शर्म के साथ-साथ सब कुछ बेच देता है।

42. भवन – भव्यता + वन = जब कोई वन में रहने जाता है तो एक भवन

बनाता है, जो भव्य होता है। सभी सुविधाओं से सम्पन्न होता है उसे भवन कहते हैं।

43. **बसूली** – बस + सूली = जब कोई बस में हो जाता है, तो फिर उससे बसूली करना आसान होता है और जो बस में नहीं होता है वह सूली पर चढ़ा दिया जाता है।

44. **Botany** – बूटी + टहनी = जड़ी-बूटी और टहनी का जो विज्ञान होता है, वह Botany कहलाता है।

45. **Bank** – पहले जमाने में नदियों और समुद्रों से जहाज के द्वारा यात्रा कि जाती थी, जब जहाज किनारे (Bank) पर पहुँचता था, तो वहाँ पर एक जगह होती थी, जहाँ पर जहाज वाले लोग अपने पैसे जमा कर सकते थे और और बाद में आकर ले सकते थे, वही Bank फिर Bank हो गया।

46. **बागडोर** – बाग + डोर = बाग में जानवर को ले जाते समय उसकी बागडोर पकड़ कर रखनी पड़ती है, नहीं तो वह बगीचे को नष्ट कर देता है।

47. **भ्रमर** – भ्रम + मर = भ्रम में मरने वाले ही भ्रमर होते हैं।

48. **Break** – बर + एक = बर (जलाकर) सबको एक कर देना ही, Break है।

49. **बदौलत** – B + दौ + लत = दो प्रकार की Bad लत ही, बदौलत होती है। इसीलिए इससे दो लत लगती हैं एक जुआ की और दूसरी वैश्या के पास जाने की, यही है Bad दौलत।

50. **बुन** – ऊन को ही बुना जाता है।

51. **भाँप** – भाप से ही तो भाँप लिया जाता है। यानि जिसे Ora कहते हैं, वही तो भाँप है। वह सबके पास है, उसे भाप से पता चल जाता है कि यह कैसा इन्सान है ?

52. **बन्दरगाह** – बन्दर + गाह = बन्दर के रहने का स्थान – जब रामेश्वरम् में

सभी बन्दर एकत्रित हुए, तो रावण ने कहा कि यह तो बन्दरों की गाह है।

53. Barrier – बैरी लोग ही Barrier लगाते हैं।

54. भावना – भाव + ना = भाव का ना होना ही भावना है।

55. Blue Print – नील की खेती से कार्बन बनाया जाता है, तो कोई कुछ काम करता है, तो उसके किये काम को चुराने के लिए, नील से बना कार्बन रख दिया जाता था, जो नीचे छप जाता था, जिसका उपयोग दूसरा कर लेता था, जिससे दूसरे के कार्य को चुराकर अपना कार्य किया जाता था, इसीलिए कहते हैं, कि Blue Print है।

56. भाड़ – भगवान + आड़ = जो भगवान की आड़ में जाते हैं, वह भाड़ में चले जाते हैं।

57. Base – बासी = किसी के Base Camp का पता उसके बासी अन्न से चलता है, क्योंकि वह Base Camp में बासी अन्न छोड़ जाता है, यही Base है।

58. बलात्कार – बल + आता + कार्य = बल के आने पर जो कार्य किया जाता है, उसे बालत्कार कहते हैं यानि जो भी कार्य बलपूर्वक किया जाता है, उसे बलात्कार कहते हैं।

59. Bill – बिल – पहले बिल नहीं दिये जाते थे, पहले बिल भरे जाते थे, चुहे से लोग बहुत परेशान रहते थे, और उसका बिल भरते थे, किंतु फिर वह कहीं और से बिल बना लेता था, तो फिर उस बिल को भरते थे, तो थक-हार कर आदमी ने बिल्ली पाल ली, अब बिल्ली उन चूहों को पकड़ती और खा जाती, किंतु अब नई समस्या थी, बिल्ली के मारे दूध नहीं बचता था, तो आदमी ने कुत्ता पाल लिया और कुत्ते के कारण बिल्ली दूर रहती थी, किंतु कुत्ते के लिए मांस चाहिए, तो उसने मुर्गीपालन किया, कुत्ता मुर्गी

के पीछे भागता रहता, तो आदमी मुर्गे को खाकर उसकी हड्डी कुत्ते के लिए डाल देता कुत्ता उसी में उलझा रहता। किंतु अब आदमी को सभी के लिए Bill भरना अभी-भी भरना पड़ता है।

60. बलगम – बल + Gum = आदमी का Gum (वीर्य) ही उसका बल है, जब वह बल बाहर निकल जाता है, तो उसे गम (दुःख) हो जाता है, तो फिर वह अपने बल की बातें दूसरे लोगों को बताता है, कि मैंने यह किया, मैंने वह किया, तो लोग उसकी बातें सुनकर उक्ता जाते हैं, और उसे खाने को Bubblegum देते हैं, जिसे वह चबाता रहता और अपने बल जाने का गम किसी को नहीं सुना पा पाता है।

61. बस्ता – किसी को बस में करने के लिए बस्ता दिया जाता है। स्कूल जाने के लिए एक बस्ता दिया जाता, उसमें किताबें होती, किताबें पढ़ने पर वह किताबों के बस में आ जाएगा, इस तरह वह बस में कर लिया जाएगा।

62. बैशाखी – वय (शरीर) के बूढ़े होने पर, लकड़ी (शाख) पकड़ कर चलते हैं, उसे बैशाखी कहते हैं।

63. बहाना – जब किसी को पेशाब आती है, तो वह कोई-न-कोई बहाना करता है, और पेशाब करने जाता है।

64. Black – बला + Lack = जब किसी का बल Lack किया जाता है, उसे किसी बला के हवाले कर दिया जाता है, वह बला उसके बल को कम कर देती है, और उसकी उजली जिन्दगी को Black (काला) कर देती है।

65. भाँगड़ा – भाँग पीकर भाँगड़ा किया जाता है।

66. बिल्कुल – Bill + कुल = Bill देखकर ही किसी का कुल पता किया जाता है।

67. भेंट – भय से ही आदमी किसी को भेंट देता है।

68. Billiards – बिल में गेंद को डालने का खेल ही Billiards.

69. बिजली – बीज जिसका ले लिया जाए उसे बिजली कहते हैं।

70. Bungalow – बंगला + Low = बंगाल में रहनेवाले Low Category के लोग जहाँ रहते हैं, उसे ही Bungalow कहते हैं। अंग्रेजों ने देखा कि बंगाल में लोग इस तरह रहते हैं, तो उन्होंने भी इसी तरह मकान बनाए और उनका नाम Bungalow दिया।

71. बदला – औरतें जब बदला लेती हैं, तो वह सब बदल देती हैं।

72. बेचैन – बेच + चैन = बेचनेवाला हमेशा बेचैन रहता है, कि यह जल्दी से जल्दी बिक जाए।

73. Bone Marrow – रीड की हड्डी यानि मैरु पर्वत से लिया गया है मज्जा कहलाता है।

74. बुलावा – Bull को भेज कर ही बुलावा भेजा जाता है। किसी को लाने के लिए पहले बैलों की बैलगाड़ी भेजी जाती थी, जिसे बुलावा कहते हैं, तो कहा जाता था Bull आवा है।

75.बेहतरीन – बेहतर + ऋण = ऋण ही बेहतर होता है।

76. भावना – भाव + ना = जिसे आप भाव नहीं देते हैं, उसे भावना देते हैं।

77. भ्रष्टाचार – भर + अष्ट + अचार = पहले जमाने में चार लोग किसी की मरी देह को घर लाते थे, तो उसे जलाते यानि दफनाते नहीं थे, उसमें आठ प्रकार के मसाले भरे जाते थे, जिससे वह अचार बन जाता था, और किसी को भ्रष्ट करना हो तो उसे वह अचार खिलाया जाता था। बस तभी से अचार और भ्रष्टाचार शुरु हो गया। जब आदमी तपस्या में बैठता है तो अष्ट चक्रों का भेदन करता है, और अगर उसे उन अष्ट चक्रों से पहले गिरा दे तो उसे भ्रष्ट करना कहते हैं, किसी को भ्रष्ट अचार खिलाकर ही किया जाता है,

क्योंकि अचार खाने से वह अपनी तपस्या से नीचे गिर जाता है, और बाहर के स्वाद में फंस जाता है।

78. **Bureau** – जहाँ हर चीज का ब्योरा रखा जाता है, वह Bureau है।

79. **भान्ड -** भान + डर = भान जाते हैं जो डर को वह भान्ड हो जाते हैं। यानि जो डर को पहचान जाते हैं।

80. **भरत** – भर + रत = भरने में रत रहता है, उसे भरत कहते हैं।

81. **भार्या** – जिसका भार अपने सिर पर हो उसे भार्या कहते हैं, पत्नी का भार सभी के सिर पर होता है।

82. **भिन्न** – जब व्यक्ति किसी से भिन्न होता है, तो वह भिन्न-भिनाता रहता है, कि वह सबसे भिन्न है।

83. **बांझ** – वाणी + झरना = जैस-जैसे स्त्री की वाणी झरने लगती है, वह बांझ होने लगती यानि जो स्त्री ज्यादा बोलती है, वह स्त्री बांझ होती है।

84. **बाँध** – बाण + धसना = जब भीष्म के गंगा नदी में बाँणों को धसाकर पहला बाँध बनाया था तभी से नदी के पानी को रोककर कोई इस प्रकार का कार्य करता है, उसे बाँध कहते हैं।

85. **बहू** – वह परदादार थी, पास से निकली पूछा कोन की बहू है **?** तो बहू ही Who हो गया और कौन की जगह अंग्रेजों ने Who का प्रयोग किया।

86. **भूख** – भू + ख = भू जिसको खाती है, वह भूख है। भू यानि धरती सबको खा जाती है, उसकी भूख कभी खतम नहीं होती है।

87. **भूना** – भू + ना = जिसको भून दिया जाता है, वह भू की नहीं रहती है, यानि जिन बीजों को भून दिया जाता है, फिर वह भू के लायक नहीं रहते हैं, यानि उनसे फसल नहीं उग सकती है।

88. **बहस** – ब + हस = बंद हो जाता है जहाँ हँसना वह होती है बहस।

89. बिलान्त – बिल + आन्त = बिल और आन्त कभी न छोटे होते हैं।

90. बीमार – बीमा + मार = जो लोग बीमार होकर मरते हैं, उनका बीमा कर के उन्हें मार दिया जाता है। वह बीमा की मार मरते हैं। जो बीमा करवाते हैं वह अक्सर बीमार रहते हैं। क्योंकि ईलाज बीमा के हो जाता है।

91. बाग – बागी लोगों को बगीचे के काम में लगाया जाता है। जहाँ पर वह **Bug** तैयार कर के रखते हैं, और राजा के यहाँ भेजते हैं। बागी लोगों के पास हमेशा अपना एक **Bag** होता है, जिसमें वह अपना सारा सामान रखते हैं, क्योंकि उनके रहने का कोई एक स्थान होता नहीं है।

92. Beach – बीच – समुद्र और धरती के बीच का स्थान Beach है।

93. Boot – बूट – खेतों में कटाई के बाद जो पोधे के अंश जमीन में गड़े रह जाते हैं, वह बूट कहलाते हैं, इसी से बचने के लिए अंग्रेजों ने पैरों में पहनने वाले Boot (मोटे चमड़े के जूते) बनाए।

94. बरगलाया – बर यानि जलाकर उसे गलाना ही बरगलाया होता है, फिर उसे किसी चीज में भी ढाल लो।

95. बादशाह – Bad + शाह = जो बुरे (Bad) शाह होते हैं वह बादशाह होते हैं।

96. बिल्कुल - Bill + कुल = Bill देखकर ही किसी का कुल पता किया जाता है।

97. बालक - बाल + Luck = बालपन में ही बालक की किस्मत (जन्मकुंडली) देखी जाती है। कि बालक का Luck क्या होगा ?

98. बिगुल - बिजली + गुल = युद्ध के समय जब सायरन बजता था, और तब बिजली गुल हो जाती थी। इसलिए उस समय बजने वाले सायरन का नाम बिगुल रखा गया।

99. भुगत - भू + गत = भू में जाना ही सबकी गत है। जमीन में मिल जाना ही सबकी गति है।

100. भूल - भूमि + लय = भूमि के साथ लय हो जाना। भूमि में पुनः मिल जाना। इन्सान यही तो भूल जाता है, कि उसे भूमि में लय हो जाना है।

101. बेचारा - बिचारा - बीच + आरा = जो आरे के बीच में आ जाए वह बेचारा ही होता है। जो दो लोगों के बीच में आ जाए, वह बेचारा होता है। यानि कभी किसी के बीच में से नहीं जाना चाहिए। या जिसे आरा बीच से चीर देता है, वह बेचारा होता है। या जहाँ आरा चल रहा हो वहाँ पर बीच में से निकलना नहीं चाहिए।

102. Budget - Budget के अनुसार व्यक्ति अपना Budget बनाता है कि वह बचत कर सके। परन्तु सरकार उसे हर तरफ से घेरकर ऐसा Budget देती है कि वह बचत करने की सोच ही नहीं सकता है। यहाँ सरकार अपनी चालाकी दिखाती है, व्यक्ति अपनी चालाकी दिखाता है। न सरकार व्यक्ति को राष्ट्र का आदमी समझती है। न व्यक्ति सरकार को राष्ट्र समझता है। सरकार Tax इकट्ठा करना चाहती व्यक्ति Tax बचाना चाहता है। न सरकार को राष्ट्र के व्यक्ति की पड़ी न व्यक्ति को राष्ट्र की सरकार की पड़ी है।

103. ब्राह्मण - ब्रह्म + मण = जिसका मन ब्रह्म में लग गया। वह ब्राह्मण है। ब्रह्म से उसके मन का संपर्क हो गया। वह ब्रह्म से उर्जा प्राप्त करता है। उसकी शक्ति ब्रह्म से आती है। वह ब्रह्म के संपर्क में रहता है।

104. बारात - Bar + रात = रात में जो Bar ढूंढ़े वह बारात और बाराती।

105. वकील - वाक् + कील = वाक् का मतलब जबान यानि जिसकी जबान पर कील लगा दी जाए वह है वकील। यानि जिसकी जबान में कील घुसा

दी जाए।

106. भेद-भाव = किसी के भेद जानने के लिए दूसरे को भाव दो। जैसे रावण के भेद जानने के लिए राम ने विभीषण को भाव दिया। रावण के जिंदा रहते हुए विभीषण का राज्याभिषेक कर दिया। तो विभीषण ने रावण का भेद बता दिया।

107. भूला-भटका - जो भूल जाता है वही भटक जाता है। इसीलिए याद रखना बहुत जरुरी है। याद वही रखता है जो होश में हैं। जो नशे में है वही भूल जाता है। इसलिए भूला-भटका कहलाता है। आदमी यही भूल जाता है कि उसे भूमि के साथ लय करना है। आदमी भगवान के साथ अटक जाता है। भूमि में मिलना है यही भूल जाता है। जो भगवान के साथ अटक जाता है वही आदमी भटक जाता है। क्योंकि हर आदमी यही प्रमाण देता है कि वह जमीन से जुड़ा हुआ है। जमीन से जुड़ा है व्यक्ति परन्तु बात आसमान की करता है। आसमान यानि परमात्मा। परन्तु वह यह भूल जाता है, आखिर में उसे भूमि में ही मिल जाना है। फिर वह शरीर आत्मा की बात करता है। यानि भेद की बात करता। शरीर और आत्मा को अलग समझता है। परन्तु किसी से भेदभाव पूर्ण व्यवहार करने के लिए मना करता है। वह शरीर के भेद जानना चाहता है। और परमात्मा के लिए कहता है कि परमात्मा तो भाव का भूखा है। बस यही भूल है और यहीं वह भटक जाता है। और भूला-भटका कहलाता है।

108. भूख - भूमि + खाना = आदमी भूमि को खाता है। भूमि आदमी को खाता है। भूमि पर उगे साग-सब्जी खाता है। और जब मर जाता है तो भूमि आदमी को खा जाती है। अब पता नहीं हम भूमि को खाते हैं या भूमि हमें खाती है।परन्तु भूमि की भूख हमसे ज्यादा है न जाने कितनों को कबसे

खाती आ रही है।

109. भगवान - भगवा + न = जो भगवा नहीं पहनता वही भगवान है। भग कहते हैं योनि को। वान कहते हैं उस योनि के मालिक को। भग स्त्री के पास होती है। उस स्त्री का पति उसका मालिक होता है। भगवा वस्त्र जो पहनता है। उनकी कोई स्त्री नहीं होती है। वह किसी भग के वान नहीं होते हैं। क्योंकि भगवान सृष्टिकर्ता है। और जिसके पास स्त्री है वही उस स्त्री से सृष्टि का निर्माण करता है। भगवाधारी के पास स्त्री नहीं है। इसलिए वह सृष्टि का निर्माण नहीं कर सकता है। इसलिए भगवा पहननेवाला भगवान नहीं है।

110. भजन - भ + जन = भगवान + जन = भगवान ही जन है और जन ही भगवान है। यानि जो जनता है वही भगवान है। यानि जो जन्म देता है वही भगवान है। यानि जो पैदा करता है वही भगवान है।

C

1. **Calorie** – काल + लोरी = लोरी ही काल से बचाती है। लोरी गाने से Calorie Control में आ जाती है।
2. **चिलमन** - Chill + मन = Chill (ठंडा) मन ही चिलमन है।
3. **Compensation** - कम्पन + शेष + अन्न = शेष नाग के हिलने-डुलने से पृथ्वी में कम्पन होता है, जो बचा हुआ अन्न होता है, उसे सभी में बाँटने को Compensation कहते हैं।
4. **Catharsis** - कथ Or सिस = कथा-कहानी सुनाकर या अकेले में सिसकियाँ लेकर व्यक्ति Catharsis यानि रेचन को प्राप्त कर लेता है।
5. **Commander** - कमानदार - जिसको कमान दी जाती है, उसे ही Commander बनाया जाता है।
6. **Channel** - छान + नल = पानी को छानने के लिए Channel पूरा Channel बिछाया जाता है।
7. **Calendar** - काल + End = काल (समय) के End होने का डर।
8. **Custodian** - कष्ट तो दिया - जब कोई व्यक्ति किसी को सुधारता है तो कहता थोड़ा कष्ट तो देंगे पर तुम अच्छे हो जाओगे।
9. **चकमा देना** – Cheque में देना ही चकमा देना होता है। अक्सर इसी तरह से चकमा दिया जाता है।
10. **Comfort** - Com + Fort = दो ही जगह Comfort मिलती है। एक कौम में दूसरी Fort में।
11. **Cross** - जहाँ Crow के द्वारा रोष को प्रकट किया जाए उसे Cross कहते हैं। जब किसी व्यक्ति को सूली पर लटकाया जाता है, तब बहुत सारे कौए उसे खाने के लिए आते हैं।
12. **चक्कर** - चक (खेत) + कर (Tax) = कोई खेत के चक्कर लगाता है। कोई कर (Tax) के चक्कर में चक्कर लगाता है।

13. **Cushion** - तकिये में कुश (काँटे) का न होना ही Cushion है।

14. **Community** - कौम + Unity = कोम में Unity बनाए रखने के लिए Community होती है।

15. **Chain** - चैन - जब तक चयन नहीं होता तब तक चैन नहीं होता है। जब तक बैग में Chain न लगा लो तब तक चैन से सो नहीं सकते।

16. **Charm** - चर्म - चर्म को ही Charm कहते हैं।

17. **Client** - कलाई + Entry = कलाई को पकड़कर Entry करना। इसलिए कलाई पर धागा बाँधकर उसे अपना Client (यजमान) बना लेते हैं।

18. **Climate** - कलाई + Mate = कलाई पकड़ना या Mate करना यह एक ही बात है। यही Climate है।

19. **Confident -** कोण (Angle) को Fix करनेवाले पर Dent नहीं पड़ता है। कोण को फिक्स करनेवाला बन्दर डाल से नहीं चूकता है। कोण को फिक्स करनेवाले ड्राईवर की कार पर Dent नहीं पड़ता है। कोण को फिक्स करनेवाले के दाँत नहीं टूटते हैं। कोण यानि कानों को भी अपनी बात न बताने वाले ही Confident होते हैं।

20. **चुनाव** - चुनना नाव को यानि नाव का ही तो चुनाव करना है।

21. **Constitution** - कंस + Tuition = कंस की Tuition ही, Constitution है। कंस के द्वारा ही पहला Constitution बनाया गया।

22. **Conspiracy** – कंस + पाय + ऋषि = ऋषि लोगों ने कंस के साथ ही तो Conspiracy की थी। जब कंस को किसी तरह न मार पाये तो उसके दिमाग में भर दिया कि जिसे तू इतना प्यार कर रहा है, उसी बहन का आठवाँ बेटा तुझे मारेगा। बस यही Conspiracy में कंस फंस गया और गुनाह करने लगा।

23. Calculator - काल + कुल + Later = काल, कुल और Later (बाद) में क्या हुआ। इसकी गणना के लिए Calculator होता है।

24. Case - स्त्री ने पति की कमीज पर केश देखा जो किसी अन्य स्त्री का उसे लगा। इस बिनाह पर उस स्त्री ने अपने पति पर Case कर दिया।

25. चूना - पानी अगर कहीं पर चूता है तो फिर वहाँ चूना लगा दो, पानी नहीं चुयेगा।

26. Cataract - Cat + अ + रस्त = Cat के Track को पार करने पर Cataract हो जाता है। बिल्ली के रास्ते में नहीं आना चाहिए। जब बिल्ली रास्ता काटती है, तो उसके बाद चलने पर Cataract हो जाता है।

27. Casualty - केश + उल्टी = खाने में जब केश (बाल) आ जाते हैं, तब आदमी को उल्टी होती है।

28. 24 Carrot - 24 घण्टे तक जिसकी चमक बनी कहे।

29. चुनाव - नाव का चुनाव करना है।

30. Cinema - सीने + मा = सीने में क्या है ? हनुमानजी ने सीना चीरकर, पहला सिनेमा दिखाया। उनके फटे सीने में भगवान राम माता सीता का Projection हुआ।

31. Charge = चाह + अर्ज = चाह में अर्ज करता है और Charge हो जाता है। व्यक्ति में किसी वस्तु को प्राप्त करने की चाह (ईच्छा) उत्पन्न होती है। जिसके लिए वह अर्ज (प्रार्थना) करता है। प्रार्थना करने से वह Charge (पुनर्जावान) हो जाता है। क्योंकि प्रार्थना में वह परम उर्जावान से जुड़ जाता है। जैसे मोबाइल Charge करने के लिए Socket में लगा दिया जाता। जिससे वह सारी उर्जा को सोख लेता है। उसी प्रकार से और अपनी चाह को प्राप्त कर लेता है। Socket में लगे हुए मोबाइल से हम कोई कार्य नहीं करते कि जब तक वह Charge न हो जाए। उसी प्रकार प्रार्थना

(पूजा या पाठ या ध्यान) में बैठे मनुष्य को भी कोई भी मानसिक या शारीरिक कार्य नहीं करना चाहिए। नहीं तो Short-circuit होकर वह पागल हो जाएगा। और दूसरे किसी अन्य व्यक्ति को भी उसे परेशान नहीं करना चाहिए। क्योंकि इससे परम उर्जावान से आनेवाला उर्जा का प्रवाह प्रभावित होता है। यह ऐसे भी है जैसे Oven में रखा खाना या Fridge में रखी Ice-cream बार-बार खोल कर देखना।

32. Crawl - Crow की तरह चलना।

33. **छलाँग -** छल + Long = छल कर Long जाना ही छलाँग है। जब किसी को लम्बा कार्य करना पड़ता है, तो वह छल करता है।

34. Clock - काल को Lock कर दे वह Clock है।

35. Camp - कंप **-** पृथ्वी पर जब कंपन होता है**,** तो उस कंपन में मकान न गिरे**,** इसके लिए Tent के Camp लगाए जाते हैं।

36. Cholesterol - काल का अस्त्र **(**हथियार**)** है राल। मुँह से जब लार **(**राल**)** निकलती है**,** सुबह सोते हुए या दिन में सोते हुए**,** तो समझ जाना चाहिए कि काल **(**मृत्यु**)** का अस्त्र आ गया। राल का निकलना ही Cholesterol है।

37. Control - कान से ही Control किया जाता है। किसी के कान में कोई बात कह दो तो वह Control हो जाता है।

38. **चिन्हित** – चिन्ह + Hit = जहाँ पर Hit करना होता है, उस स्थान पर एक चिन्ह लगा दिया जाता है। जैसे अलीबाबा चालीस चोर में अलीबाबा के घर को Hit करने के लिए चिन्हित X किया गया था।

39. **Curriculum** - कुल की पहचान कड़ी से होती है। पहले काल में गुरुकुल होते थे। जहाँ पर गाय होती थी, गाय के दूध से दही और दही से छास, और छास से कड़ी बनती थी। बस वही कड़ी पहचान होती थी कि

आप किस गुरुकुल के हैं। कड़ी यानि गुरुकुल में कड़ी मेहनत कराई जाती थी। तो जब वह गुरुकुल से निकल कर नौकरी की तलाश में जाता था तो उससे कड़ी बनवाई जाती थी जिससे पता चल जाता था कि वह किस गुरुकुल से आया है।

40. Cushion - कुश का न होना ही Cushion है।

41. Community - Com में Unity बनी रहे इसलिए Community बनाई जाती है। जिससे कौम की उन्नति होती रहे।

42. चक्कर - चाक पर जब हाथ चलते हैं तो वह चक्कर खाता है।

43. चिंतक – Chin + तक = Chin **(ठोड़ी)** के नीचे हाथ रखकर तकना ही चिंतक है। चिंतक अपनी Chin के नीचे हाथ रखता है और किसी को तकता है, यही चिंतक है। इसी अवस्था को चिंतन करना भी कहते हैं।

44. चटनी – चट + Knee = Knee (घुटने) को चट कर जाए वह है चटनी। चटनी खाने से घुटने में दर्द होता है। क्योंकि चटनी खट्टी होती है, और खट्टी चटनी से घुटने में दर्द होता है।

45. Catch Up – Cat + च + Up = Cat चड़ती है ऊपर – बिल्ली से गाँव में दूध-दही को बचाने के लिए छींके पर रखा जाता था। बिल्ली उस दूध-दही को पकड़ने के लिए छींके के ऊपर चड़ती थी, उछलती थी, कूदती थी। उसी से Catch Up बना है।

46. Champion – चम्पी + On = Champion की चम्पी की जाती है। जिससे उसके दिमाग से उसके Champion बनने की बात निकाली जाती है। और Champion का दिमाग ठण्डा कर दिया जाता है।

47. Conditioner – कण्डी + शनर = अंग्रेजों के देश में जब ठण्डी पड़ती थी, तो वहाँ पर कण्डी (उपलों) को जलाते थे, ठण्ड दूर करने के लिए, उसे कण्डीशनर कहते हैं।

48. Clerk – कला + अर्क = कला आती है जिसको अर्क निकालने की, उसे कहते हैं Clerk.

49. Computer – कम + प + उत्तर = कम परिश्रम करने पर जो उत्तर दे, वह है Computer.

50. Comb – कौम + बन्ध = कौम को एक रखने के लिए एक ही Comb का इस्तेमाल किया जाता है। यानि जब सारी कौम एक ही कंघे का इस्तेमाल करते हैं तो उनमें एकता रहती है।

51. Club – कलह + ऊब = घर की कलह से जो लोग ऊब जाते हैं, वह Club में जाते हैं।

52. Clear – कली + Ear = कली और Ear दोनों ही Clear होनी चाहिए।

53. Cabinet – कब + ई + Net = इस Net (जाल) से कब निकलेंगे यही Plan बनाते रहते हैं, वही Cabinet है।

54. Captain – कपट + In = जिनके अन्दर कपट होता है, उसे ही Captain बनाया जाता है। वह Captain ही Cap पहनता है, वही उसकी पहचान होती है। ऐसे ही जो कपट करता है, उसके ही मुकुट पहनाकर राजा बनाया जाता है।

55. Create – क्रियेत – क्रिया की Create है।

56. Cutter – कुतर – चूहे ही कपड़े कुतर एवं काट जाते हैं, उसी कुतरने से Cutter एवं Cut बना।

57. Character – चरित्र ही Character है।

58. Class – कला + Ass = कला सिखाई जाती हैं जहाँ गधों (Ass) को जहाँ वही Class है, जबकि Class में उन्हें यही सिखाया जाता है कि उन्हें गधे से इन्सान बनाया जा रहा है। परंतु जब उनसे काम लिया जाता है, फिर वह कहते हैं कि हमसे तो गधों की तरह काम लिया जाता है।

59. Crazy – क्रय + जी = जिनका क्रय करने में जी लगता है, उन्हें Crazy कहते हैं।

60. Chauhan – Chau + हान = Chau और हान वंश वालों को Chauhan कहते हैं।

61. Circle – सिर + कल = सिर को जब कलम किया जाता है, तो सिर Circle की तरह दिखाई देता है।

62. Concert – कौन + शर्त = कौन जीतेगा ? जब यह शर्त लोग लगाते हैं उसे Concert कहते हैं।

63. Clip – Close + Lip = Close करना Lip को वही तो Clip है, यानि औंठों को बंद करना ही, Clip है।

64. छींक – कोई भी छी (गन्दगी) दिखने पर छींक आ जाती है।

65. Chant – चंट लोग ही Chant करते हैं, जो Chant नहीं करते हैं, उन्हें चाँटा ही मारा जाता है।

66. चसका – सच का ही चसका लगता है सबको।

67. Captcha – कपट + चतुर = कपटी और चतुर लोगों से बचने के लिए Captcha लगाया जाता है।

68. Crawl – Crow + Owl = Crow और Owl की तरह चलना ही Crawl कहलाता है।

69. Candle – कंदील ही Candle है।

70. Cattle – काटले – जिसको काटने के लिए पालते हैं, उसे Cattle कहते हैं।

71. Confession – कान + फंस = कान में बात कहकर किसी को फंसाना ही Confession होता है।

72. Convince – कान + वंश = कान में अपने वंश की बात कहकर किसी

को Convince किया जाता है, जैसे कुंती ने कर्ण को उसके कान में कहा कि तुम पाण्डु के वंश के हो हमारे साथ आ जाओ।

73. **Capsule** – जब किसी को काँटा देना होता था खाने में तो उसे Capsule में रखकर खिला दिया जाता था, Capsule तो पिघल जाता था, परंतु काँटा उसकी आँतों को काट देता था और जख्म कर देता था। वह काँटा भी पिघल जाता था।

74. **Cunning** – हर जगह अपने कान डालते हैं, वह Cunning हो जाते हैं।

75. **Cheat** – Eat (खाने) में कुछ भी मिलाकर व्यक्ति Cheat करता है। यानि जब कोई पहलवान किसी और पहलवान से तगड़ा होता है, तो दूसरे पहलवान के लोग उसके खाने में ऐसी वस्तु मिला देते हैं, जिससे वह जल्दी थक जाता और चित्त हो जाता है, यही Cheat है, इसीलिए भारत में लोग किसी के यहाँ खाते-पीते नहीं थे।

76. **Cinderella** – Sin + डर = जो Sin (पाप) से डरती है, वह है Cinderella.

77. **Control** – कान + Troll = कान के द्वारा ही किसी बात को Troll कर Control किया जाता है।

78. **Churn** – चूर्ण ही Churn है।

79. **चिकनाई** – Chick + नाई = नाई जब Chick (गाल) के बाल यानि दाड़ी बनाता है, तो गालों पर चिकनाई आ जाती है।

80. **Cadet** – कैद + देते = जिन्हें कैद देते हैं, उन्हें Cadet कहते हैं।

81. **Cooker** – कुकुर (कुत्ते) को Cooker में पकाते हैं।

82. **Colour** – कोल + Our = कोल (पास) उसी को बुलाते हैं, जो हमारा (Our) है। यानि जो हमारे रंग (Colour) का होता है, उसे ही हम अपने पास बुलाते हैं।

83. Creative – क्रियात्मक ही Creative है।

84. Cake – सेक – Cake को ही सेक कर तैयार किया जाता है।

85. Caller ID – कॉलर ID – पहले धोबी कपड़ा धोने के लिए ले जाता था, तो कॉलर पर एक निशान होता था, जो कपड़े के मालिक का नाम बताता था, जो धोबी पहचान कर उसका कपड़ा उसके घर पहुँचाता था।

86. Clone – Lone लेने वाला ही Clone बनाता है, कि जब कर्जा वसूली के लिए कोई आये तो वह न मिले उसका Clone मिले।

87. Crop – कर + रोप = कर (हाथ) से जिसे रोपा जाए उसे Crop कहते हैं।

88. Curtain – करतनों से ही Curtain बनते हैं।

89. चैन – जब-तक आदमी का चयन नहीं हो जाता है, तब-तक उसे चैन नहीं आता है, फिर वह Chain से बाँधकर सो जाता है।

90. Contest – कौन + Test = किसी के बारे में पता करने के लिए दो ही तरीके हैं, कि पूछ लो कौन हो ? या फिर उसका Test ले लो। यह दोनों तरीकों को मिलाकर Contest बना है।

91. Content – कौन + Tent = Tent में कौन-कौन है ? यही तो Tent के बाहर लिखकर लटका दिया जाता है, जिसे Content कहते हैं।

92. चुनौती – चुनना पड़ता है, O T में यही तो चुनौती है। यानि Operation Theatre में चुनना पड़ता है, कि यह चाहिए कि वह। यही तो चुनौती है।

93. Conservative – कंजर लोग ही Conservative होते हैं।

94. Compact – कौम + Pact = कौम को एक करने के लिए जो Pact बनाया जाता है, उसे ही Compact कहते हैं।

95. चिपचिपाहट – Cheap +Cheap + Hut = Cheap लोग चिप-चिपे होते हैं, और वह Hut (झोपड़ी) में रहते हैं, लोग उन्हें दूर हटा देते हैं।

96. Cannot – कान + Not = जब कान नहीं सुनते हैं, तो वह कहता है, I

cannot hear it.

97. Can – कान – जब उसके कान सुन लेते हैं, तो वह कहता है, Yes I Can do it.

98. कोड़ – Code – जो ज्यादा Code रखते हैं, उन्हें कोड़ हो जाता है।

99. Clean – कली + न = पहले काँसे के बर्तन को साफ करने के लिए कली करवायी जाती थी, तो गन्दे बर्तन देखकर लोग कहते थे, कि कली न करवायी आपने, यही कली न करवाना Clean है।

100. चिंतन – Chin + तन = Chin (ठोड़ी) के नीचे हाथ रखा व्यक्ति जब चिंता में होता है, तो उसका शरीर तन जाता है, यही चिंतन है।

101. Calculation – काल + कुल + ऐश + अन्न = काल, कुल, ऐश और अन्न इनकी गणना की जाती है।

102. Carpet – कार्य + पेट = पेट को भरने के लिए जो कार्य किया जाता है, उसे **Carpet** कहते हैं। पहले जमाने में सोने के लिए चटाई बनाने का काम बहुत होता था, तो अंग्रेजों ने पूछा की यह क्यों करते हो **?** तो जबाव दिया गया किया कि हम लोग यह कार्य पेट को पालने के लिए करते हैं, तो जो कार्य पेट को पालने के लिए हो वह **Carpet.**

103. Calendar – काल + **End** = काल के **End** होने का डर सबको है, इसलिए सब **Calendar** रखते हैं।

104. Colony – अंग्रेजों के समय कोयले की खदानों का काम होता था, कोयले की खदानों के पास मजदूरों के रहने के लिए Colony बनाई गईं।

105. Chartered – चार + टर्ड = जब कोई बाहर घायल हो जाता है या मर जाता है, जो उसे चार लोग उठाकर लाते हैं, जिसे Chartered कहते हैं।

106. Count – कौ + ऊँट = ऊँटों के काफिले में यह गिनकर रखा जाता है कि कितने ऊँट हैं, यही से Counting की व्यवस्था प्रारंभ हुई।

107. Credit – क्रय + दित = क्रय जो करता है ज्यादा उसका **Credit** बनता जाता है।

108. चौकन्ना – चार कान वाला – व्यक्ति के चार कान होते हैं, दो अन्दर और दो बाहर। उसे चारो कानों से सुनाई देता है, और जो इन चारों कानों को खुला रखना पड़ता है, तभी वह चौकन्ना हो पाता है।

109. चिट्ठी – जो चित्त में होता है, वही चिट्ठी में होता है। आदमी के चित्त में जो बातें होती हैं, वही बातें वह चिट्ठी में लिखवाता है या लिखता है।

110. Concrete – कौन + क्रीयेत = किसने बनाया है, यही **Concrete** है।

111. Cross – Crows – जब किसी को सजा के तौर पर Cross पर लटका दिया जाता था, तो वहाँ पर उसे खाने के लिए बहुत सारे Crows (कौए) इकट्ठे हो जाते हैं, उसे ही Cross कहते हैं।

112. Choice – चू + Ice = चूसा जाता है Ice को, नहीं तो वह चू जाती है।

113. Crowed – Crow (कौआ) की ही **Crowed** होती है। कौअ जब क्रोध के मारे इकट्ठे हो जाते हैं, तो वह **Crowed** हो जाता है।

114. Cinema – सीने + मा = हनुमान जी ने Cinema प्रारंभ किया और अपना सीना फाड़कर पहला Picture अपने सीने में राम-सीता का दिखाया।

115. Corporation – Corp + Ration = Corp और Ration के लिए ही, Corporation बनाया जाता है।

116. Culture – कुल + चर = चरने (खाना खाने) से पता चल जाता है कि आपके कुल का क्या Culture है।

117. चापलूस – चाप + Loose = जब कोई ढीला छोड़ देता है, उसे वह चाँप लेता है, यानि जोर से पकड़ लेता है।

118. Chair – चलती + Air = चलती है जहाँ पर Air उसे कहते हैं Chair.

Chair वहीं पर रखी जाती है, जहाँ पर Air चलती है।

119. Chocolate – चोंख + लेत = जिसे चोंख लेते हैं, वही है Chocolate.

120. Colleague – कुलीग – एक ही गुरुकुल में पढ़नेवाले आगे जाकर Colleague बनते हैं।

121. Circa – सिर का ही Circa बनाया जाता है।

122. Circle – सर + कल = सिर को कलम किया जात है, कलम करने के बाद सिर Circle की तरह गोल हो जाता है।

123. Chapter – चाप + तीर = चाप पर तीर चढ़ाया जाता है।

124. Current – कर + Rent = कर और Rent यह दोनों ही Current होते हैं।

125. Citizen – City + जन = City में रहनेवाले जन ही Citizen हैं।

126. चिली – चिली देश Chili मिर्ची की तरह दिखाई देता है, इसीलिए चिली है।

127. चरम - चरम - Rum = आदमी के शरीर की चमड़ी उसका चरम है। शरीर के भीतर रहने वाली आत्मा का चरम Rum है। जब Rum शरीर के भीतर जाती है, तो आत्मा अपने चरम पर होती है।

128. Class – कला + Ass = कला सिखाई जाती है, जहाँ गधों (Ass) को वही Class है। जबकि Class में उन्हें यही सिखाया जाता है, कि उन्हें गधे से इन्सान बनाया जा रहा है। परंतु जब उनको पढ़ा-लिखाकर, उनसे काम लिया जाता है, फिर वह कहते हैं, कि हमसे तो गधों की तरह काम लिया जाता है।

129. चरित्र - चर + इत्र = चर - चरने से - किस प्रकार भोजन कर रहा है। रच - रचने से - किस प्रकार की रचना कर रहा है। इत्र - किस प्रकार का इत्र लगा रहा है। इन तीन से चरित्र पहचाना जाता है।

130. Create - क्रियेट - क्रियेत - Create शब्द दरअसल संस्कृत का शब्द है । यानी क्रिया करना। क्रिया ही क्रियेत है।

131. Chemical - कमी + कल = कल (मशीन) में आई कमी को दूर करने के लिए उसमें Chemical डाला जाता है । उसी प्रकार मनुष्य को भी, जब मशीन की तरह, Use करना होता है, तो मनुष्य के अन्दर भी Chemical डाला जाता है। यह Chemical फिर मनुष्य को मशीन बना देता है। मशीन का मतलब -मशीन का खुद पर काबू नहीं होता है। मशीन दूसरे के इशारे पर चलती है। मशीन को चलाने वाला उस पर पूरा Control रखता है। यह Control वह Chemical से रखता है। उसी प्रकार Chemical से मनुष्य को Control किया जाता है। तभी तो आदमी कहता है, अब आदमी भी मशीन हो गया है। क्योंकि उसका खुद पर कोई Control नहीं होता है। वह मशीन की तरह काम करता है। यही Chemical का अर्थ है। मशीन की तरह कार्य करने को ही वृत्ति कहा गया है। यानि मनुष्य होश में नहीं है, वह कार्य कर रहा है, बस इसी वृत्ति को दूर करने का नाम योग है, योग यानि होश, होश में रहने पर मशीन की तरह कार्य नहीं करेगा। जो निरंतर कार्य कर रहा, विश्राम भी नहीं ले रहा है, वह होश में नहीं है, वह Chemical ले रहा, और मशीन बना हुआ है। मशीन की भी एक आयु है, मशीन से निरंतर कार्य लेने से वह भी जल्दी जबाब दे देती है।

132. Convert - कौन + व्रत = व्रत से ही आप Convert होते हैं। जब कोई व्रत करता है, तो उसमें बदलाव आ जाता है । अब यह निर्भर करता है, कि कौन-सा व्रत कर रहा है ? जौन-सा व्रत कर रहा है। उसी में वह बदल रहा है। Convert हो रहा है।

133. चिलचिलाती - Chill + चिल्लाती = जब ठंडा के लिए चिल्लाने लगे

कि Chill Chill लाओ यानि कुछ ठंडा लेकर आओ उसे चिलचिलाती गर्मी कहते हैं।

134. चुनाव - चुनना + नाव (नाम) = इतने सारे नामों में से किसी एक नाम को चुनना ही चुनाव है। यानि नावें तो बहुत सारी हैं, किन्तु एक ऐसी नाव को चुनना, जो चुएँ नहीं।

135. चश्मा - पहले रात को दिखाई नहीं देता था तो पढ़ने के लिए श्मा जलाई जाती थी। अब दिन में पढ़ने के लिए चश्मा लगा लगाया जाता है। यानि रात को बाहर की रोशनी कम होती है। इसलिए रोशनी को बढ़ाने के लिए श्मा जलाई जाती है। अब दिन में व्यक्ति के भीतर की रोशनी कम है। इसलिए उसको बढ़ाने के लिये चश्मा पहनाया जाता है। जो व्यक्ति के अंदर श्मा फैलाने का काम करती है।

136. चम्पी - चंपा के फूल के तेल से चम्पी की जाती है। जिसकी चम्पी की जाती है, उसे Champion कहते हैं। किसी और तेल से चम्पी नहीं की जाती है। केवल मात्र चम्पा के फूल के तेल से चम्पी की जाती है।

137. चबूतरा - बीच में जिसके बूत रहा। चबूतरे के बीच में पहले एक बुत (मूर्ति) रहती थी। जिसके चारों तरफ़ लोग बैठते थे। जिसे बाद में तोड़ दिया गया। फिर बाद में केवल चबूतरा रहा। बुत चला गया।

-:-:-:-

D

1. **Democratic** - Demo देतें हैं, Critic करते हैं। यही सब Democracy में होता है।
2. **दानेश्वर** - दानी + ईश्वर = दान देनेवाला ईश्वर है।
3. **Deeply** - दीप + ले = जब आप गहराई में जाते हैं, तो दीप लेकर जाते हैं। जो रोशनी करता है, जिसमें आप गहराई में भी देख सकते हैं। उसी प्रकार जब आप, ध्यान की गहराई में जाते हैं, तब आप की रोशनी से आप देख सकते हैं। आप यानि आत्मा, जो सदा प्रकाशित है। जैसे-जैसे ध्यान गहराता जाएगा। आपका प्रकाश वैसे-वैसे बढ़ता जाता है। फिर आपको समाधान मिलने लगते हैं, जो समाधि कहलाते हैं।
4. **Doubt** = दौ + बत = जब कोई दो तरह की बात करता है तो Doubt होता ही है।
5. **Depression** = दीप + परेशान = परेशान शब्द Press से बना है। Press यानि दबाव जब किसी पर ज्यादा दबाव डाला जाता है। तो वह परेशान हो जाता है। तो पुराने समय में जब किसी पर ज्यादा दबाव डाला जाता था। और उस दबाव से वह परेशान होता था तो कहते थे की जाकर पुरुखों के स्थल पर, या मंदिर में एक घी का दीप (दीपक, दिया) जलाकर आओै। जिससे तुम्हारा दबाव कम हो जायेगा। या घर पर भी घी का दीपक जलाकर रखो तो परेशानी दूर हो जायेगी। इस तरह से घी का दीपक जलाना परेशानी यानि दबाव को कम करने का उपाय था। आज भी दक्षिण के मंदिरों में हजारों सालों से घी का ही दीपक जल रहा है।और वहाँ पर बिजली का उपयोग नहीं होता है और उस दीपक के सान्निध्य से ही लोगों की परेशानी दूर हो जाती है। और वह मंदिर किसी भी अक्रांता द्वारा तोड़ा नहीं गया है। क्योंकि घी के दीपक जलने से उस स्थान की पवित्रता बनी रहती है। और वह स्थान दूषित नहीं होता है। इस तरह से

Depression का यह उपाय न जाने कब से उपयोग किया जा रहा है।

6. Distract - Dish (भोजन की थाली) हमेशा Track (पथ) से Distract करती है।

7. दर्शन - किसी के दर्शन करने हो तो उसकी दर (कीमत) तो देनी पड़ती है। इसलिए हर दर्शन की एक दर होती है। जब Sun (सूर्य) आता है, तभी किसी के दर्शन कर सकते हैं। दर चुकाकर दर्शन करने से शन (शांति) मिलती है। इसलिए नदी के दर्शन करते हैं तो सिक्का नदी में डालते हैं। मंदिर में भगवान के दर्शन करते हैं, तो मूर्ति के चरणों में भेंट चढ़ाते हैं। संत के दर्शन करते हैं तो दक्षिणा देते हैं। जिसके भी दर्शन करने से (शन) शांति मिलती है, उसका दर (मूल्य) आवश्यक चुकाना चाहिए।

8. दधीची - दही (दधी) खाने से मनुष्य की हड्डियाँ दधीचि ऋषि की तरह मजबूत हो जाती हैं। जिससे वज्र बनाया फिर ईन्द्र ने।

9. Drama -डर + राम = डर राम का बैठाने के लिए ही Drama किया जाता है। जिसे राम लीला कहते हैं।

10. Don - Don शब्द Donkey से लिया गया है। क्योंकि Don की Key की तरह जब किसी की Key होती है तो उसे Donkey न कहकर आदरपूर्वक Don कहा जाता है।

11. ढाल - अगर कोई व्यक्ति, किसी अन्य व्यक्ति को, किसी चीज में ढाल रहा है। समझो वह उसे अपनी ढाल बना रहा है। ढाल बन जाने पर, तीर-तलवार की मार ढाल बना व्यक्ति सहेगा। ढालने वाला सुरक्षित रहेगा।

12. दोस्त - जो आपके दोषों के साथ आपको अपना ले वही दोस्त है। गुण के साथ तो सब अपना लेते हैं।

13. Diagram - रात को दिया पूरे ग्राम के सभी धरों में जलता था। जिसके अनुसार अंग्रेज पूरे ग्राम का Diagram बना लेते थे।

14. दस्तावेज - किसी के दस्त से पता चलता है कि वो Veg है या अवेज (Non-Veg). इसलिए अंग्रेज कागज से पोछते हैं। जिसे दस्तावेज कहते हैं। जिसकी चाँच करने पर सब पता चल जाता है।

15. Dark - जहाँ डर का अहसास हो उसे Dark कहते हैं।

16. Devotion - डिवोशन = दिवोशन = देवो + शन - देवताओं को शांत करने के लिए Devotion.

17. दृढ़ता - रीढ़ ही दृढ़ता दिलाती, जिसकी रीढ़ सीधी रहती है, वही दृढ़ (कट्टर) होता है, बज्र आसन में रीढ़ सीधी रहती है। जिससे दृढ़ता बनी रहती है।

18. Disclose - आप किस दिशा में जा रहे हैं, यह आपको Disclose ही रखना है।

19. दर्पण - दर + पण (पन) = पहले समय में घर के दर पर पण यानि पानी भर कर रखा जाता था। जिसमें खुद की छवि देखकर सभी को दर्प आ जाता है। फिर बाद में इसी कार्य के लिए घर के बाहर शीशा लटका कर रखा जाने लगा। जिसमें चेहरा देखकर दर्प आ जाता है।

20. Deodorant - देव + डरन्त = डरते हैं जिससे देवता उसे Deodorant कहते हैं। देवताओं को पसीना नहीं आता है, क्योंकि पसीने की बदबू से देवता डरते हैं, इसलिए देवता पसीने की बदबू से बचने के लिए Deodorant लगाते हैं। देवता Deodorant लगाते ताकि पसीना न आए। परियाँ Perfume लगाती हैं ताकि परी बनी रहें।

21. दुर्गम - गम को दूर करने के लिए दूर तो जाना ही पड़ता है।

22. डमरू - दम + रूह = रूह का दम ही तो डमरू है।

23. Dialogue - Dia + लोग = लोग Dia करते हैं, और वो Dialogue करते है।

24. दुश्मन - Do + शमन = शमन (शांत) न हो तो मन, तो मन फिर दुश्मन है। मन को शांत रखना चाहिए, अशांत मन ही व्यक्ति का दुश्मन होता है। इसलिए व्यक्ति अपने मन की शान्ति के लिए, शान्ति क्रिया करवाता है। किसी दूसरे की आत्मा की शान्ति के लिए नहीं।

25. दानेश्वर - दानी + ईश्वर = दान देनेवाला ईश्वर है।

26. द्वेष - वेष ही द्वेष है - जब किसी की तरह का वेष कोई दूसरा पहनता है, तो उसे द्वेष कहते हैं, क्योंकि दूसरा उससे द्वेष करता है।

27. द्वार - जिससे आने-जाने का कार्य एक साथ हो।

28. Dictionary - नारियाँ जब बैठकर आपस में Discussion करती हैं, उन में प्रयोग किये गये शब्दों से Dictionary बनती हैं।

29. दावत – दाव + वत = किसी को जब अपने दाव में लेना होता है, तो पहले उसे दावत पर बुलाया जाता है। दावत पर बुलाकर उससे वत यानि बात की जाती है, उसकी औकात दिखाई जाती है, और मनोबल नीचे गिराया जाता है।

30. Dean - जो दीन है वही तो Dean है।

31. Dispute - दिशा के लिए पूत से Dispute होता है।

32. Detail - Tail की Detail पूँछ-पूँछ कर निकाली जाती है, कि यह किसकी Tail है। इसलिए आदमी कहता यार हमारी तो कोई पूँछ ही नहीं है।

33. Deserve - Serve करनेवाले ही Deserve करते हैं।

34. Disturb – दिश् + Turb = Dish के द्वारा दिशा को मोड़ देना ही Disturb कहलाता है। यानि अगर किसी को रास्ते से भटकाना हो तो उसे एक मोड़ दिया जाता है। यह मोड़ दिया जाता है, Dish के द्वारा, यानि खाने की एक Dish रख दो उस Dish में रखे खाने की खुशबू से वह व्यक्ति

अपने रास्ते से भटक जाता है यानि Disturb होता है।

35. **Destination** – देश + तई + Nation = देश को ही Nation बोला जाता है।

36. **Dance** – डान्स – दन्स – Dance करते समय नागिन द्वारा डँसा नहीं लिया जाना चाहिए, वही Dance है। नागिन उचट-उचट कर डँसती है, बस उसकी उस उचट से बचना ही तो Dance है। यही आगे चलकर नागिन Dance हो गया।

37. **दखल** – दबाते + खल = खल ही दखल करते हैं, यानि खल ही किसी के कार्य को दबाने का काम करते हैं।

38. **दखल-अंदाजी** – अन्दाज लगाने वाले हमेशा दखल करते हैं।

39. **Distract** – दिश + Tract = Dish के द्वारा ही Track से Distract किया जाता है। आदमी तो Track पर चलता है, परंतु Dish (भोजन की थाली) की खुशबू से Track (रास्ते) से Distract किया जाता है।

40. **देहली** – देह + ली = देह को लेना ही देहली है। पहले जमाने में घर की चौखट के निचले हिस्से को थोड़ा ऊपर उठा हुआ बनाते थे। दरअसल यह देह होती थी, जो नीचे रखी जाती थी। यानि पहले लोग कहते थे कि मेरी मरी हुई देह के ऊपर से जाना पड़ेगा, तो वह मरी हुई देह वहाँ पर रखी जाती थी, जिसके ऊपर से निकलकर सब जाते थे वह देह ही देहली कहलाती है।

41. **Drawing** – डरा + Wing = जब कोई डरा हुआ होता है, तो वह Drawing बनाता है, यानि वह चाहता है कि वह इस परिस्थिति से निकलना चाहता है, तो वह चाहता है कि उसको पंख लग जाए और वह उड़ जाए। तो इसके लिए वह Drawing बनाता है, यानि अपने मन की बात को पंख लगाकर बाहर उड़ाना चाहता है।

42. **Damn Fool** – दमन + फूल = जिसका दम फूल जाता है, वह Damn

Fool है। यानि दमित मानसिकता वाला व्यक्ति Damn Fool होता है।

43. Double – दाव + बल = दाव लगाने से व्यक्ति का बल Double हो जाता है, यानि दुगुना हो जाता है।

44. Dairy – दाय + री = स्त्री जब अपने बच्चे को दूध नहीं पिलाती है, तब दाई को रखा जाता है दूध पिलाने के लिए, तो दाई जिस जगह पर यह हिसाब रखती है कि कितना दूध और कब पिलाया, तो उस किताब को Dairy कहा जाता है और जब वह बच्चा बढ़ा हो जाता है, तो उस Dairy को पढ़कर जब पता चलता है कि उसे तो दाई का दूध पिलाकर बढ़ा किया गया, उसकी माँ ने उसे दूध नहीं पिलाया है, तो वह फिर दाई की खोज करता है और दाई का सम्मान करता है।

45. Dad – जिसको दाद दी जाती वह है Dad.

46. दिमाग – Dim + आग = Dim होती है आग जिसमें वह है दिमाग।

47. Destroy – देश + Troy = देश जिसको Troy के द्वारा Destroy किया गया वह है Destroy.

48. Dermatologist – डर के कारण जो अपनी शरीर का ध्यान रखते हैं, उसे Dermatologist कहते हैं।

49. धन्यवाद – धन + वाद = किसी भी प्रकार के वाद को धन देकर समाप्त किया जा सकता है, और धन लेनेवाला धन्यवाद देता है।

50. Dull – दल – जो लोग Dull होते हैं, वह दल बना लेते हैं, यही दल वाले फिर अपनी बात मनवा लेते हैं, बात चाहे उचित हो या अनुचित हो, फिर और दल बन जाते हैं, दल ही दल मिलकर दलदल बन जाते हैं। अगर कोई स्वच्छ इसमें जाता है, सब दल वाले उससे अपना काम करवाते हैं, जब वह दल का काम नहीं करता है, तो दल वाले दलदल में फंसाकर उसमें उसे समा लेते हैं।

51. दया – याद – जब किसी पर दया करो तो वह हमेशा याद रखता है।

52. Dow – दाव – Dow को आटा कहते हैं, आटे को जब गूँथा जाता है, तो उसी तरह कुश्ती में दाव लगाया जाता है, और जो दाव नहीं लगा पाता है, वह Down यानि नीचे गिर जाता है और चित्त हो जाता है।

53. Dual – द्वल ही तो Dual है।

54. Dirty – डरती – जिससे सब डरते हैं, उसे Dirty कहते हैं।

55. दुत्कार – दूत + कार्य = दूत का कार्य हमेशा दुत्कार वाला ही होता है, उसे दोनों तरफ से दुत्कार मिलती है।

56. Disposal – दिश + पू + जल = दिशा मैदान (संडास) के लिए जो जल (लोटाभर पानी) लेकर जाया जाता है, उसे Disposal कहते हैं।

57. Dipper – दीप + पर = रात में जब दीप (दिये) पर पर (पंख) आ जाते हैं, उसे Dipper कहते हैं।

58. दुरुस्त – दूर + रुष्ट = जो दूर रहते हैं, रुष्ट हो जाते हैं, वही दुरुस्त होते हैं।

59. दर्द – दर-दर भटकना ही दर्द है।

60. Dish – जो दिशा बताती है, उसे Dish कहते हैं। जब आदमी रास्ता भटक जाता है, तो फिर वह उस दिशा में चलता है, जहाँ से भोजन की खुशबू आती है, वह भोजन किसी Dish में ही रखा होता है।

61. डाँटा – Data – किसी के बारे उसका Data पता होने पर हम उसे डाँट सकते हैं, क्योंकि हम उसके बारे में सब कुछ जानते हैं।

62. Donation – Do + Nation = Do something for Nation is called Donation. अपने देश के लिए जो कुछ भी आप करते हैं, वह Donation कहलाता है।

63. Decoration – देखो + Ration = बनिया अपनी दुकान में Ration को सजा कर रखता है, वही है Decoration.

64. Drop – डर के कारण ही कोई किसी वस्तु को छोड़कर यानि Drop कर के भाग जाता है, या जब किसी की डर होता है, तो वह किसी का साथ लेता है, और कहता है, मुझे वहाँ पर Drop कर देना।

65. Diploma – दीप + लौ + मा = दीप की लौ में जो पड़ता है, अपनी पढ़ाई पूरी करता है, उसे Diploma कहते हैं। एक चाय पतीले में उबाल-उबाल कर बनती है। एक चाय में पानी उबाल कर रख दिया जाता है फिर उसमें दूध, चीनी, चाय पत्ति अलग से Dip-Dip की जाती है वस यही Diploma है **66. दमक** – दम की ही तो दमक होती है।

67. दास्तान – दास + तान = दास जब अपनी दास्तान सुनाते हैं तो वह तान में सुनाते हैं, जिससे सब सुन लें।

68. Diplomat – दीप + लो + मत = दीप (दिया) लेकर नहीं चलना चाहिए, यानि जब आप Diplomat बनते हैं, तो आप किसी का दिया मत लो, किसी की रोशनी मत लो, किसी भी चीज में ज्यादा Deep मत जाओ।

69. दुस्वार – दुश्मन + वार = दुश्मन का वार ही दुस्वार है।

70. Destiny – देश ही तो Destiny है।

71. डाँगर – Dung (गोबर) करनेवाला ही तो, डाँगर होता है।

72. दराज – दर + राज = दर और राज यह दोनों दराज में रहते हैं।

73. Dynasty – दाई जब किसी राज्य में बड़ी हस्ती बन जाती और राजा को उसने अगर पाला है, अपना दूध पिलाया है, तो फिर राजा उसी की बात मानकर शासन करता है, और वह शासन व्यवस्था ही Dynasty कहलाती है।

74. Divide – Divine लोग ही Divide करते हैं।

75. Dumble – दम + बल = जिसमें दम और बल दोनों ही होते हैं, वही Dumble उठाता है।

76. Decision – देशी + जन = देशी जन ही Decision लेते हैं, उसे ही चुनाव कहते हैं।

77. Demand – माँद (गुफा) में रहनेवाले लोग हमेशा Demand करते हैं। माँद यानि पेट जो हमेशा Demand करती है।

78. Depression – दीप + Ration = दीप और Ration ही की चिंता ही Depression कहलाती है।

79. Decorate – देखो + Rate = Decorate की गयी जीजों के Rate देखे जाते हैं।

80. दासी – जो हमेशा सीदा रहती है, उसे ही दासी कहते हैं।

81. ढकोशला – ढक + कोश + Law = कोश ढकने के लिए हमेशा जो Law (कानून) बनाया जाता है, वही तो ढकोशला है, यानि कोई उस कोश (धन) को न देख सके, धन हमेशा से धार्मिक जगहों पर सुरक्षित छिपा कर रखा जाता है, और कोई उसे न देख सके इसके लिए ही नियम-कानून (धार्मिक) बनाये जाते हैं।

82. डरपोक – डर + पोंक = डर से ही आदमी पोंक (दस्त) कर देता है, उसे ही डरपोक कहते हैं, डरा हुआ आदमी ही Poke करता है।

83. दर्जा – दर से ही दर्जा तय किया जाता है।

84. दायरा – दाई के लिए एक दायरा होता है।

85. दुष्यन्त – दुष्ट + अंत = दुष्ट लोग जिसका अंत करना चाहते हैं, उसको दुष्यंत कहते हैं।

86. धनुष – धन + ऊष = धन की ऊष्मा से ही वाणी से बाण निकलता है, यानि पैसे की गर्मी से ही हर कोई अपने मुँह से कुछ निकालता है, यही धनुष की ऊष्मा ही धनुष है।

87. द्वैत – Duet ही तो द्वैत है।

88. Danger – दान + जर = दान और जर (पैसा) दोनों ही Danger है। न किसी का दान लेना चाहिए और न किसी के जर पर नजर रखनी चाहिए।

89. दिलकश – दिल + कश = जब कोई चीज दिल को अच्छी लगती है, तो व्यक्ति कश लेकर कहता है कि बहुत दिलकश चीज है।

90. धरातल – धरा + तल = धरा ही तल है, इसीलिए धरातल है।

91. दर्जी – दर + जी = दर को स्थापित किया जाता है किसी के जी (मन) के अनुसार, यानि जब दुकानदार यह देख लेता है कि ग्राहक का जी किस पर आ गया है, तो फिर वह उसकी दर बढ़ा देता है, यही दर्जी करता है, यानि जब वह आपके मन के अनुसार कपड़े बना लेता है, तो फिर वह दर्जी कहलाता है। दर्जी ही सबके जी की दर को जानता है।

92. ढाबा – ढाब से ढका होता है, इसीलिए ढाबा कहते हैं।

93. Discipline – दिशा + पर + Line = एक दिशा पर चलनेवाला या एक Line पर चलने वाले ही Discipline होते हैं।

94. ढक – ढाक के पत्ते से ही ढका जाता है, ढाक के पत्ते से ही ढाका बना।

95. दायित्त्व – दाई + त्त्व = दाई का ही तो दायित्त्व है, कि वह अपने बच्चे का दूध दूसरे किसी और के बच्चे को पिलाती है, क्योंकि उसे अपना पेट भरना है, जो अपने बच्चे को अपना दूध नहीं पिलाती है, उसे अपना Figure Maintain करना है।

96. Develop – देव + लोप = देवता लोग Develop करके लोप हो जाते हैं यानि देवता आते हैं, विकास करते हैं और गायब हो जाते हैं, इसीलिए भक्त जन अपने से कुछ नहीं करते हैं, वह केवल विकास का आनन्द लेते हैं, विकास जब खराब हो जाता है, तो फिर देवताओं की आराधना करते हैं, कि आओ विकास करो और लोप हो जाओ, और उस विकास का आनन्द हम लेगें।

97. ढक्कन – ढक्क + कान = कानों को ढकने के लिए ही सबसे पहले ढक्कन बनाये गये क्योंकि आदमी जब रात में जमीन पर सोता था तो कान में कीड़ा घुस जाता था, ठण्ड के समय कान से ही ठण्ड अंदर घुसती थी, तो उसने कान को ढकने के लिए ढक्कन बनाया।

98. Devotion – देवों + शन = देवताओं को शांत करने के लिए Devotion किया जाता है, यानि देवताओं की शांति के लिए उनकी भक्ति की जाती है, जिससे देवता शांत रहते हैं और अपना कार्य करते रहते हैं। मनुष्यों को भी शांति मिलती है।

99. दीवार – War को रोकने के लिए दीवार बनाई जाती है।

100. Disco – दिश + को = किस दिशा दो जाएँ यही तो Disco में बाताया जाता है। जैसे चौराहे पर खड़ा Traffic Police Man हाथ से ईधर-उधर रास्ता बताता और वहाँ पर लाल-हरि-पीली बिजली भी जलती-बुझती रहती है, बस इसी से दिशा को दिखाने वाला ही तो Disco बन गया।

101. Dice – D + Ice = चौपड़ की गोटियाँ D आकार की होती हैं, और अंग्रेज Fridge में बर्फ जमाते हैं जो भी D के आकार में होती है, इसीलिए अंग्रेजों ने उसे D भी कहा और Ice भी कहा इससे वह Dice हो गया।

102. Design – दे + Sign = जिस पर होता है कि यह किसने बनाया, वही Design होता है।

103. Double – दाव + बल = दाव में ही दो लोगों का बल होता है।

104. Diesel – Die + जल = मरा हुआ जल ही Diesel है।

105. Dream – डर + ईम = डर जब होता है, ईमानदारी से तो उसे Dream आता है। यानि जब कोई बदमाश किसी ईमानदार आदमी से उलक्ष जाता है और जब वह सोता है, तो उसे Dream आता है।

106. दौरा – दौड़ + आ = अंग्रेज लोग जब किसी को दौड़ाते थे तो उसे वह दौरे

पर भेज देते थे। जिसका मतलब होता था आप थोड़ा दौड़ आओ।

107. Disprin – दिशा + ऋण = आदमी को दो ही सूरतों में सिरदर्द होता है, जब वह दिशा भूल जाता है, और दूसरा जब उसके सिर ऋण का बोझ होता है। बस इन्हीं दोनों के सिरदर्द से छुटकारा पाने के लिए Disprin है।

108. डरावना – डर + रावण = डर और रावण एक ही बात है, रावण ही डरावना बनाया जाता है। परंतु रावण बहुत ही सुंदर था।

109. Dengue – देन + गु = देन है जो गु की वह है Dengue. गू पर जो मच्छर बैठते हैं, फिर जो काटते हैं, उससे जो बीमारी होती है, वह है Dengue.

110. Disgust – दिश + गुस्त = गाँव में गु जाने को दिशा-मैदान जाना कहते हैं, तो जिस दिशा में गु ही गु होता है, वह जगह Disgust ही होती है।

111. Dental – दाँतुल – दाँत को जिससे साफ किया जाता है। उसे Dental (दातुन) कहते हैं।

112. Dolly – डोली – जिसे डोली में उठाकर लाते हैं, वही डोलती है, उसे ही Doll और Dolly कहते हैं।

113. डोले – जो लोग डोली उठाते हैं उनके डोले अच्छे होने चाहिए।

114. डेरा – Day + र = जहाँ पर आदमी Day में रहता है, उसे डेरा कहते हैं। यानि जब आदमी कहते हैं कि एक दिन ठहरकर फिर आगे बढ़ जाना है, यही डेरा है।

115. Dracula – डर + कुल = डर फैलाया जाता है कुल में जिससे उसे कहते हैं, Dracula. कुल में यह डर फैलाया जाता है कि यह खून चूसने वाला है, वही Dracula है। फिर उसी कुल का डर सब जगह फैलाया जाता है, कि यह कुल तो खून चूसने वालों का कुल है।

116. Duty – दूत की ही Duty होती है – दूत को पता है कि दुश्मन देश में जाकर अपनी बात कहनी है, और कुछ गड़बढ़ हुई तो उसे मार डालेंगे,

किन्तु यह उसकी Duty होती है, इसीलिए उसे करनी ही होती है।

117. Dark – डर + काला = आदमी को डर Dark से ही होता है, जैसे रात काली होती है, अंधेरी जगह पर जाने से डर लगता है, और दोनों ही काले होते हैं, काले को ही Dark कहते हैं।

118. Devotees – देवों + तीस = देवताओं की जो तीस दिन पूजा करते हैं, वह Devotees होते हैं।

119. Devotional – देवो + शन = देवताओं के कारण जिनको शान्ति मिलती है, वह देवताओं के लिए Devotional होते हैं।

120. डन्थल - Done + थल = जो Done (पूरा) हो जाता है,वह स्वतः ही, थल पर गिर जाता है। इसलिए पके हुए फल के डन्थल पकड़ते हैं।

121. Down To अर्थ - जमीन पर गिरे हुए अर्थ (पैसे) को उठाने के लिए सभी Down To Earth हो जाते हैं। यानि जमीन से जुड़ जाते हैं।

122. धूना - धुएँ का ना होना। नागा साधु धूना जलाते हैं। वह धूना ऐसे जलता है जिसमें से लकड़ी जलने पर धुआँ नहीं निकलता है। क्योंकि लकड़ी पूरी तरह सूखी होती है। उसमें पानी तनिक भी नहीं होता है। उसी तरह नागा साधु की साधना होती है जिसमें साधना की धूनी तो जलती परंतु कोई धुआँ नहीं होता । क्योंकि वहाँ में कोई वासना-इच्छा नहीं होती है।

123. धनराशि - धन + राशि = व्यक्ति को अपने धन और राशि का स्रोत नहीं बताना चाहिए । यानि कोई व्यक्ति धन से चलता है । कोई राशि (जन्मकुंडली) के अनुसार चलता है। यानि व्यक्ति धन से चलता और सितारों (राशि) से चलता है। कोई व्यक्ति धन से चमकता है। कोई व्यक्ति सितारों (भाग्य) से चमकता है। इसलिये व्यक्ति का धन और राशि दोनों देखे जाते हैं।

124. दुर्पयोग - दूर + उपयोग = दूर जाने के लिए दुर्पयोग किया जाता है।

125. Dream Project - Dream में जो Projection में दिखाई पड़ता है। उसी को Dream Project कहते हैं। जैसे किसी को सपने में दिखाई दिया कि यहाँ एक देवता की मूर्ति गड़ी है उसे निकालो और उनका एक भव्य मंदिर बनाओ। यही Dream Project है।

126. ध्वनि - ध्व + Knee = दोड़ते समय घुटने से जो आवाज आती है, वही तो ध्वनि है। कहावत भी है कि "मेरे तो घुटने चटक गए" यही चटकने की आवाज ही तो ध्वनि है। "चट" जैसी आवाज आती है घुटने से।

127. देवता 33 कोटि - यह 33 कोटि नहीं है, यह 33 कोठी है, यहाँ पर कोटि नहीं कोठी है, जो कि मेरुदण्ड (Spinal Cord) में होती हैं। Spinal Cord में 33 Verberatei होती हैं। यह Verberatei ही कोठी हैं। यह Cerebrospinal Fluid से भरी होती हैं। यह Cerebrospinal Fluid (मेरुरज्जु) ही शक्ति है। जो पूरे शरीर को चलाती है। पूरे शरीर को ताकत देती है। इन्हीं 33 कोठी देवता का ध्यान करना चाहिए।

128. दराज - जहाँ दरार है वहाँ जरूर दराज है।

129. दोस्त - दो + स्तर = दो स्तर के लोग ही दोस्त बनते हैं।

E

1. **ईडा** - ईडा नाड़ी ही पीड़ा देती है।
2. **Ego** - जब भारत में अंग्रेज आए और वे एक गाँव की सीमा से गुजर रहे थे। उनका पाँव नीचे जमीन पर पड़ी चीज पर पड़ा, उनके मुँह से निकला Eee...., तभी साथ चल रहे भारतीय ने कहा गू है जनाब। यही E और गू ही Ego है। तभी से अंग्रेजों ने पैर में जूते पहनने शुरू कर दिए।
3. **एकजुट** - जूट की तरह एकजुट हो जाओ।
4. **Exploit** - Exploit करनेवाले बड़े ही Politely बोलते हैं।
5. **Excellent** - इच्छा के अनुसार कर देना। जब किसी की इच्छा के अनुसार कार्य कर दिया जाता है तो उसे Excellent कहा जाता है।
6. **Exam** – ईक्ष + आम = इच्छा जब आम हो जाती है, तो Exam कहलाती है। यानि जब सब यह जान लेते हैं कि आपके अन्दर की इच्छा क्या है ? तो फिर फिर पग-पग पर आपकी परीक्षा होती है। यानि वह जानने वाला आपके रास्ते में बाधा उत्पन्न करता है। इसलिए व्यक्ति को अपनी इच्छाओं को आम नहीं करना चाहिए।
7. **Enjoy** – Entry + जय = जब कोई राजा अन्य राजा पर विजय प्राप्त कर के वापस अपने राज्य में किले के दरवाजे से Entry करता था, तो सारी प्रजा उसकी जय-जयकार करती थी, तो राजा कहता था कि आज आनंद लो, उत्सव मनाओ यानि Enjoy करो।
8. **Expose** – ईच्छाओं के अनुसार अपना Pose दिखाने को Expose कहते हैं।
9. **Easy** – जो जी (मन) के अनुसार हो वह Easy होता है।
10. **ऐनक** – ऐन + नाक = ऐन नाक के ऊपर जो लगाया जाता है।
11. **Excited** – ईच्छा पूरी करने के लिए व्यक्ति बहुत ही, Excited हो जाता है।

12. **Exactly** – इच्छा के अनुसार बनाया जाए वह है, Exactly.
13. **Event** – Eve + Entry = शाम को शामयिनाने में शामिल होने के लिए ही Event की जाती है।
14. **Exercise** – ईच्छा + Size = ईच्छा के अनुसार शरीर का Size बनाने के लिए Exercise की जाती है।
15. **Express** – ईक्ष + Press = किसी की ईच्छा को जानने के लिए उस पर दबाव डाला जाता है, जिससे उसके अन्दर की बात बाहर आ जाती है, वह खुद ही Express कर देता है।
16. **एकान्त** – एक + अंत = एक का अंत हो जाए वही एकान्त है।
17. **एतबार** – At + Bar = जो Bar में जाए उसी पर एतबार किया जाता है, क्योंकि Bar में जानेवाला व्यक्ति शराब पीता है, और शराब पीनेवाला कभी झूठ नहीं बोलता है, इसीलिए उस पर एतबार है।
18. **Explanation** – Expel From The Nation Is Called Explanation.
19. **Expert** – इच्छ + परत (पड़त) = दूसरे की इच्छाओं को पढ़ने वाले ही **Expert** होते हैं, यानि जो Ex हो जाते हैं वह दूसरे की इच्छाओं को अच्छी तरह से भाँप लेते हैं, क्योंकि वह भी उसी रास्ते से गुजरे हैं।
20. **Elizabeth** – ए + जा + बैठ = England की रानी को जब महारानी बानाया गया तो कहा गया Elizabeth.
21. **Engineer** – Engine + Near = जो Engine के Near रहे वह Engineer होते हैं।
22. **Excellent** – जब कोई किसी की इच्छानुसार कार्य कर देता है, तो वह Excellent कहलाता है।
23. **Expensive** – इच्छा के अनुसार कोई भी वस्तु लोगो तो वह

Expensive ही होगी।

24. Easy - E + जी = Electricity (बिजली) और जी (मन) के अनुसार जो भी कार्य होता है, वह Easy होता है। बिजली से सभी काम आसान हो जाते हैं। मन के अनुसार भारी से भी भारी काम भी आसान हो जाता है।

-:-:-:-

F

1. **फिक्र -** फिकर - Fee और कर (Tax), सबको इन दोनों की ही तो फिक्र होती है।
2. **Flash Back -** Back = पीछे Flash = फैला + Ash (राख)। गांव में जब छोटे बच्चे Back यानि पीछे तरफ से पोटी करते थे। तो उस पर Ash (राख) फैला देते थे। जिसे मिट्टी डालना भी कहते थे। वही आगे चलकर आजकल Flush करना हो गया। यानि कि फैला दे Ash. अंग्रेज जब भारत में आये तो वह भारत की इस समस्या से बहुत परेशान हो गये। क्योंकि भारत के लोग कहीं-भी बैठ कर पोटी कर देते थे। जब सुबह-सुबह के अंधेरे में Morning Walk के लिएअंग्रेज निकलते थे तो उनके पैर में अक्सर वह लग जाया करती थी। तो उन्होनें पहले तो अपनी बस्ती जिसे वह Colony कहते थे उसके चारों तरफ Fencing लगवाई। फिर दीवार लगवाई। तब भी लोग न माने तो उन्होनें Tower बनवाये और उस पर बड़ी-बड़ी Light लगवाई। जिसे Flash Light कहा जाता है। और उस Tower को Light House. यह सुबह-सुबह जला दी जाती थी और घूमती रहती थी कि कोई आस-पास पोटी तो नहीं कर रहा है। तो उसकी Back पर Flash (चमक) जाती थी। जिससे पोटी करने वाला पीछे मुड़कर देखता था। जिसे Flash Back कहते थे। Flash यानि चमक। तो आजकल Commode को पानी और फिनाईल आदि से चमकाया जाता है तो उसे भी Flush करना कहते हैं।
3. **Fine -** Fine होने के लिए Fine देना पड़ता है।
4. **फर्क** – फर + अर्क = फर (पंख) के न होने से ही फर्क पड़ता है। अर्क (दवाई) के होने से ही फर्क पड़ता है।
5. **फसाद -** जब कोई कहीं फँस जाता है तो वह वहाँ से निकलने के लिए फसाद खड़ा कर देता है।

6. Fan - लोग उन्हीं के Fan बनते हैं जिनमें फन होता है।

7. फलक - फल और Luck दोनों ही फलक से गिरते हैं।

8. Follow - फूल लो यानि जो लोग किसी को Follow करते हैं, वह लोग उसके लिए फूल लें जाते हैं।

9. Freedom - जो Free (मुक्त) हो जाता, वह Dom (मकबरे) में चला जाता है।

10. Forum – For + Rum = Rum पीने के लिए Forum बनाया जाता है। यानि जहाँ पर ऐसे लोग इकट्ठे होते हैं, जो Rum को पीते हैं।

11. Football - आदमी के सर को जब यह लोग अपने पैर के जूते से फोड़ते थे तो उसके फूटने पर उसे फुटबाल कहते थे। तभी तो आज भी लोग क्रोध में आने पर किसी को कहते हैं की तेरे सर को फूटबाल बनाकर खेलूँगा।

12. Formula – फोड़ + मूल = मूल से फोड़ देना ही, Formula है। यानि ऐसी कोई बात बताओ जिससे इसका जड़-मूल ही नष्ट हो जाए, यही है Formula.

13. Fry – राई में ही Fry किया जाता है। यानि राई (सरसों) के तेल में सभी चीज Fry करते हैं।

14. Fool – जिसे कोई Fool यानि मूर्ख बनाना चाहता है, तो वह फूल भेजता है, चाहे वह Birthday हो या मरण दिन, दोनों समय फूल चलता है।

15. Fear – Ear से ही Fear होता है, यानि कान से हम किसी की बात को सुनते हैं और उसके बारे में डर बना लेते हैं।

16. फंडा – Fund + आ = जिससे Fund आता है उसे फंदा या फंडा कहते हैं, यानि किसी को फंसाने के लिए फंदा लगाया जाता है, उसमें जब कोई फंस जाता है, और Fund आ जाता है, तो उसे कहते हैं फंडा।

17. Formal – मल के लिए जाना ही, Formal होता है।

18. **Feast** – Festival + East = East (भारत) में ही Festival मनाया जाता है, जिसमें Feast खिलाई जाती है।

19. **Fill** – ILL होने पर उसकी जगह पर दूसरे को Fill किया जाता है।

20. **Folk** – फूल + काँटे = फूल और काँटे जो पहनते हैं, वही Folk करते हैं।

21. **Fish** – फिसल जाए जो वह है Fish.

22. **Forgery** – जरी के काम ही Forgery होती है।

23. **Fast** – Fast चलने वाले Fast (व्रत) करते हैं, क्योंकि कार्य के वक्त उन्हेंखाने का समय ही नहीं मिलता है।

24. **फरमाबरदार** – एक बार फरमा में जो ढल जाते हैं, वह फरमाबरदार हो जाते हैं।

25. **Form** – फरमा ही Form है, यानि ढाँचा जिसमें उसको ढाला जाता है।

26. **Farmer** – Farm + मर = Farm में जाकर जो मर जाता है वह है Farmer.

27. **फौज** – फलता +ओज = फलता है जिसमें ओज उसे कहते हैं फौज। राजा ऐसे लोगों की फौज बनाता है, जिनका ओज फलता है, किंतु पुरुष ओज को ही फौज बनाता है, जो उसे हर प्रकार की समस्या से उसे बचाती है।

28. **फंदा** – स्वेटर को बुनने के लिए फंदा लगाया जाता है – पुरुष को फंसाने के लिए स्त्रियाँ स्वेटर बुनती हैं, स्वेटर में जितने फंदे होते हैं, उतने फंदे में वह पुरुष को फंसा लेती हैं, ऐसी ही फंदे डालकर वह जाल बुनती है।

29. **Fall** – फल – फल ही Fall हैं, यानि फल ही पेड़ से नीचे गिरते हैं, और नीचे गिरने वाले को ही Fall कहते हैं।

30. **Frock** – फर – पंख – पंखों से फ्रॉक (Frock) बनता है, जो लड़कियाँ पहनती है, जैसे मोर के पंखों से उसका फ्रॉक (Frock) बनता है।

31. **फिलहाल** – Fill + Hall = Hall को कैसे Fill किया जाये यही

फिलहाल सोचा जा रहा है।

32. Frustrate – Fresh + Rate = Fresh लोगों को जब उनके मुताबिक Rate नहीं मिलता है, तो वह Frustrate हो जाते हैं।

33. Fly – फैलाई – Fly करके ही किसी चीज को फैलाया जाता है।

34. Free – जहाँ Free मिलता है, वहीं लोग फिर-फिर कर घूमते हैं।

35. Fruit – फर + ऋतु = फरते हैं जो ऋतु के आने पर वह कहलाते हैं Fruit.

36. Favorite – फब + Rite = उस पर क्या फबता है ? यह उसके Rite (संस्कार) से पता चल जाता है, यानि उसे क्या पसंद है, यही Favorite.

37. Fargo – Far + गू = गू करने के लिए ही आदमी Fargo जाता है।

38. Flash – फ्लैश – फैलाना Ash (राख) को - Potty करने के बाद हर कोई Flash करता है – किंतु भारत में जब कोई बच्चा घर में ही Potty कर देता था, तो वहाँ पर राख (Ash) को फैला दिया जाता था, बस इसी से यह शब्द बना Flash.

39. फसाना – फँस + आना = फँस कर आना ही फँसाना होता है।

40. Fracture – फरक + चर = चरने में फरक आ गया जानवर के तो समझो उसको Fracture हो गया है, यानि जब चरवाहा यह देखता है कि किसी जानवर को चरने में फरक आ जाता है तो समझता है कि इसको अंग में Fracture हो गया है।

41. Fox – Follow + Ox = जो सदा OX को Follow करती है वह है Fox.

42. Fault – फल + उल्टा = फल जब उल्टा लटकता है, वही है Fault.

43. Fanatic – Fan + टिक = Fan वाले लोग ही टिके रहते हैं। जिसके Fan होते हैं, वह Fan की तरह चलते हैं, उसकी तरफ आने वाली हर चीज को काट डालते हैं। इसीलिए Celebrity लोग Fan बनाते हैं। जिससे उनकी

रक्षा होती रहे।

44. **Foil** – फैलना + Oil = Oil को फैलने से बचाने के लिए ही Foil लगाई जाती है।

45. **Fix** – फल + इच्छ = अगर आपको अपनी ईच्छा के अनुसार फल प्राप्त करना हो तो फिर उसे Fix कर लो।

46. **फंस** – Fans (प्रसंशकों) में फंस जाते हैं, वह फंस ही जाते हैं।

47. **फैसला -** Face + Law = कोई Face (चेहरा) देखकर कोई Law (कानून) के अनुसार फैसला लेता है।

48. **Foolish -** Fool + Ish = Fool is called flower. Ish is means Ishwar or God. English man is thinking That one who is offering flower To God is called Foolish.

-:-:-:-

G

1. गुनगुनाना - जिसके पास गुण होते हैं, वही गुनगुनाता है।

2. God - गोड़ = जिनके गोड़ (पैर) पूजे जाते हैं, वही God (भगवान) हैं। भारत में अपने से बड़े को भगवान माना जाता है। और उनके पैर पूजकर आशीर्वाद लिया जाता है। पैर को कई जगह गोड़ कहा जाता है। इसलिए गोड़ ही God हैं।

3. Guarantee - गैर + Anti = गैर और Anti लोगों को विश्वास में लेने के लिए Guarantee दी जाती है।

4. गलती - जब तक कोई बात गलती नहीं है, तब तक गलती है। जब बात गल जाती है, तब वह गल बन जाती है। इस लिये बात को या दाल को गलने दो। फिर वह गलती नहीं मानी जाएगी।

5. Gutter - गू – तर = गू से जो तर है, वह है Gutter यानि जिसमें गू-ही-गू भरा है।

6. गुण-दोष - गु + अण (अन्न) = अन्न से ही गु बनता है। और गु अन्न का ही परिणाम है। गु को हम खेतों में डालते हैं, जिससे अण (अन्न) उपजता है। **दोष -** दो + ष (षड्यंत्र) = षड्यंत्रपूर्वक किसी को कोई वस्तु देना ही दोष कहलाता है। किसी को बहुत अच्छी वस्तु देते पर उसमें कोई षड्यंत्र है, तो यह देना दोष है।

7. गणतंत्र - Gun + तंत्र = Gun का तंत्र ही गणतंत्र है। इसलिए गणतंत्र दिवस के दिन Guns (तोपों) का प्रदर्शन किया जाता है।

8. Guilty - जो लोग गलती करते हैं, वही लोग Guilty Feel करते हैं।

9. Gorgeous - गोरी + जी + Us = गोरी को गौर से देखने का जी, हमारा सबका करता है।

10. गुप्त - जहाँ गु किया जाता है, उस जगह को गुप्त कहते हैं।

11. Gate - आने के लिए अलग, जाने के लिए अलग होता है Gate. यानि In

और out.

12. घनत्त्व - जो घना होता है, वही घनत्त्व कहलाता है।

13. Guitar – गीत + तार = गीत जब तारों पर बजाया जाता है, उसे Guitar कहते हैं।

14. **Grass** – पहला भोजन Grass है, यानि घास है। इसलिए भोजन करने को ग्रास लेना कहते हैं।

15. Gaaun – गाय + ऊन = गाय की खाल और ऊन से बने वस्त्र को Gaaun कहते हैं। जो गाँव के लोग पहनते हैं।

16. गठबन्धन – ठग + बन + धन = ठग कर धन बनाना – जब कोई ठग कर धन बनाने का काम करता है, उसे गठबन्धन कहते हैं। पहले भारत में ठग होते थे, जो गठबन्धन बना कर ठगी करते थे, उनके पास एक अंगोछा होता था। जिस पर वह गाँठ बान्ध कर रखते थे। और ऐसे ही वह कई सारे अंगोछों को भी गाँठ बाँन्ध कर रखते थे। फिर बाद में जब उनमें झगड़े होने लगे तो वह अपने लड़के और लड़की की शादी भी गठबन्धन से करने लगे की यह हमारे बीच समझौता है। यह शादी एक गठबन्धन यानि समझौता होता है, जो दोनों को पालन करना होता था। और जिसको ठगा जा रहा है उसे पता भी नहीं चलता था।

17. Goggles – गू + गली = जब गू की गली से निकलते हैं तो Goggles पहनते हैं। जिससे काले चश्मे में गू न दिखाई दे।

18. Google – गू + गली = गू की गली को ही Google कहते हैं। यानि जैसे गू की गली में से निकलना हो तो पैर ईधर-उधर रखकर निकलना पड़ता है। यही Cricket में गूगली Ball (गेंद) फेंकना कहलाता है। जिसमें पैर ईधर-उधर कर Ball को फेंका जाता है। पाकिस्तान के एक Cricketer अब्दुल कादिर इसी प्रकार Ball को फेंका करते थे।

19. गुग्गल – गू + गली = इसी गू की गली से जब गू की बास आती है, जो उस बास को दूर करने के लिए गुग्गल जलाया जाता है। जिसकी सुगन्ध से गली की दुर्गन्ध दूर हो जाती है।

20. Government – गोबर + Mint = मनुष्य ने दूध के लिए गाय को पाला, जब गाय ने गोबर दिया तो, उसे एक स्थान पर इकठ्ठा किया, फिर उसका सभी में बराबर वितरण करने के लिए जो व्यवस्था बनाई उसे Government कहते हैं। यानि गोबर की बदबू को Mint की खुशबू से दबाना यही Government का काम है।

21. गुलाम – पहले जमाने में गुलाम खरीदे जाते थे। नौकर और गुलाम में फर्क होता है, नौकर वह होता है जो नौ काम कर लेता है, और गुलाम वह होता है, जो केवल गु उठाने का काम करता है। यानि पहले जमाने में राजा आदि लोग अपने हाथ से अपने गु को साफ करना नहीं चाहते थे। तो वह हगने के बाद अपने शरीर पर लगे गु को साफ करने के लिए गुलाम रखते थे। जिसमें सबका अपना-अपना गुलाम होता था। वह गुलाम हमेशा उनके साथ रहता था। वह गुलाम ही हगने के बाद उनके गु को गुदा से हाथ के द्वारा साफ करता था। और वहाँ से सारा गु उठाकर एक बाग में फेंक कर आता था। जहाँ पर उस गु का उपयोग माली गुलाब उगाने के लिए करता था। तो हर राज घराने के सदस्य का अपना एक गुलाब का पौधा होता था। जिसमें उसका गु डाला जाता था। फिर उस गुलाब की खुशबू आती थी, जो गू की बदबू को भगाती थी। यही गुलाम का काम था।

22. Gap – जब किसी को समय के बीच का समय बिताना होता है, यानि किसी का इंतजार करना होता है, तो वह इंतजार करने वाला समय गप्प मार कर गुजारता है और Gap को भरता है।

23. Girl – गर्ल – गरल = Girl ही तो गरल है, गरल को विष भी कहते हैं।

पहले जमाने में विष कन्या होती थी, जो कि किसी व्यक्ति को प्यार करती थी तो वह व्यक्ति मर जाता था, वह अक्सर लड़की यानि Girl होती थी। इसलिए Girl को गरल कहा गया है।

24. **घूसपैठिया** – घूस + पैठ = घूस देकर जो पैठ बनाते हैं, वह घूसपैठिया हैं।
25. **घटाना** – किसी को घटाने के लिए उसमें से कुछ न कुछ घटाया जाता है यानि कोई किसी में से कोई चीज घटाने लगता है, तो वह घट जाता है।
26. **घटा** – जब बादलों की घटा छा जाती है, तब वह बादल अपने में से पानी को घटा देते हैं, जिससे बरसात हो जाती है।
27. **गायक** – गाय को चरानेवाला ही गायक हो जाता है, क्योंकि वह वक्त काटने के लिए गाना गाता है।
28. **गुजारिश** – गुजार + ईश = गुजारा करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की जाती है, जिसे गुजारिश कहते हैं।
29. **Grammy** – ग्रामीण लोगों के लिए Grammy Award दिये जाते हैं।
30. **Gymnastic** – जिम + नास्तिक = जिम में जानेवाला नास्तिक होता है।
31. **घबरा** – घना + बड़ा = घना और बड़े को देखकर हर कोई घबरा जाता है।
32. **गद्दी** – गड्डी – मालिक अपनी काली कमाई अपनी बैठनेवाली गद्दी के नीचे रखता है, यानि गड्डी की गड्डी जहाँ रखी जाती है, उसके ऊपर चादर बिछाकर बैठ जाता है, वही उसकी गद्दी होती है। क्योंकि वह किसी पर विश्वास नहीं करता है, उसी गद्दी पर बैठता-सोता है।
33. **Groom** – गुरु + Room = गुरु ही किसी को Groom करते हैं।
34. **घृणा** – घर + ऋण = घर के लिए ऋण लेने वालों से ऋणा होती है।
35. **गुलजार** – जो गुल जार में खिलते हैं, उन्हे गुलजार कहते हैं।
36. **घाघ** – जो लोग स्त्रियों के घाघरे में छिपे रहते हैं, वह घाघ होते हैं।
37. **Gunnies** – गुणीज़ - गुणी लोगों को ही Gunnies कहते हैं, और उनके

Record ही Gunnies Book Of World Record में रखे जाते हैं।

38. Germ – जर में ही Germ (जर्म) यानि पैसे सें ही Germ होते हैं।

39. गिरह – ग्रह – जब आदमी ज्योतिष के अनुसार चलने लग जाता है, तो वह ग्रहों के चक्कर में फंस जाता है, यानि गिरह में फंस जाता है।

40. गुणा – व्यक्ति में गुण होते हैं, तो कई गुणा तरक्की करता है।

41. Guitar – गीत + तार = गीत जब तारों पर बजाए जाते हैं, उसे Guitar कहते हैं।

42. गमछा – जिस पर गम छा जाता है, वह गमछा ओढ़ता है।

43. घात – घाट पर ही घात किया जाता है, कोई नदी में घाट समझकर उतरता है, और उस घाट पर छुपा मगरमच्छ उस पर घात कर देता है।

44. ग्राहक – ग्रह + हक = ग्रह जब अपना हक लेने आते हैं, उसे ग्राहक कहते हैं, इसीलिए ग्राहक को भगवान कहते हैं।

45. Guide – अंग्रेज भारत में आये तो सब जगह गू ही गू था, गू के रास्तों में जो रास्ता दिखाता था, उसे वह साथ ले लेते थे जो Guide कहलाते हैं।

46. Gibber – चीभ + बर = चीभ जब बर (जल) जाती है, तो वह Gibber की तरह बात करता है।

47. Gas – Gas पर खाना पकाने से पेट में गैस हो जाती है।

48. Gravy – Grave से मुर्दा निकालकर लाते हैं, और Gravy पकाते हैं।

49. गुबार – गु + Bar = Bar में जाकर शराब पीते हैं, और गु (गटर) में गिरते हैं, इसे ही गुबार कहते हैं।

50. घोसला – घास + ला = पक्षी घास को ला-लाकर ही घोषला बनाता है। घास को घोस भी कहते हैं।

51. गल – गल ही तो लग जाती है।

52. Grip – गिरने + प = गिरे हुए को पकड़ लेना ही Grip है।

53. गलीचा – गली + च = गली को या तो साफ करके चमकाया जाता है, गली में गलीचा बिछाया जाता है।

54. गुण्डा – गुण + डराना = जो अपने गुण से डराते हैं, उसे ही गुण्डा कहते हैं।

55. Gravity – गिरा + Beat = गिरा पक्षी का Beat जब पृथ्वी पर उसे कहते हैं, Gravity.

56. **Ginger** – जिन्न + जर = जिन्न लोग ही जर (धन) पर बैठे रहते हैं, इसीलिए जिन्न लोग Ginger (अदरक) की तरह हो जाते हैं।

57. Gesture – जी + स्तर = जी का स्तर ही Gesture है यानि जी में क्या चल रहा है ?

58. गलीज – गली + ज = गली में जन्म लेनेवाले गलीज होते हैं।

59. Grade – गिरे हुए लोगों को Grade मिलता है।

60. Godzilla – God + जिला = जिसे God (भगवान) जिलाकर रखे उसे Godzilla कहते हैं, दूसरे लोग उसे मारना चाहते हैं, भगवान उसे जिलाता है।

61. ग्रास – Grass – Ass (गधे) ग्रास को खाते हैं, ग्रास ही खाई जाती है, भारत में पहले लोग घास खाते थे, इसीलिए आज भी खाने के पहले कौर को ग्रास कहते हैं।

62. ग्राम – गाँव + राम = जो गाँव राम का है वह ग्राम है।

63. Grammar – ग्राम + मर = ग्रामीण लोगों की ग्रामीणता जिससे मर जाए उसे कहते हैं Grammar.

64. Giddiness - गिद्धी – जिस तरह से गिद्ध एक ऊँचाई पर पहुँचने के बाद बिना पंख को हिलाये चक्कर काटते हुए उड़ते हैं उसी प्रकार जब किसी को चक्कर आते हैं तो उसे Giddiness कहते हैं।

65. गिद्धा – जिस प्रकार गिद्ध एक के बाद एक आकर मरे हुए जानवर को खाते

हैं और उड़ जाते हैं। उसी प्रकार गिद्धा नृत्य-गायन में भी लड़कियाँ एक के बाद एक आकर नाच-गाकर चली जाती हैं।

66. **गर्दन** – गर्द + न = गर्द न हो जिस पर उसे कहते हैं गर्दन। गर्दन पर अक्सर मिट्टी जम जाती है, जो कॉलर पर लग जाती है, इसीलिए कई लोग गर्दन पर कॉलर के बीच में रूमाल रखते हैं, ताकि गर्द उस रुमाल पर लगे।

67. **गुलमोहर** – गुल + मोहर = ऐसा गुल (फूल) जो मोहर का काम करता है। गुल के पेड़ की लकड़ी से ही मोहर की लकड़ी बनाई जाती थी।

68. **Great** – गिरे + Eat = जो गिरे हुए लोगों को Eat (भोजन) करवाते हैं वही Great कहलाते हैं।

69. **Gallery** – गली में ही Gallery बनाई जाती है। जिसमें लोग आयें-जायें और दोनो तरफ दीवारों पर लगे चित्रों को देखते चले।

70. **Gallivant** – गली-गली को छान मारो – गली को अंत तक छान मारना ही Gallivant.

71. **Galvanize** – गाल + वनाईज = नाई के द्वारा गाल बजाना – नाई जब मालिश करता है, तो वह गाल पर जोर-जोर थप्पड़ मारता है यानि गाल बजाता है यही है Galvanize.

72. **Gambit** – गम + बीत = गम का बीत जाना ही Gambit है।

73. **Gang** – गंग – गंगा किनारे रहने वाले लोग ही Gang बनाते हैं।

74. **Glut** – लत ही गलत है, किसी चीज की लत ही Glut है।

75. **Gorilla** – गू + रिल्ला = गोरिल्ला अपने गू के छोटे-छोटे रिल्ला बनाकरके लोगों को के ऊपर फेंकता है, इसीलिए वह Gorilla कहलाया जाता है।

76. **Gossip** – गू + Sip = व्यक्ति दो ही जगह Gossip करता है, गू जाते समय – या Sip यानि कुछ पीते समय – गाँव में लोग गू करने के लिए एक

समूह में जाते हैं, एक-एक कर बैठ जाते हैं, और फिर बातें करते हैं, उसी प्रकार Sip यानि कुछ पीते समय लोग समूह में बैठ जाते हैं, और बातें करते हैं, जो Gossip कहलाती हैं।

77. **गौना** – गाँव + ना = शादी के बाद लड़की का ससुराल उसका गाँव हो जाता है, और मायका उसका गाँव नहीं रहता है, तो सभी पूछते हैं कि गाँव गई अबे तक अपने, बस यही गौना है।

78. **Golf** – गू + ल्फ = भारत में जगह-जगह गू फैला रहता था, जिससे अंग्रेजों ने छुटकारा पाने के लिए Golf का खेल बनाया है।

79. **गोपनीय** – गू तो गोपनीय ही जगह पर किया जाता है।

80. **गुड़गाँव** – गुड़ + गाँव = जहाँ पर गुड़ ही गुड़ होता है, वह है गुड़गाँव।

81. **Gazette** – गज के द्वारा जो लिखा जाता है, वह Gazette है, महाभारत गणेश ने लिखी जिसका सिर गज का था।

82. **गजब** - गज + आब = गज (हाथी) इतना पानी (आब) पीता है, तब ही तो कहना पड़ता है,गजब है जी गजब, यानी यह तो हाथी के जितना पानी पीता है।

83. **Gear** - गैर - गैर के बगैर क्या चल सकता है। Gear के बिना गाड़ी नहीं चल सकती है। तभी लोग कहते है, उसके बगैर भी चल जाएगा। परन्तु जिन्दगी कहती है कि गैर को भी अपनाना पड़ता है। क्योंकि गैर के बगैर कुछ नहीं चल सकता है। क्योंकि गैर ही Gear का काम करता है। और जिन्दगी की गाड़ी को रफ्तार देता है।

84. **गंगोत्री** - गंगा + गो + Tree. गो यानि गाय। Save Them तो फिर गंगोत्री में स्नान होगा। पुण्य प्राप्त होगा।

85. **Grey** - गिरे - गिरे हुए लोग ही Grey कपड़ा पहनते हैं।

-:-:-:-

H

1. हृदयंगम - हृदय + गम = हृदय से कभी-भी गम (दुःख) को लगाना नहीं चाहिए।

2. सुहृदय - सु + पेशाब = अगर आपकी सु यानि पेशाब अच्छी उतर रही है तो आपका हृदय सुहृदय है। यानि आपको कोई दिल की बीमारी नहीं है। कोई बी.पी. (ब्लड प्रेशर) की बीमारी नहीं है। अगर आपकी पेशाब सही नहीं उतर रही है। रुक-रुक कर उतर रही है, उतर नहीं रही है, जलन होकर उतर रही है, तेजी से उतर रही है, बार-बार उतर रही है, तो आपका हृदय ठीक नहीं है। क्योंकि पेशाब जब ठीक से नहीं उतरती है तो वह वापस खून में फैल जाती है। और पेशाब में नमक होता है। जिससे नमक फिर खून में उतर जाता है और वह खून के माध्यम से हृदय में चला जाता है इसलिए व्यक्ति को कभी रात को अचानक पेशाब लगती है या पेशाब करने के बाद चक्कर आता है तो यह इसी का परिणाम है कि पेशाब ठीक ढंग से नहीं उतर रही है। इसके लिए पानी की जाँच करनी चाहिए। क्योंकि पानी अगर सही नहीं है तो पेशाब में समस्या आती है। और यही समस्या फिर रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) और हृदयाघात (हार्ट अटैक) का कारण बनती है। इसलिए जहाँ तक कोशिश की जाए की पेशाब बराबर आये। आौर पेशाब को रोका ना जाए। क्योंकि पेशाब को अगर रोका गया तो भी वह वापस ऊपर उठकर वाष्पित हो जाताी है। और गैस आदि रोग का कारण बनती है। तथा पुनः खून में चली जाती है। और वही समस्या पैदा करती है। इसलिए जहाँ तक हो सके पेशाब जब आए तब कर लेनी चाहिए। इससे हृदय फिर सुहृदय हो जाता है। व्यक्ति में चिढ़चिढ़ापन नहीं रहता है। क्योंकि जिसकी पेशाब नहीं उतरती है, वह व्यक्ति चिढ़चिढ़ा भी हो जाता है। क्योंकि यही पेशाब गैस का रूप धारण करके उसके दिमाग में घुस जाती है। जिससे उसका दिमाग काम नहीं करता है। इसलिए व्यक्ति कहता है कि हलका

बार उसको रास्ता मिल जाता है खून में शामिल होने का और दिमाग में घुसने

होकर आता हूँ। एक का तो फिर उसे संभालना मुश्किल होने लगता है। इसलिए ऐसा आने का मौका नहीं देना चाहिए। और अपने सु को अच्छा बनाना चाहिए।

3. Hollywood = होली में Wood के जलाने पर उसके बाद हँसी-मजाक किया जाता है, वही Hollywood है।

4. हाय-By-By = लोग यही चाहते हैं कि उन्हें किसी की हाय न लग जाए। पर जब किसी से मिलते हैं तो Hi ! How are you ? कहते हैं। यानि मिलते ही हाय यानि बद्दुआ देते हैं और फिर पूछते हैं कैसे हो ?

By-By = जब बिछड़ते हैं तब कहते हैं By-By यानि की तुम्हें बाय (बुरी हवा) लग जाए। तभी तो कहते हैं इसे बाय (चुडैल, भूत-प्रेत) लग गई है।

5. Hathaway - हाथ-A-Way = जब कोई रास्ता पूछता है, तब उसे हाथ के इशारे से रास्ता दिखाया जाता। उसे ही कहते हैं Hathaway.

6. हसीना - कहते हैं जो हँसी वो फँसी। पर जो हँसे न, वही तो है हसीना।

7. हण्डिया - जिसमें हाड़ पकाए जाते हैं उसे हण्डिया कहते हैं।

8. Hamm - आजकल Hamm का उपयोग करते हैं। कभी-कभी जब कोई किसी से परेशान हो जाता है तो, वह कहता "मर" कहीं जाकर। यही दोनों जब मिलते हैं तो Hammer कहलाते हैं।

9. हजम - कहीं-कहीं य को ज पढ़ा जाता है। इसलिए यह होगा हयम यानि हाय यम। और यमराज ही सबकुछ हजम कर सकते हैं।

10. हुजूम - Who + Zoom = जरा Zoom तो करो देखें कि हुजूम में कौन-कौन है ?

11. Hitler - हित के लिए लड़नेवाला ही Hitler कहलाता है। अपनी जाति

के लिए लड़नेवाला ही Hitler है।

12. **हिमाकत** - हिम + अ + Cut = हिम (बर्फ) को काटा नहीं जा सकता है।

13. **Harmony** - तो तुमने हार मानी यही तो Harmony है। यानि हार को मान लेना ही Harmony है। हार को पहन लेना और Money को ले लेना ही Harmony है।

14. **Harpick** - हार + Pick = जो लोग हार जाते हैं, वो लोग पीक (पान की पीक) साफ करने के लिए Harpick उठाते हैं। अंग्रेजों के जमाने में क्लर्क पान खाकर कोने में थूक देते थे। पीक को साफ करने का काम जिसे दिया गया। उसने Harpick की खोज कर डाली।

15. **Hooter** - हूटर या Who + तीर = जब तीर अचानक किसी को लगता है, तो वह दर्द के मारे जोर से कहता है, यह किसका तीर है या Who तीर।

16. **हिप्नोटिज्म** - हिप्नोटिज्म की शुरुवात, हिप से होती है, जब कोई चलता है, और उसके हिप पर जब कोई नज़र रखता है तो वह व्यक्ति हिप्नोटिज्म का शिकार हो जाता है।

17. **हारमोनियम** - हार कर मौन का नियम, लेने वाले हारमोनियम बजाते हैं।

18. **Help** – Hell + पड़ना = Hell में गिर पड़ने पर ही कोई Help-Help चिल्लाता है।

19. **हिन्दी** – हीन + दीन = हीन और दीन ही हिन्दी है।

20. **Hair** – हिलते + Air = हिलते हैं जो Air से वह हैं Hair. बाल ही हवा में उड़ते हैं, तब पता चलते हैं Hair हैं।

21. **होशियार** – होश + सियार = सियार ही होश में रहते हैं, इसीलिए सियार ही होशियार रहते हैं।

22. **Hard** – हाड़ (हड्डी) ही Hard (मजबूत) होती है।

23. **हथौड़ा** – हाथ + थोड़ा = हाथ से थोड़ा ही काम होता है, इसीलिए फिर

हथौड़ा बनाया।

24. Hint – हीन लोगों को ही Hint दिया जाता है।

25. Helmet – Hell + Met = Hell से Met न होना पड़े इसीलिए Helmet पहनते हैं।

26. Humble – हम में ही बल होता है - जब सारे लोग एक साथ इकट्ठे हो जाते हैं, उनमें बल आ जाता है।

27. Hygiene – High + जीना = High (ऊँचे) लोग जिस तरह से जीते हैं, उसे Hygiene कहते हैं।

28. हावी – Heavy – जो Heavy हो जाते हैं, वही हावी हो जाते हैं।

29. Headlines – Head + Lines = माथे की लकीरें – गाँव में सुबह-सुबह लोग सोकर उठते थे, उनके माथे की लकीरों को देखकर ही उनके मन की बातें पता चल जाती थीं, तो लोग अंधेरे में ही नित्य-कर्म कर लेते थे, और तैयार होकर उन माथे की लकीरों को चंदन के लेप से छिपा लेते थे, जिससे दूसरे उन के मन की बातें न जाने सके। यही माथे ही लकीरें Head Lines होती हैं। उन माथे की लकीरों को पड़कर किसी का भी भूत-वर्तमान-भविष्य पता चल जाता है। अंग्रेज उन्हें छिपाने के लिए सिर बर Rubber Band लगाते हैं, या Hat टोपी पहनते हैं, सिख्ख लोग पगड़ी पहनते हैं, पटका पहनते हैं, मुसलमान लोग भी टोपी पहनते हैं, ऐसे सभी लोग किसी न किसी प्रकार अपने माथे की लकीरों को छुपा कर रखते हैं ताकि कोई उनके Head Lines को देख न ले, और उन के मन की बात न जान ले। यही Head Lines ही अखबारों की Head Lines बनी। माथे पर चन्दन लगाते हैं, छुपाते हैं लकीरों को, कोई पहचान ने ले, Head Lines को, कि रात में क्या बीता है ?

30. हलुआ – हल से जमीन को हलुए की तरह बनाया जाता है।

31. **हवाला** – हवा से लाते हैं जिसे वह है हवाला, यानि आदमी कहता है कि हवा लेकर आयी मैं नहीं लाया, वह है हवाला।

32. **हेकड़ी** – Hake + कड़ी = Hake या कड़ी पहनाने से व्यक्ति की हेकड़ी निकल जाती है।

33. **Hope** – पीहू – पपीहरा अपनी Hope बनाकर रखता है, और पीहू-पीहू बोलता रहता है।

34. **हुश्न** – Whose + Son = Son (पुत्र) को देखकर ही माँ की सुन्दरता का अन्दाजा लगाया जाता है, कि यह किसका Son है ?

35. **हार** – हारे हुल लोग हार (खेत) में खेती करने चले जाते हैं।

36. **हिंसा** – हीन + Saw = हीन देखना किसी को वही तो हिंसा है। जब हम किसी को हीन भाव से देखते हैं, तो हम हिंसा करते हैं, क्योंकि उसके अन्दर हम हीन भावना पैदा करते हैं, कि मेरे पास यह है तुम्हारे पास नहीं है, जिससे उसका दिल टूट जाता है, और वह मर भी जाता है कभी-कभी, तो किसी को हाथ से मारने या हथियार से मारने से ज्यादा खतरनाक है किसी को हीन भाव से देखना, यही हिंसा है।

37. **हिन्दी** – हीन + दीन = हीन और दीन लोगों की भाषा, यानि जो हर कार्य में नहीं का उपयोग करते हैं और नहीं का उल्टा हीन होता है, और जो नहाने के लिए नदी में जाते हैं, नदी का उल्टा दीन होता है। भारत के लोग दोनों ही चीजों को प्रकट करने में माहिर हैं, इसीलिए वह हीन-दीन बने रहते हैं।

38. **Husband** – हस + बन्द = जिसका हंसना बंद हो जाए, वही तो Husband है।

39. **History** – High + Story = High लोगों की Story ही History होती है।

40. **Hood** – जो हूड़ होते हैं वही Hood होते हैं।

41. हुड़दंग – हूड़ + दंग = हूड़ लोग ही हुड़दंग कर दंगा करवाते हैं।

42. Hording – जो होड़ करते हैं वही Hording लगवाते हैं।

43. Humanity – हम + अनीति = हम ही अनीति है। जब कोई अनीतिपूर्वक कोई कार्य करना चाहता है, तो वह हम की बात करता है। यानि वह कहता है कि हम सब एक हैं, वह भीड़ इकट्ठी करता है, जिसे कहता हैं, कि हम सब मानव हैं, हम सब एक हैं, जब सह में हम का भाव आता है, तो फिर वह उनसे कोई भी अनीति वाला काम करवा लेता है, यही Humanity.

44. Head – हद – Head ही हद है, यानि सिर ही तो हद है, यानि अब हद से पानी गुजर गया।

45. Honor - हुनर - जिसमें हुनर होता है उसे है Honor दिया जाता है।

46. हरियाणा – हरि + का + आना= हरि का आना ही हरियाणा है। हरि यानि विष्णु का गाँव ही हरियाणा है, अमृतसर में जोGolden Temple है, वह पहले हरि मंदिर (विष्णु मंदिर) था, अब उसे हर मंदिर कहते हैं। उसको ऐसे बनाया गया क्षीर सागर (तालाब) उसके बीच में मंदिर है, पहले मंदिर में विष्णु और लक्ष्मी की मूर्ति थी, जिसे हटाकर गुरु ग्रन्थ साहब रख दिया गया। आज वह हरि मंदिर से हर मंदिर और अब Golden Temple हो गया।

47. Head Lines - सुबह-सुबह नहा-धोकर, माथे पर चंदन लगाते हैं, कि कोई जान न ले, चिंता की लकीरों को।

48. हाँकना - पहले जब बैलगाड़ी वाला या तांगेवाला जब ले जाता था किसी को तो वह गाड़ी हाँकता था और उन यात्रियों को गांव की बड़ी-बड़ी बातें बताता था यानी बड़ी-बड़ी हाँकता था तो उसे हाँकना कहते थे।

49. हृदय - हरि + दय = हरि की दया जहाँ रहती है। उसे हृदय कहते हैं।

50. Honest - Home + Nest = अपने घर में बैठे रहना या घोसले में बैठे रहना ही सबसे अच्छी नीति है। यानि किसी के विवाद में न पड़ना ही सबसे अच्छी नीति है। इसलिए Honesty Is The Best Policy.

51. हिदायत - He is on Diet. Diet की ही हिदायत दी जाती है। कि आपको केवल यह-यह खाना है।

52. हानि - जब आपके Knee (घुटने) में दर्द शुरू हो गया तो समझो कोई आपको हानि पहुंचा रहा है। क्योंकि हानि पहुंचाने वाला जब सीधे-सीधे हानि नहीं पहुंचा पाता है और अपने गुनाह और दुश्मनी को प्रकट नहीं करना चाहता है और आपके निकट भी रहना चाहता है, वही आपका छुपा हुआ दुश्मन आपको ऐसी वस्तु खिलाता रहता है जिससे आपके घुटने में धीरे-धीरे दर्द शुरू होने लगता है। और आप Doctor के चक्कर काटता रहता है।

53. हल्द्वानी – हल + दो आने = जहाँ हल दो आने का मिलता है, वह हलद्वानी। यहाँ दो आने में हर चीज का हल मिल जाता है। इसलिए यह हलद्वानी है।

-:-:-:-

I

1. **इंतजार** - जार की Entry का इंतजार किया जाता है।

2. **Imaginary -** Image + नारी = Image नारी की। नारी की Image (छवि) की कल्पना जैसे मेरे सपनों की रानी। Dream Girl. यही परिकल्पना भी है, यानि परि की कल्पना (Imagine) करना। प्रत्येक व्यक्ति यही करता है।

3. **Icon -** I + कौन = Icon स्वयं अपनी पहचान बताते हैं कि I कौन ? यानि मैं कौन हूँ ? Icon पर उंगली रखते ही वह अपना सारा परिचय दे देता है।

4. **Isolate -** I + So + Late = जब व्यक्ति यह कहे कि I So Late, तब यह समझना चाहिए व्यक्ति आपसे Isolate होना चाहता है।

5. **Intolerance -** तोलने के बाद, थोड़ा और अंश दुकानदार के द्वारा ग्राहक के थैले में डाल दिया जाता था। पर आजकल अंश तो क्या पैकेट का वजन भी तौल में जोड़ा जाता है और ग्राहक से पूरी रकम माल की ली जाती है, जो पैकेट पर छपी होती है। ग्राहक मोल-भाव भी नहीं कर सकता है। जो कि उसका हक है।

6. **India -** In + दिया = जो दिया में रहे वह है India. अंग्रेज जब भारत में रहने आये तो जब उनसे उनके लोग पूछते कहाँ रहते हो, तो वह बताते कि वह कहते I am living in dia. यानि में दियों के देश में रहता हूँ। बस यही दियों का देश ही आगे चलकर India हो गया।

* मंदिर में दिया* *घर में दिया* *पूर्वजों के स्थल पर दिया*

समाधि पर दिया *मजार पर दिया**हर त्योहार पर दिया*

पूरी दीपावली ही दियों की

7. **Insecure -** In + See + Cu + Re अंदर + देखो + घनत्त्व + फिर = जब अंदर का घनत्त्व कम होता जाता है तो आदमी insecure - यानी डावांडोल होता जाता है, और अपने को असुरक्षित महसूश करने लगता है, अंदर का

घनत्व अधिक होने से वह अपने को सुरक्षित महसूश करता है।

8. Idea – I + दिया = I कहो या दिया (दीपक) कहो एक ही बात है। दोनों ही Idea के प्रतीक हैं, यानि दिमाग की बत्ती जलने के प्रतीक हैं। I यानि मोमबत्ती जो जलती है रोशनी हो जाती है, और दिया से भी रोशनी होती है। इसलिए छोटी आई (i) पर एक बिन्दी होती है।

9. Illusion – ILL + Loose + अन्न = बीमार होने पर आदमी अन्न खाना छोड़ देता है। तो उसका मन साफ हो जाता है, उस समय व्यक्ति को जो ज्ञान होता है उसे Illusion कहते हैं।

10. इल्म – ILL होने पर जो इल्म (ज्ञान) होता है, वह इल्म है।

11. इन्द्र – In + डर = In का डर ही इन्द्र है। In यानि अन्दर का डर ही इन्द्र है। इन्द्र जो देवताओं का राजा है उसे हमेशा एक डर सताता रहता है, जो उसके अन्दर का डर है। यह अन्दर का डर ही उसे इन्द्र का नाम देता है।

12. Invest – In + Vest = Vest में In करना ही Invest है, Vest यानि बनियान। बनिया जो बनियान पहनता है, उस बनियान के अन्दर जेबें रखता है, और उसी में वह अपना धन रखता है, उसी धन को वह Invest करता है।

13. Instruction – Truck + Son = Truck और Son दोनों को ही Instruction दिया जाता है।

14. Igloo – लू से बचने के लिए ही Igloo बनाये जाते हैं।

15. ईनाम – नाम ही ईनाम है, ईमानदारी पर सबको ईनाम दिया जाता है।

16. इत्र – इत्तर रखने के लिए लोगों को इत्र लगाया जाता है, जिससे पता चले की यह हमारी जाति के नहीं है।

17. इन्तकाल – अंतिम + काल = अंतिम काल ही इंतकाल है।

18. इजहार – Easy + हार = आसानी से जो हार मान जाते हैं, वह इजहार कर

देते हैं।

19. **Identity** – Eye + दाँत + तय = Eye और दाँत से ही किसी कि Identity तय की जाती है। जब कोई मुर्दा मिलता है, तो उसकी आँख और दाँत देखकर पता किया जाता है कि वह कौन है ?

20. **ईशांअल्ला** – ईश + अल्ला = ईश्वर और अल्ला ही तो ईशांअल्ला है।

21. **Image** – इम + Age = यही दो चीजें ही किसी की Image बनाती हैं। या तो वह ईमानदार है या उसकी Age अधिक हो गयी है वही उसी की Image है।

22. **Inspect** – In + Spect = अन्दर देखनेवाला ही Inspect करता है, उसे ही Inspector कहते हैं।

23. **ईलाज** – ILL + लॉज = आदमी दो ही सूरतों में ईलाज करवाता है, एक बीमार पढ़ने पर, दूसरा लॉजवश।

24. **i** – आई – अंग्रेजी वर्णमाला के वर्ण .i आई पर बिन्दी क्यों होती है। भारत में आई का मतलब होता है माँ, माँ के माथे पर बिन्दी होती है, इसीलिए i पर बिन्दी होती है।

25. **Infantry** – Infant (अनाथ) की Infantry बनाई जाती है, क्योंकि उनके मरने पर कोई रोनेवाला नहीं होता है एवं मुआवजा भी नहीं देना पड़ता है।

26. **Issue** – इसे + उसे = इसे दिया जाए या उसे दिया जाए यही Issue है।

27. **Isolate -** I so late - I am so late. जिसे Isolate (अलग) होना होता है। वह खुद को दूसरों से Late कर देता है। या फिर वह लेट जाता है, और कहता आप लोग जाओ, मैं थोड़ा सो लेता हूँ।

28. **India का झण्डा -** India का झण्डा, माथे पर लगे, त्रिपुण्ड के जैसा है। पहला खाना भगवान शिव का है इसलिए भगवा रंग का है। दूसरा खाना

भगवान ब्रह्मा जी का है इसलिए सफेद है। तीसरा खाना भगवान विष्णु का है क्योंकि उन्हें हरि भी कहते हैं इसलिए हरे रंग का है। बीच का चक्र बीच की बिंदी है। जिसमें 24 पंखुड़ी हैं। जो 24 घंटे का प्रतीक है कि 24 घंटे आप इन तीनों की छत्र-छाया में रहते हो। इस तरह का त्रिपुण्ड शिवलिंग पर भी लगाया जाता है।

-:-:-:-

J

1. **जिह्वा** – जी + हवा = जी की हवा निकालती है, वह है जिह्वा। जिह्वा यानि जीभ है, जो जी (मन) की बात को बाहर निकालती है।
2. **जवाहरात** - जवाहर + रात = जवाहर (जेवर) जो हैं, वो रात को पहनने चाहिए, वह भी अमावस्या की रातको। ताकि उनमें लगे मोती, हीरे, पन्ना, मणि आदि की चमक से पता चले कि वह जवाहरात (जेवरात) हैं।
3. **जान-ज्ञान** - जान का ज्ञान ही ज्ञान है। जान यानि ज्ञान, आत्मा का ज्ञान ही जान है। तभी तो लोग कहते हैं - अब जान में जान आ गई। जानकारी यानि ज्ञानकारी। जानी यानि ज्ञानी। कई लोग ज्ञ का उच्चारण ज भी करते हैं।
4. **जिम्मेदारी** - व्यक्ति Gym में जाकर जिम्मेदारी को उठाने की Practice करते हैं।
5. **जुनून** - June + Noon + ऊन + नूण (नमक) = जून में ही जुनून है। नून (नमक) खाने से जुनून पैदा होता है। सर में जू होने पर Noon (दोपहर) में जुनून होता है। क्योंकि जू सर में चलने लगती हैं।
6. **जोंक** - Joke करनेवाले कहते हैं कि हँसने से खून बढ़ता है। क्योंकि जोंक की खुराक खून है। तो वह हँसा-हँसाकर लोगों का खून बढ़ाकर अपने मतलब की चीज चूसकर चुपसे से निकल जाते हैं, हँसनेवालों को पता भी नहीं चलता।
7. **जहाज** -जाते हैं जिससे हज पर उसे जहाज कहते हैं।
8. **जल्लाद** - जल को लादने वाले को जल्लाद कहते हैं।
9. **जायदाद** - जय + दाद = जय-जयकार करके और दाद देकर जायदाद एकत्रित की जाती है। Joy + Dad = जायदाद जब मिलती है, Dad की तो सभी Joy करते हैं। जायदाद दो ही तरीके से मिलती है। जय-जयकार करने से या फिर Dad (पिता) से।
10. **जीवन** - जीव का जीवन जो है वह अन्न से चलता है।

11. झबला – झरती + बला = जिससे बला झर जाती है, यानि बला को दूर रखने के लिए बच्चे को झबला पहनाया जाता है।

12. Jacket - Jackal की खाल से बने वस्त्र को Jacket बोलते हैं।

13. जिक्र – जी + क्रय = जी जिसका क्रय करता है, उसी क्रय करनेवाले का सभी जिक्र करते हैं।

14. जी-हुजूरी – जी + हुजूर = हुजुर की ही जी हुजूरी की जाती है।

15. जश्न – Yes + Son = Son के होने पर ही जश्न मनाया जाता है। जब Doctor कहता है कि Yes Son यानि आपके यहाँ पर लड़का हुआ है, तो फिर सभी जश्न मनाते हैं।

16. जल्दी – जलने पर जल्दे-जल्दे यह कहकर जल ही मँगाया जाता है।

17. जेब – बजे – पहले घड़ी जेब में रखते थे, समय का पता करने के लिए लोग पूछते थे क्या बजे हैं ? तो वह जेब से निकालकर दिखा देता था, वही जेब है।

18. जैल – Jail – जब आदमी कई सालों के बाद जेल से बाहर निकलता है, तो उसके बाल देखकर ही उसे नाम दिया गया कि जैल वाले बाल बना दो, उसी के लिए एक तेल बनाया गया जिसे जैल कहते हैं।

19. जुल्फें – जूँ + फलें = जूँ से फलीं होती हैं जुल्फें - यानि जूँ-ही-जूँ से भरी होती हैं।

20. जागृत – जाग + ऋत = ऋतु ही जगाती है, इसीलिए जागृत है।

21. जेवर – जय + वर = जय ही सबसे श्रेष्ठ वर है, उसे ही जेवर पहनाया जाता है, जिसकी जय होती है।

22. जिन्न – जी को जो नहीं करने देता है, वह जिन्न कहलाता है। जब किसी के शरीर में जिन्न (भूत) आ जाता है तो वह अपने जी के अनुसार कुछ नहीं कर पाता है, वह जिन्न है।

23. जीना – जिस पर जी न सके कोई वह है जीना, जीने पर कोई जिन्दगी बसर

नहीं कर सकता है।

24. जुटे – जूते देखकर ही पता चलता है कि इतने लोग जुटे हैं।

25. जनेऊ – जनता जान जाए कि यह अलग है, इसको पहचानने के लिए जनेऊ है। जिसको समाज में सजा दी जाती है, उन्हें समाज पहचान सके इसीलिए उसे जनेऊ पहनाया जाता है।

26. जलन – जल + न = जल के ना होने पर तापमान बढ़ जाता है, और फिर सूर्य की तपिश से बहुत ही जलन होती है।

27. जानकी – जान + Key = जान की Key – किसी की जान की चाबी ही जानकी है।

28. जलन्दर – जल + अन्न + डर = जल और अन्न का डर ही जलन्दर है।

29. जलन – जल + अन्न = जल और अन्न किसी के पास ज्यादा हो तो उससे सबको जलन होती है।

30. जी – किसी के नाम के पीछे जी लगाने का मतलब हो, वह जीव ही जी होता है, इसलिए जब किसी के जी को सम्बोधित करते हैं तो जी कहते हैं।

31. Julie – जू + लीखें = जिसके सिर में जू और लीखें होती हैं, उसे ही Julie होती है।

32. जरासिम – जर + Sim = जर (पैसे, रुपये) और Sim में ही जरासिम होते हैं।

33. जन्जीर – जन + जीर = जन ही जन्जीर है।

34. जलेबी – जल + A + B = जल में A बनाएँ या B बनाएँ यही है, जलेबी। न वो A बन पानी है, न B, वह कुछ और बन जाती है, तो जलेबी कहलाती है।

35. जुलै – तिब्बती लोग जब किसी से मिलते हैं तो जुलै कहते हैं, तिब्बत में सर्दी बहुत पड़ती है, और वहाँ पर पठार है, हरियाली नहीं है, जिससे वह

लोग गर्मी चाहते हैं, साथ में हरियाली चाहते हैं, भारत में July में गर्मी भी रहती है, और हरियाली भी रहती है, तो वह प्रसन्नता में जुलै कहते हैं, जुलै कहकर वह इसको याद करते हैं।

36. **Jin** – जिन – Ginger से बनी शराब को ही Jin कहते हैं।

37. **जुझारुपन** – जु + झाडू + पन = तीन ही समय व्यक्ति जुझारुपन दिखाता है, एक जब सिर में जूँ होती है, दूसरी गन्दगी होती है, तीसरी उसे जोर से प्यास लगी होती है और वह पानी की तलाश में होता है।

38. **झुनझुना** – जिसके हाथों में झुनझुनाहट होती है, उन्हें झुनझुना थमा दिया जाता है।

39. **जमाना** – यम + आना = जब यम आते हैं और सब को ले जाते हैं, उसे यम का आना यानि जमाना कहते हैं, कि पुराने जमाने में ऐसा होता था।

40. **जबड़ा** – Jaw + बड़ा = Jaw ही तो बड़ा होता है, यानि कोई जब कहता है, कि जो बड़ा मुँह है उसका बस यही जो बड़ा ही Jaw हो गया।

41. **Jeans** – जीव + अंश = Jeans को पहनते तो थे, परंतु उसे कभी उसे धोया नहीं जाता था, तो उसमें जीव के अंश पैदा हो जाते थे, इसीलिए वह Jeans कहलाया। विज्ञान में भी जीव के अंश को Jeans कहते हैं।

42. **Jet** – जीत – जीत ही Jet है - जीतने के लिए ही Jet विमान का इंजन बनाया गया था।

43. **जीवित** – जी + वित = वित्त ही मनुष्य को जीवित रखता है।

44. **जुलूस** – जो + Lose = जो लोग Lose (हार) जाते हैं उनका जुलूस निकाला जाता है।

45. **जाँच** – आँच में ही तो जाँच होती है।

46. **जायका** – जाएँका – जब कोई किसी के यहाँ पर मेहमान होता है, और जाने का नाम नहीं लेता है, तो फिर उसे बेस्वाद भोजन परोसा जाता है, तो

वह समझ जाता है, कि अब जाएँका है, यही जायका है।

47. जौक – मुगल बादशाह बहादुरशाह जफर अपने दरबार में Joke सुनते थे, जो सबसे अच्छे Joke सुनाता था, उसका नाम जौक रखा गया।

48. Jogging – योगिंग – योग करना ही Jogging है, क्योंकि जो योग करता है उसे योगी कहते हैं, और योगी को ही जोगी भी कहते हैं।

49. जहाँलत - जहाँ जाने की लत हो बार-बार वहाँ जहाँलत ही होती है और लत ही पड़ती है।

50. जाको प्रभु - "जाको प्रभु दारुण दुख देही, ताकी मति पहले हर लेही।" आदमी गम को भुलाने के लिए दारु पीता है। दारु पीने से उसकी बुद्धि चली जाती है। और आदमी सोचता है कि दारु पीने से दुःख दूर हो जाते हैं।

51. जाग्रत - जाग + ऋत = जागती रहती है ऋतु। ऋतु ही है जो दिन-रात जागती है। जागती ऋतु रात में ज्यादा सक्रिय रहती है। गर्मी सर्दी बरसात सभी ऋतुऐं जागती हैं।

52. झाड़ - गुजराती मराठी में पेड़ को झाड़ इसलिए बोलते हैं, क्योंकि पेड़ पर लगे फलों को नीचे गिराने के लिए पेड़ पर चड़कर पेड़ की डाल को झाड़ा जाता था। इसी झाड़ने के कारण पेड़ का नाम झाड़ पड़ गया।

53. झाड़े - इस भारत देश में शौच जाने का एक नाम झाड़े जाना है।

54. जानकारी - जान + Query = जान को ज्ञान भी कहते हैं। क्योंकि ज्ञ को ज पढ़ा जाता है। Query - को क्यों री भी कहते हैं ? जब कोई स्त्री किसी दूसरी स्त्री से कुछ पूछती है तो इसी तरह पूछती है - क्यों री वहाँ क्या हुआ था ? तो इस तरह जान कह लो या Query कह लो दोनों ही जानकारी हैं।

55. जुबान - Zoo + बाण = किसी जो Zoo में छोड़ दिया और उसके हाथ में बाण दे दिया।

56. जुबान - जूँ + बाण = किसी के सिर में जूँ हैं, और उसे मारने के लिए किसी

के हाथ में बाण दे दिया। बस यही जुबान है। उजड़ - जब जड़ों को उखाड़ लिया जाता है। तो वह स्थान उजड़ जाता है।

57. **जलसा -** जल + Saw = रेगिस्तान में जल को देखकर पड़ाव डाला जाता है फिर रात को जलसा मनाया जाता है।

-:-:-:-

K

1. **कव्वाली** - कवि + अली = कवि जब अली के लिए लिखते हैं, उसे कव्वाली कहते हैं। कवि के द्वारा अली की प्रशंसा में लिखी गई कविता।
2. **कठोर** - जिसके पास कोई ठौर न हो, वही कठोर है।
3. **कन्द-मूल** - किसी ने पूछा आप लोग प्याज (कान्दा)-लहसुन क्यों खाते हैं। बड़ी सोच के बाद जबाब दिया कि हमारे ऋषि-मुनि कन्द-मूल खाते थे। इसलिए हम भी कन्द (कान्दा) मूल (मूली) यानि जमीन के अन्दर पैदा होने वाली वस्तुओं का उपयोग करते हैं।
4. **कागजात** - काग + जात = जिन्दगी भर कोई भी जात (जाति) के बने रहो। पर अंत में काग (कौआ) ही सबकी जात होती है। तीर्थ में पिण्ड को खाने के लिए काग (कौए) को ही बुलाया जाता है। और किसी जात वाले को नहीं बुलाया जाता है। यह बात पंडाजी अपनी किताब के कागज़ में लिख लेते हैं। जिसे की कागजात कहा जाता है। किसी के मांगने पर पेश कर दिया है कि यह हैं हमारे कागजात।
5. **कार्यकाल -** कार्य + काल = काल ही तो कार्य करवाता है। काल (समय) ही सारा कार्य कर रहा है। इसलिए उसका ही कार्यकाल है। हम कहते हैं की हमारा कार्यकाल है। हमने अपने कार्यकाल मे इतना किया। उसने अपने कार्यकाल मे इतना किया। परन्तु सारा कार्य तो काल के द्वारा ही किया जा रहा है। समय आया हम बडे हुए बच्चे पैदा करने लायक हुए तो बच्चे पैदा किए। समय आया तो बूढ़े हो गए। समय आया तो मर गए। सब कार्यकाल के अन्तर्गत ही तो आता है। दाडी आई तो काट ली। काल के सिवाय हम कुछ भी नहीं, काल ही सब कुछ है।
6. **करवट** - कर + VAT = ईधर कर है, उधर VAT है, अब किधर वह करवट ले, इसलिए वह सीधा सो लेता है, मुर्दे की तरह। बिना करवट के, आसमान को देखता हुआ। इसलिए कर और Vat यह दोनों ही करवट

नहीं लेने देते हैं।

7. **कर्तव्य** - कर + तब + व्यय = पहले कर (Tax) दो, फिर व्यय (खर्च) करो। इसी को कर्तव्य कहते हैं।

8. **कानून** - क+अनून = किसी भी चीज को बिना नूण (नमक) के परोसना कानून है। अंग्रेजों ने देखा भारत के लोग नमक ज्यादा खाते हैं, जिससे इन का BP High हो जाता है। तो सबसे पहला जो नियम बनाए वह नून (नमक) पर बनाया। फिर जो भी नियम बना वह कानून कहलाया।

9. **खंगाल** - खाना + गाल = खाना गाल में छुपा कर तो नहीं रखा है। यह जाँचने के लिए गाल को खंगाला जाता है।

10 - **खनन** -जब तक खन की आवाज आए तब तक खनन करते रहो। खन की आवाज का मतलब है नीचे कोई धातु है।

11. **कायदा** -काया को चलाने का एक कायदा होता है।

12. **कथा** - पहले लोग पैदल यात्रा करते थे। जब वो दिनभर चल कर थक जाते थे। तो रात्रि में कहते थे कुछ कहो (कथ)। यह कथ आगे चलकर कथा में बदल गया।

13. **कहानी** - जब किसी की हानि के बारे में कहते हैं, उसे कहानी कहते हैं।

14. **खुल जा Sim-Sim** - सबसे पहला Password.

15. **कन्नौज** - कान + Nose = इत्र के फुए को कान में लगाया जाता है। जिससे Nose तक उसकी खुशबू आती रहे। इसलिए जहाँ यह बनता है उस जगह का नाम कन्नौज है।

16. **कैवल्य** - केवल लय रह जाए। जब व्यक्ति में केवल लयात्मक रह जाए। केवल लय रह जाने पर ही वह Cave (गुफा) में रहने चला जाता है।

17. **कुशलता** - लता की कुशलता यही है कि, वह (कुश) काँटों से भरे पेड़ पर इस कुशलता से चढ़ जाती है, कि उसके पत्तों पर खरोंच तक नहीं आती है।

18. Kitty Party - Kitten को लेकर जब पार्टी की जाती है उसे Kitty Party कहते हैं। Kitchen में बिल्ली न घुसे इसलिए महिलाएँ बिल्ली के बच्चे को अपने साथ लेकर आती हैं और चैन से Kitty Party करती हैं।

19. कल्पना - कल पानी कहाँ मिलेगा ? इसी की सभी कल्पना करते हैं।

20. कपोत - पोत ही कपोत बताते हैं, जहाँ पोत (पानी का जहाज) हो वहाँ कपोत होते हैं।

21. केशव - Case + श्व = महाभारत युद्ध के पश्चात जो श्व पड़े हुए थे। उन पड़े हुए श्व का Case जिस पर लगाया गया, उसे ही केशव के नाम से बुलाया गया।

22. खास - जो सखा होता है, वही खास होता है।

23. क्रोध - Crow + धरना = Crow जब गुस्से में धरना देते हैं। उसे क्रोध कहते हैं। जब किसी कौए को कोई मारता है तो सभी कौए इकट्ठे होकर क्रोध करते हैं।

24. कबूतर को दाना - कब + उतर = लोग यही देखते हैं की यह कबूतर कब उतरेगा, क्यूंकि पहले के समय में कबूतर एक मुफ्त का संदेशवाहक था, जो की एक मेसेंजर का काम मुफ्त में करता था, तो लोग फिर उसको दाना डालने लगे, की दाना को देखकर वह नीचे आएगा और किसका सन्देश ले जा रहा है, उसको निकाल कर पढ़ लेंगे, और फिर या तो बदल देंगे, या फिर यह खबर उसके दुश्मन तक बेच देंगे, इसलिए कबूतर को दाना खिलाने का प्रचलन हुआ, और भारत के लोग सन्देश हमेशा से मुफ्त में ही पहुंचाने में यकीन रखते है, जैसे कोई जाता है तो उसको ही कह दिया की कह देना सब ठीक है, और इसी बात का फायदा भारत के दुश्मनों ने हमेशा उठाया, कबूतर को दाना खिला कर और किसी के सन्देश को पड़कर, अब भी भारत के लोग उसी सन्देश वाहक प्रक्रिया को इस्तेमाल करते हैं, जो मुफ्त

में ज्यादा-से-ज्यादा सन्देश भेजने का आफर देती है, तो यह कहानी है कबूतर को दाना खिलाने की।

25. **क्रीडा** - क्रीडा यह संस्कृत शब्द है। क्रीडा शब्द का ही अपभ्रंश क्रिकेट है, यानी जब क्रीडा की जाती है किसी को काटने के लिए तो उसे क्रीड केट कहते हैं। और एक मुहावरा भी है की गला काट प्रितियोगिता है। तो जब गले को काटने की प्रतियोगिता होती है तो वही प्रतियोगिता तो क्रीड काट बनती है। और किसी भी मरे हुए सैनिक का गला ही तो काटा जाता है। और फिर उस कटे हुए सिर को बालों के पकड़ कर उछालते हैं और उस पर तीर या बन्दुक से निशाना लगाते हैं। या फिर उसे दूर लटका देते हैं और फिर उस पर निशाना लगाते हैं। देखा नहीं है मेलों में रंग भरे हुए गुब्बारे पर निशाना लगाते हैं। अब गुब्बारे प्रयोग में लाते हैं पहले तो कटे हुए सिर ही लटकाए जाते थे। और निशाना लगने पर जैसे गुब्बारे से रंग निकलता है तो उन सिरों में से खून निकलता था। मेरे ख्याल से तो सारे खेल ही इसी तरह इजाद हुए हैं। क्यूंकि हर खेल में बाल का तो इस्तेमाल होता ही है।
26. **खिलॉफ** – खिल + Off = खिलते हुए किसी को Off करना ही खिलॉफ है और फिर खिल-खिलाते हुए Laugh करना ही खिलाफ है।
27. **Cushion** – कुश + ओन = कुश (घास) होनी चाहिए उस पर। पहले लोग कुश (घास) को सिर के नीचे रखकर सोते थे। यही Cushion आगे चलकर कुशन हो गया।
28. **केशव** - Case + श्व = महाभारत युद्ध के पश्चात जो श्व पड़े हुए थे। उन पड़े हुए श्व का Case जिस पर लगाया गया उसे केशव के नाम से बुलाया गया।
29. **कुल्ला** – कुल + Law = कुल यानि गुरुकुल और Law यानि कानून (जेल में रहना) इन दोनों जगहों पर कुल्ला करना पड़ता है। यानि सुबह-सुबह उठकर दातून नहीं मिलती है, और कुल्ला करके मुँह साफ करना

पड़ता है।

30. **किस्मत** – Kiss + मत = किसी को Kiss नहीं करना चाहिए, नहीं तो उसकी किस्मत बन जाती है। एक राजकुमारी जिसने एक मेंढक को Kiss किया और वह मेंढक बदल कर राजकुमार हो गया। यानि उस मेंढक की किस्मत एक Kiss करने से बदल गई।

31. **कारिन्दे** – कर + ऋण + दे = कर लेने वाले और ऋण लेने वाले दोनों ही कारिन्दे रखते हैं, और खुद आराम से रहते हैं।

32. **Kitchen** – Key + चैन = चाबियाँ हाथ में आते ही, स्त्रियाँ चैन से रहती हैं। फिर Kitchen को संभालती हैं, Kitchen में किसी को घुसने नहीं देती हैं। जब तक चाबियाँ हाथ में नहीं आती है, तब तक बेचैन रहती हैं।

33. **किताब** – Key + ताब = किसी को ताबे में रखने की चाबी है किताब। जो अनपढ़ होते हैं वह किसी के ताबे में नहीं आते हैं तो उनको पहले पढ़ाया जाता है फिर उनको उस किताब के अनुसार चलाया जाता है कि देखो इस किताब में यह लिखा है, वह किताब में लिखे से बाहर नहीं आता है, किताब के ताबे में रहता है।

34. **किताब** – कितना + आब = किसको कितना आब (पानी) दिया गया इसका जिसमें हिसाब होता है, उसे किताब कहते हैं, पहले अरब में पानी की बड़ी समस्या थी, तो वहाँ पर पानी हिसाब से दिया जाता था, तो उस पानी का हिसाब जिसमें लिखा जाता है उसे किताब कहते हैं।

35. **Knife** – नाई के पास और फल काटने के लिए ही Knife होता है।

36. **काज** – Cause ही काज है, यानि जब आदमी के पास कोई काम नहीं होता है, तो उसे अपने आप को Busy दिखाने के लिए कोई न कोई Cause देना होता है, कि I can't came for this purpose, because I am busy.

37. **केरल** – करेले की तरह दिखाई देता है, इसीलिए केरल।

38. **कचहरी** – कच्चा + हरी = कच्चे फल और हरी फसल तोड़ने के एवज में कचहरी में लाया जाता है।

39. **कामना** – काम + ना = काम का ना होना ही कामना है।

40. **खैरात** – खाना + रात = खाना और रात को ठहरने के लिए आदमी ही खैरात माँगता है आदमी।

41. **खर्च** – रचने के लिए खर्च करना पड़ता है, जो खर्च नहीं करते हैं, वह अर्च करते हैं।

42. **कथा** – थक – जब थक जाते हैं, तो वह कथा कहते हैं।

43. **खौफ** – खो + Off = खोने का या बन्द होने का नाम ही खौफ है।

44. **कुलीन** – कुली + न = जो कुली नहीं होते हैं, वही कुलीन होते हैं यानि जो दूसरों का बोझ अपने ऊपर नहीं उठाते हैं वह हैं कुलीन।

45. **कुर्ता** – जो कुड़ता है, वही कुर्ता पहनता है।

46. **कोफ्ता** – कोफ्त को खतम करने के लिए कोफ्ता बनाते हैं।

47. **काश** – Cash – काश मेरे पास इतना Cash होता तो, मैं यह कर लेता, यही काश है।

48. **कर** – Tax - ताजमहल के बादशाह ने सबके हाथ (कर) कटवा लिए, अभी-भी वह कार्य चालू है, अब कर (Tax) की जगह रुपया (रिश्वत) देकर अपने कर (हाथ) बचाता रहता है।

49. **कल्प** – कल + पानी = कल पानी कहाँ से मिलेगा, यही कल्पना तो कल्प बन जाती है।

50. **कोप** – किसी की Copy करने पर ही क्रोध आता है।

51. **कन्दरा** – कान के जैसी होती है, कन्दरा।

52. **कड़वाहट** – कड़वा + हट = कड़वा जो बोलता है, उसे दूर हटा दिया जाता

है।

53. **किल्लत** – Kill + लत = Kill कर दे जो लत उसे किल्लत कहते हैं।

54. **क्लेश** – कलह + Less = कलह हमेशा Less होने पर ही होता है। यानि कल के लिए क्या करना है ? या Less (कमी) होने पर ही, क्लेश होता है।

55. **Code** – जो लोग ज्यादा Code रखते हैं उन्हें कोढ़ हो जाता है।

56. **किवाड़** – Key + बाड़ = पहले आदमी बाड़ बनाता था कि कोई उसके घर में न घुस सके, फिर किवाड़ लगाने लगा, जो Key से खुलते थे।

57. **ख्वाईश** – खाने + ईश = आदमी अपने खाने की ख्वाईश, ईश से ही करता है।

58. **कछुआ** – (कड़ाही, खप्पर) – कछुआ को उल्टा कर उसे उसी के खोल में पकाना, और पकने के बाद उसी में खाना ही तो कड़ाही या संतों का खप्पर कहलाती है।

59. **काहिल** – जो हिलते नहीं हैं वही तो काहिल होते हैं।

60. **कराह** – कर + राह = कर (Tax) और राह (रास्ता) यह दोनों ही आदमी को कराह देते हैं।

61. **कोणार्क** – कोण + Arch = कोण को ही Arch कहते हैं, इसीलिए कोणार्ण है।

62. **काशिफ** – काश + If = काश ऐसा हो जाए या If (अगर) ऐसा हो गया, काशिफ है।

63. **कुल्फी** – Cool + Feeling = लोगों को ठण्डक (Cool) की Feeling कराने के लिए गुरुकुल में कुल्फी दी जाती थी।

64. **कशमकश** – कशमकश में फंसा व्यक्ति ही कश में कश मारता है।

65. **कनस्तर** – कान + स्तर = कान पकड़ कर किसी का स्तर तय किया जाता है।

66. करोड़ – कर + Road = जो कर देते हैं, वह Road पर चलते हैं, वह करोड़पति होते हैं।

67. कमोवेश – काम + वेश = काम और वेश इन दोनों में ही व्यक्ति कमोवेश में होता है।

68. खल्लाश – खाल + लाश = खाल और लाश से ही पहचाना जाता है, कि यह खल्लाश हो गया है।

69. कंपकपीं – Cup + Cup + पी = जब आदमी को कंपकपी होती है, तो वह ठंड में Cup पर Cup चाय पीता है, इसी को कहते हैं, कंपकपीं।

70. कनीज – Knees – कनीजों को हमेशा घुटनों पर रहना पड़ता था, इसीलिए उन्हें देखकर घुटनों के लिए अंग्रेजों ने Knees शब्द बनाया।

71. खटास – खट्टा + आशा = जब स्त्री खट्टा खाने लगती है, तो घर वालों को एक आशा जगती है कि अब वह माँ बनने वाली है, परंतु इससे स्त्री और उसके पति के बीच में दूरियाँ आ जाती हैं, क्योंकि अब उसका पति उसके साथ मिलन नहीं कर सकता है, तो ऐसा ही जब किसी के जीवन में होता है, और दूरियाँ आ जाती हैं, तो कहा जाता है, उनके जीवन में खटास आ गई। परंतु यह खटास किसी न किसी को जन्म देती है।

72. कुल – जब यह पूछा जाता है कि आपके घर में कुल कितने लोग हैं, तो वह होता कुल।

73. कातिल – काट + तिल = किसी को काट-काट कर मारा हो, या किसी को तिल-तिल तड़फाकर मारा हो, दोनों ही कातिल कहलाते हैं।

74. कठपुतली – काठ की पुतली – आदमी के जिंदा होने की पहचान उसकी पुतली (पलक) से होती है, जब आदमी की पुतली गिरती नहीं है, तो वह काठ का उल्लू हो जाता है, यानि सम्मोहित हो जाता है, और दूसरे के ईशारों पर चलने लगता है, वह काठ की पुतली की तरह होता है।

75. **काँच** – का + आँच = काँच को आँच नहीं लगती है।

76. **Knockout** – नाक + Out = नाक में मार कर ही तो Knockout किया जाता है।

77. **कॉलर** – Caller – जब किसी के बुलाने पर वह नहीं आता है, तो फिर उसकी कॉलर पकड़कर ही उसको बुलाया जाता है।

78. **कालीन** – काली + न = नीचे की जमीन काली न हो इसके लिए उस पर कालीन बिछाया जाता था।

79. **Kerosene** – केरोसिन – किसकी रोशनी है – जब Kerosene से पहली बार लालटेन जलाई गई तो, लोगों ने पूछा की किसकी रोशनी है ?

80. **खुराफात** – खुर + आफत = जब बैल अपने खुर से जमीन को खोदने लगता है, तब समझो आफत आने वाली है, तो भाग जाओ। ऐसे ही समय आदमी जब अपने खुर यानि नाखून को मुँह से काटता है तो समझो उस पर आफत आई हुई है, और वह खुराफात करने वाला है।

81. **क्रोध** – Crow को ही क्रोध आता है। Crow यानि कौए जब क्रोधित होते हैं तो सारे एक जगह एकत्रित हो जाते हैं, और जोर-जोर से कांव-कांव करते हैं।

82. **ख्वाब** – ख्व + आब = आदमी को दो ही चीजों के ख्वाब आते हैं एक पानी के दूसरे खाने के। रेगिस्तानी इलाकों में पानी कम होता है, और खाना भी कभी-कभी नसीब होता है, तो फिर उसे ख्व (खाना) और आब (पानी) के ख्वाब आते हैं।

83. **खबरी** – जो बरी हो जाता है वह खबरी हो जाता है। यानि जो पुलिस को खबर देनेवाला बन जाता है, वह उनका खबरी बन जाता है।

84. **कहानी** – कह + हानि = जिसमें दूसरे की हानि की बात कही जाती है, वह है कहानी।

85. किला – Kill + आ =Kill करने के लिए लोगों को लाया जाता है जहाँ पर उसे कहते हैं किला।

86. कायम - काया + यम = यम ही कायम है। पर सोचा यह जाता है, कि काया ही कायम है।

87. Kitchen - किचन - Key + चैन = चाबियाँ हाथ में आते ही, स्त्रियाँ चैन से रहती हैं। Kitchen को संभालती हैं, Kitchen में किसी को घुसने नहीं देतीं हैं। जब तक चाबियाँ हाथ में नहीं आती हैं, तब तक बेचैन रहतीं हैं।

88. कर्मठ - कर + मठ = मठ ही कर्मठ बना देता है। मठ यानि मठ्ठा बनाने के लिए, कर (हाथों) में दम होना चाहिए। तभी दही को बिलो सकते हैं, और मठ में तो बहुत सारी गाय होती हैं, दही भी बहुत सारा होता है, तो उस दही से मठ्ठा निकालने के लिए, कर्मठ बनाया जाता है।

89. कर्तव्य - कर + तब + व्यय = व्यक्ति का कर्तव्य यही है कि पहले कर (Tax) दे उसके बाद वह व्यय करे।

90. Knowledge - Know (जानना) + Ledge (हद) = अपनी हद को जनना ही Knowledge है।

91. कलेवर - Clever - Clever (बुद्धिमान) लोग अपना क्लेवर बदल लेते हैं। अच्छे से अच्छे क्लेवर में रहते हैं।

92. काषाय - Cash + आय = Cash की आय होती रहे जिससे इसीलिए काषाय है। Cash रुपी आय को प्राप्त करने के लिए ही काषाय वस्त्र पहने जाते हैं।

93. कपि - Copy - नकल = बंदर नकल करता है। Monkey Copy करता है। इसलिए बंदर को कपि कहते हैं।

94. कसौटी - कस + सोटी = कस कर पकड़ो, मैं सोटी मारता हूँ। यही कसौटी है। कस कर जब सोटी पड़ती है।

95. **कायनात -** काया + Not = जिस दिन यह काया आपके पास नहीं रहती है, वही तो कायनात है। काया यानि शरीर का नहीं रहना ही कायनात है। उसको सहन करना ही कसौटी है।

96. **कयामत -** काया + अमत = काया जब आपकी अमत हो जाती है तो फिर कयामत आ जाती है। क्या + अमत = जब कोई आपके मत से सहमत नहीं होता है। तो कयामत आ जाती है।

97. **खुशगवार -** खुश + गवार = जब कोई खुश होता है, तो लोग उसे गवार समझते हैं।

-:-:-:-

L

1. Literature - लित रहना रेचन में, वह Literature लिखते हैं, यानि अपने को खाली करने में लगे रहते हैं। अपने मन की बात लिखना अपने आपको खाली करना होता है। यानि जब आप कोई बात लिख देते हैं तो आप उस बात के बोझ से खाली हो जाते हैं और वह बात फिर कभी आपके मन में दुबारा नहीं आती है। जब तक न लिखी जाए जब तक वह मन में घूमती रहती है।

2. Leader – लीद + डर = पहले जमाने में घोड़े, हाथी, गधे, ऊँट आदि से सफर करते थे। उनकी लीद की पहचान करना और किस दिशा में गये हैं, कितने दिन पुरानी लीद है यह सब जानकारी जो बिना किसी डर के जानता था, वह फिर सबको बताता था और वही लीद पहचानने वाला आगे-आगे चलता था। उसी लीद पहचानने वाले के बताए अनुसार कारवाँ आगे बढ़ता था। यही लीद को Lead करना बोला गया। इसलिए आगे चलकर लीद और डर की पहचान करने वाला ही Leader हो गया।

3. लक्ष्मण रेखा - किसी प्रकार का Virus न घुसे इसके लिए लक्ष्मण ने पहला Antivirus बनाया है। जिसे लक्ष्मण रेखा यानि लक्ष्मण+Ray+खा कहते हैं। यह ऐसी Ray थीं जो अदृश्य थीं। कोई अन्दर घुसता तो उसे जला (Fire) देती थीं। एक अदृश्य अग्नि दीवार (Firewall) की तरह थीं। और Ray थीं जो अन्दर घुसने वाले को खा जाती थीं इसलिए रेखा थीं।

4. Lead - लीद से ही Lead मिलती है। पूर्वकाल में सब घोड़ों से चलते थे। घोड़े लीद करते थे। उसी लीद से उनके पीछे चलने वाले Lead लेते थे।

5.Leap Year - जिस तरह से गोबर-चूने से लीप-पोत कर सब बराबर कर दिया जाता है। उसी प्रकार बचे हुए समय को भी Leap Year में लीप कर बराबर कर दिया जाता है।

6. Line - लाई + न = देखो कितनी देर हो गई, कब से गई है, पर लाई न अभी

तक।अरे Line में खड़ी होगी। मैं भी गई थी बड़ी Line लगी थी। किसी चीज को लाने में देर लगे समझो Line में लगे हैं।

7. Leakage - Age ही Leak होती है। सभी इसी Leak पर चलनेवाले होते हैं। कोई Leak से हटकर नहीं चल सकता है।

8. Latrine - लेते हैं जो ऋण वो बनाते हैं Latrine. एक आदमी था वो ऋण लेता था। पर वह ऋण चुका नहीं पाया। अपने घर पर ही रहने लगा। ऋण देनेवालों ने सोचा कि शौच को तो बाहर आएगा। पर ऋण लेनेवाले ने घर के अन्दर ही शौचालय बना लियाऔर इस तरह Latrine बनी।

9. लीक - Leak हो रही वस्तु पर चलने वाले ही लीक पर चलते हैं। कार से तेल Leak हो रहा था। उसी लीक पर चलनेवाला मंजिल को पा जाता है।

10. Liabilities - लाई जाती है जो बल से वह टीस देती है। कोई भी चीज जो बलपूर्वक हासिल की जाती वह हमेशा एक जिम्मेदारी ही बनी रहती है।

11. Lonely - जो Loan लेते हैं, वह Lonely रहते हैं यानि जो लोग कर्जा लेते हैं, उनका जीवन भी अकेलेपन में बीतता है । क्योंकि वह कर्जा देनेवाले से बच कर या छुप कर रहते हैं।

12. License – Lie + Sense = Lie बोलने के लिए Sense चाहिए।

13. **लाचार -** लाते हैं जिसको चार वही है लाचार। यानि चार लोग उठाकर लाते हैं जिसको वह है लाचार।

14. Letter – लेत + तीर = तीर के द्वारा लाया गया - जो ले जाता है तीर उसको कहते हैं Letter. पहले जमाने में जब किसी को कोई पत्र भेजता था, तो उसे तीर में बींधकर छोड़ देता था, वो तीर पेड़ आदि में लग जाता था उसे ही लेत तीर कहते हैं।

15. Laundry – Laun + Dry = ऐसा Laun जो Dry करने के लिए होता है, उसे Laundry कहते हैं।

16. **लिफाफा** – Leaf – पहले पत्र Leaf यानि पत्ते पर लिखे जाते थे, और उसी Leaf से लिफाफा बना और पत्ते से उस लिफाफे पर लिखा पता और पत्र (Address) बना।
17. **लट** – लत – नशे की लत से ही लट बन जाती है। यानि साधुओं को नशे की लत रहती है जिससे उनकी लट बन जाती है।
18. **Label** – जो चीजें Lab में रखी जाती हैं, उन पर ही Label लगाया जाता है।
19. **Lipstick** – Lip + Stick = पत्नी बहुत बोलती थी, तो पति ने एक Stick दिया, जो Sticky था, उसको लगाने पर ही पत्नी के औंठ चिपक गये और वह Lipstick हो गया।
20. **List** – लाना + ईष्ट = ईष्ट के सामने जब व्यक्ति अपने चीजों को लाने की माँग रखता है, तो वह एक List बनाता है।
21. **Lesson** – किसी के पास Less (कम) है, उसे Lesson दिया जाता है।
22. **Ladder** – लाड़ + डर = लाड़ या डर से Ladder बनाया जाता है, यानि किसी को लाड़ दिया जाता है, या डर दिखाया जाता है, फिर उसे अपनी सीढ़ी बनाया जाता है।
23. **लतीफा** – जिन्हें लत लगी होती है, वही लतीफा सुनाते हैं।
24. **लफन्डर** – Laugh + फन + डर = तीन लोग लफन्डर होते हैं, जो Laugh करते हैं, फन दिखाते हैं, और डराते हैं।
25. **Larva** – लारवा – जब व्यक्ति के मुँह से लार निकलती है तो वह किसी न किसी किटाणु का लारवा है, जो उसके शरीर में पल रहा है, और लार के माध्यम से बाहर निकलता है।
26. **लोमड़ी** – जिसके बाल बहुत ही मुलायम होते हैं, उसे लोमड़ी कहते हैं।
27. **लजा** – जो जाल में फंस जाते हैं, वही लजाते हैं।

28. League – गली में जो खेली जाती है, वही तो League है।

29. लचक – Clutch में लचक होनी चाहिए।

30. लश्कर – लाश + कर = लाशों पर कर लगाना ही लश्कर है।

31. Lodge – लॉज – लॉज बचाने के लिए Lodge बनाई जाती है।

32. Lizol – लाई + जोल = सफाई करने के लिए जल लेकर आओ।

33. लाँघ – Long को ही लाँघ कहा जाता है।

34. Logic – लोग जिसका जिक्र करें, तो उसमें Logic जरुर देते हैं।

35. Logo – लोगों द्वारा किसी को दिया गया नाम ही Logo है। Logo - कोई भी कंपनी लोगों (People) को अपनी पहचान दिखाने के लिए Logo बनाती है। यह वह चिन्ह होता है जो लोगों में फैलाया जाता है। इसीलिए इसे Logo कहते हैं।

36. Lottery – लूट के माल को बाँटने के लिए Lottery निकाली जाती है।

37. लचीला – चीला ही लचीला होता है।

38. लेजिम – लय + जी = जब लय होती है जी में, उसे कहते हैं लेजिम।

39. Laddar - लाड़ + डर = लाड़ और डर ही जीवन की सीढ़ी है। एक तरफ लाड़-प्यार किया जाता है। दूसरी तरफ़ डर-भय भी दिखाया जाता है। इसी Laddar पर चड़कर व्यक्ति सफलता की सीढ़ी चढ़ता है।

40. Lobbying - लोभी + Buying = लोभी यानि जो लाभ लेना चाहते हैं। जिनसे कहना पड़ता है। "लो" "भी" अब क्या शर्माना। Buying यानि जिन्हें खरीदा जाता है। इन दो प्रकार के लोगों से, आप अपने लिए Lobbying कर सकते हैं। ऐसे लोग ही किसी के पक्ष में Lobbying करते हैं।

-:-:-:-

M

1. **मोहरा** - मोह करोगे तो मोहरा बन जाओगे।
2. **मुण्डेर** - Moon + देर = जरा देख तो सही चड़कर ऊपर, Moon को कितनी देर है। मुण्डेर वह जगह होती है जहाँ से चंद्रमा (Moon) को देखा जाता था।
3. **Miracle** - मीरा का कल, मीरा ने पिया विष का प्याला, वह बच गई और वह कल जिन्दा दिखाई दी, यही तो चमत्कार हो गया। मीरा के नाम से चमत्कार भी Miracle हो गया।
4. **Money** - मणी ही मनी (Money), पहले काल में मणि को ही धन माना जाता था।
5. **मृत्यु** - मृत + You = तू मर जा। मृत होने की कामना सदा दूसरों के लिए की जाती है। लोग अक्सर यही कहते, "मैं क्यों मरुँ, तू मर जा"। यही है मृत्यु।
6. **मूर्धन्य** - More + धन्य = जिसके पास More (ज्यादा) धन है। वही मूर्धन्य है। भले ही वह मूढ़ क्यों न हो ? किंतु अगर उसके पास धन है तो उसकी अनर्गल बातों को भी कहा जाता धन्य हैं आप। आपके शब्द तो साक्षात् ब्रह्म-वाक्य हैं।
7. **मान** - माँ को हमेशा मान दिया जाता है, माँ की हर बात मानी जाती है।
8. **मिन्नत** - Mean + नत = Mean (मतलबी) लोग ही नत (झुकते) होते हैं। यानि जिन्हें मतलब निकालना होता है वही मिन्नतें करते हैं।
9. **मैथी** - मैथी खाने से Mathematics अच्छी हो जाती है।
10. **म्यांमार** - म्यानमार = मयान + मार = तलवार की आन उसकी म्यान में होती है। उस म्यान से जो मार मारी जाती है, उसे म्यान की मार कहते हैं।
11. **मुकाबला** - **मूक + अबला** = व्यक्ति दो प्रकार के लोगों से मुकाबला करता है। एक मूक और दूसरी अबला से। पुरुष को पहले मूक बनाया जाता है कि, अरे तुम चुप रहो। और स्त्री को बिना बल के देखकर, अरे यह

तो अबला नारी है। फिर इनसे मुकाबला किया जाता है।

12. **मदन-मोहन** - जिसमें मद नहीं है और जिसमें मोह नहीं है, वही मदन-मोहन है।
13. **मुसीबत** - मुँह को सी कर बात करने से मुसीबत नहीं आती है।
14. **Monday** - यह Moon Day कहा जाएगा। क्योंकि सोम को चंद्रमा कहा गया है और चंद्रमा ने भगवान शिव की पूजा की इसलिए चंद्रमा को सम्मान देने के लिए यह Moon Day ही कहते-कहते Monday हो गया।
15. **मकसद** - उसका मकसद इतना ही है, कि वह दूसरों को Make Sad (दुखी) करना चाहता है।
16. **मनमानी** - Money हो तो मन अपने-आप मनमानी करने लगता है।
17. **मुक्तलिफ** - मुक्त + Leaf = पत्ती जब पेड़ से मुक्त हो जाती है, वही तो मुक्तलिफ (अलग) कहलाती है।
18. **मुफीद** - मुँह से ही तो Feed (खिलाया) किया जाता है।
19. **मोहरा** - मोह करोगे तो मोहरा बन जाओगे।
20. **मुण्डन** - Moon की तरह Done कर देना। चंद्रमा की तरह कर देना। इसलिए बाल झड़ जाने के बाद सिर को चाँद भी कहते हैं। जब किसी को मूंड देते हैं तो उसका चेहरा Moon की तरह गोल निकल आता है, इसलिए उसे मुंडन कहते हैं यानि Moon की तरह Done कर देना। यहीं से चंद्रमा को Moon कहा गया है।
21. **Material** - माटीरियल यानि माटी ही रियल है। माटी यानि मिट्टी ही Real है, मिट्टी से ही सब बनता है, मिट्टी में सब मिल जाता है, मिट्टी ही Real में Real है, मिट्टी ही बची रहती है बस।
22. **Mountain** – मौन + तैयन = तय कर लेते हैं जो मौन में रहना, वो Mountain पर जाकर रहते हैं, क्योंकि वो समाज में नहीं रह सकते हैं।

23. मिलावट - वटवृक्ष की असली जड़ कभी मिलती नहीं। मिलावट कहाँ से शुरू हुई यह कभी पता नहीं चल पाता है। इसलिए VAT लगाया जाता है।

24. Motivate – मोती + भेंट = मोटी वेतन देकर Motivate किया जाता है। इसलिए राजा लोग Motivate करने के लिए मोतियों की माला किसी को भेंट में देते थे।

25. Manhattan – Man + हट्टन = आदमियों का हाट – यानि जहाँ पर हट्टे-कट्टे आदमियों का बाजार लगता है उन्हें खरीदा-बेचा जाता है।

26. मन्त्री – मन + त्री = मन जब तीन चीजों (बुद्धि, चित्त, अहंकार) पर नियन्त्रण कर लेता है, तो मन को ही मन्त्री बनाया जाता है।

27. मुण्डेर – मुण्ड + ढेर = मुण्डों का ढेर = जो मुण्डित सिर होते थे, उस कटे हुए सिरों के ढेर को मुण्डेर कहते थे। यह भारत में हर खपरैल घर के ऊपर रखे होते थे। इन कटे हुए मुण्डें को खाने के लिए उस पर कौए आकर बैठते थे और उसको खाते थे। जब कोई मुण्डित संन्यासी या बौद्ध भिक्षुक गाँव में आता था, तो कौए काँव-काँव करते थे, कि एक और भोजन आ गया है। तो लोगों को पता चल जाता था कि एक और संन्यासी या बौद्ध भिक्षुक गांव में आ गया है। फिर वह भिक्षुक जिस घर में भिक्षा माँगता था, उस घर के लोग भिक्षा के अन्न में बेहोशी की दवा मिला देते थे, जिससे वह भिक्षुक भिक्षा को खाकर बेहोश हो जाता था और वह घर वाले उसके सिर को काटकर मुण्डेर पर रख देते थे। और धड़ को पका कर खा जाते थे। इसलिए यह शब्द बना धोखाधड़ी यानि धड़ को धो कर खा जाओ। यही है मुण्डेर।

28. Medal – मेंरे + दल = मेंरे दल वाला ही तो Medal है। यानि जो मेरे दल में शामिल हो गया है।

29. Moscow – माँस + Cow = माँस मिलता है जहाँ Cow (गाय) का वह है Moscow.

30. माफ – मुहँ + Off = मुहँ को Off करना ही तो मुऑफ है।

31. Magic – मय + ज + इक = मय दानव द्वारा जो जाल एक बिछाया जाता है, वह है Magic. यानि मय दानव द्वारा जो बनाया जाता है, वह Magic है। उसको आजतक कोई समझ नहीं पाया है। और वह Magic एक जाल की तरह होता है, जिसे माया कहते हैं। और माया और जाल एक ही बात है यानि मायाजाल। जिसमें सब फंस जाते हैं।

32. Moment – Mom + Ent = जब घर में Mom की Entry होती है, तो वही Moment होता है।

33. मुआवजा – मुहँ + आवजा = मुँह से आवाज न आये इसके लिए मुआवजा दिया जाता है।

34. मुस्किल – मूश + Kill = मूस (चूहे) को कैसे मारा जाए यही तो मुस्किल है।

35. महकमा – माह + कमा = माहवारी में होने वाली कमाई ही महकमे में आती है। महकमे नाम की शुरुआत स्त्री के माह से हुई। यानि जब स्त्री माह से होती है, तो उन चार दिनों में वह कोई काम नहीं करती है, तब उस काम को करने के लिए पुरुष ने महकमे को प्रारंभ किया। यानि पुरुषों ने मिलकर पैसे इकट्ठे किये और एक महकमा बनाया। जिसमें कर्मचारियों की भर्ती की जो स्त्री के माह होने पर काम करते थे और उसके बदले उन्हें पैसे दिये जाते थे। बस यही महकमा आज Department हो गया।

36. मोहलत – मोह + लत = लत को छोड़ने के लिए ही आदमी मोहलत माँगता है।

37. Manner – Man + नर = Man ही नर है, नर में ही Manner है।

38. Magazine – मगज + In = किसके मगज में क्या है ? यह जानने के लिए Magazine को छापा जाता है।

39. **Minus** – My + नस = मेरी नस – जब कोई किसी की दुखती रग (नस) पकड़ लेता है, तो वह फिर दूसरे को Minus (घटाने) में लग जाता है।

40. **मालकोश** – माल कह लो या कोश कह लो दोनों ही मालकोश है।

41. **Manipulate** – जो Menu में होता है, वही Palate में होता है, यानि आदमी को Manipulate करने के लिए, उसका Menu वैसा बना दो और उसे Manipulate कर दो।

42. **मिलावट** – मिला + वट = वट का पेड़ मिला कि नहीं, यही ढूढ़ने में समय लग जाता है, क्योंकि वट का वृक्ष अपनी जड़ों से नया तना बना लेता है, जिससे उसका सही पता लगाना मुश्किल है, कि असली पेड़ कहाँ है, यही होता है मिलावट में कि पता ही नहीं चलता है कि मिलावट कहाँ से शुरु हुई है।

43. **मटक** – मटका रखकर ही स्त्री मटक-मटक कर चलती है।

44. **मोर्चा** – कार्तिकेय अपने मोर पर बैठकर मोर्चा लगाता है।

45. **Menu** – पहले ढाबा होते थे, जो पंजाबी लोग चलाते थे, और पंजाबी लोग उस पर खाने जाते थे, जो ट्रक ड्राईवर होते थे, तो वह कहते थे, कि मेन्नु यह चाहिए खाने को, मेन्नु वो चाहिए खाने को, यही मेन्नु तो Menu हो गया।

46. **मय** – मय (शराब) पीने वाले को यम जल्दी लेने आ जाते हैं।

47. **Mall** – जिसके पास माल होता है, वही माल में जाता है। कहानी है कि गुलाम ही गु उठा-उठाकर, मल का पहाड़ इकठ्ठा कर लेता है, उसी मल को बेचकर माल कमा लेता है, माल से Mall खोल लेता है, Mall का मालिक बन जाता है।

48. **मचान** – Much + अन्न = जिसे पास Much (ज्यादा) अन्न होता, उस पर नजर रखने के लिए मचान बनाया जाता है।

49. **मुनीम** – मुनि लोग ही, मुनीम बन जाते हैं, उसके मुँह में नीम रहती है, जिससे वह हमेशा कड़वा बोलता है।

50. **मोहब्बत** – मोह + बात = मोह हो जाता है, किसी की बात से तो वह है मोहब्बत।

51. **Manage** – मन + Age = मन और Age दोनों को ही Manage किया जाता है। या तो आदमी मन के अनुसार Manage करता है, या फिर Age के अनुसार Manage करता है।

52. **महसूल** – माह + सूल = माह में जब स्त्री होती है, तो उसके खाने-पीने, रहने आदि कि व्यवस्था एक महकमा करता है, क्योंकि वह घर में नहीं रहती है, तो उसके पति से उसके रहने आदि का माह का खर्चा वसूला जाता है, जो महसूल कहाता है।

53. **Math** – Math (गणित) को हल करने के लिए माथे को मथना पड़ता है, यानि माथे से जो निकले वह Math.

54. **Mode** – मूड – मूड ही बताता है कि आप किस मोड़ Mode पर हैं, आप जिस मोड़ पर होते हैं, मूड भी वैसा ही होता है।

55. **Money** – मणी – पहले जमाने में मणी ही धन का प्रतीक थी, जो आगे चलकर अंग्रेजी वर्णमाला में Money नाम से जानी गई।

56. **मेनका** – Man + का = हर Man के मन में एक मेनका रहती है।

57. **मोह** – मुँह से ही मोह होता है, यानि किसी का सुन्दर चेहरा देखकर ही, हमें उससे मोह हो जाता है।

58. **मण्डी** – मंदी – जब मंदी आ जाती है, तो फिर मण्डी लग जाती है।

59. **Mill** – जहाँ पर मिल कर कार्य किया जाता है, उसे Mill कहते हैं।

60. **Mile** – जहाँ पर मिलने का वादा होता है, उसे Mile कहते हैं। फिर कहते हैं यहाँ पर हम मिले।

61. **मनचूरियन** – मन को जो चूर-चूर कर दे वह मनचूरियन।

62. **मुआईना** – मुँह + आईना = औरतें अपना मुँह आईने में देखकर मुआईना करती हैं।

63. **मसतूल** – माँस + Tool = जहाज पर एक खम्बे पर माँस रख दिया जाता था, अगर आस-पास कोई पंक्षी होता था तो उस मसतूल पर आकर बैठ जाता था, जिससे पता चलता था कि आस-पास कोई द्वीप है।

64. **मुद्दा** – मुड्डे पर बैठकर पूछते हैं कि आज का मुद्दा क्या है ?

65. **मेजबान** – मेज + वाणी = खाने की मेज पर बैठने वाले लोगों को अपनी वाणी का ध्यान रखना चाहिए।

66. **मार्गरीटा** – मार्ग + रीता = मार्ग पहले ऋतु के अनुसार बने होते थे। मार्ग में कोई रीता (खाली) न रहे, वही मार्गरीटा है।

67. **Museum** – जिनको यम ने Use कर लिया, उनको Museum में रखा जाता है। यानि जिसकी आत्मा यमराज ने निकाल ली उनके शरीर Museum मे रखे जाते हैं। यानि जो चीजें Museum में होती हैं उनमें आत्मा नहीं होती है।

68. **मन्जी** – मन + जी = मन और जी दोनों ही तो मन्जी हैं। मन और जी मन्जी (चारपाई) की तरह होते हैं, जिनके बीच में से छेद होता है।

69. **मच्छर** – मच (चम यानि चमड़ी) + छर (रक्ष) = चमड़ी की रक्षा मच्छर से करनी चाहिए।

70. **मुठभेड़** – मुठ + भेड़ = मुठ (मुक्का) मारकर या भेड़ों को लड़ाकर मुठभेड़ की जाती है।

71. **मुतालिक** – मूत + Liq = मूत (शराब) और Liq (Liquor, शराब) एक ही होते हैं।

72. **मुक्तलिफ** – मुक्त + Leaf = जिस तरह Leaf पेड़ से मुक्त हो जाती है,

उसी प्रकार आत्मा शरीर से मुक्त हो जाती है, इसी तरह दोनों ही मुक्तलिफ रहते हैं।

73. Marble – मार + बल = मार देता है जो बल को वह है Marble. संगेमरमर का पत्थर आदमी के अन्दर के बल को खींच लेता है।

74. मजबूत – बुत ही मजबूत होते हैं।

75. मिथक – Me + थक = जब मुझे थकान आती है, तो में एक मिथक बनाता हूँ, क्योंकि मैं असली बात किसी को बताना नहीं चाहता हूँ कि क्यों थक गया हूँ।

76. **मदालखत** – मद + खल + लत = मद, खल और लत यह तीनों ही मदालखत करते हैं। मद (शराब) पिया हुआ व्यक्ति सब बातें खत में लिख देता है।

77. Mistery – My + स्त्री = मेरी स्त्री ही मेरे लिए एक Mistery है, यानि वह अपनी स्त्री को ही नहीं जान पाता है, हर स्त्री अपने पति के लिए एक Mistry है।

78. मेढ़ – खेत में जब यह तय किया जाता है कि यह मेरा है, और यह मेरा है, उसी के निपटारे के लिए ही मेढ़ बनाया जाता है।

79. मुकद्दर – मुँह + कद + दर = लड़की का मुँह देखकर, लड़के का कद देखकर ही दोनों की दर (कीमत) तय कर के मुकद्दर तय किया जाता है।

80. मुखौटा – मुहँ + खोटा = जिनके मुँह में खोट होती है, वही मुखौटा लगाते हैं।

81. Muscle – माँसल – माँस से बने शरीर के ही Muscle बनते हैं।

82. मिन्नतें – जो लोग Mean होते हैं, वही मिन्नते करते हैं।

83. Monalisha - मौन + Alisha = मौन हो गई जब Alisha, तब उसके चित्र बनाकर उसकी खामोशी का उत्तर माँगा गया लोगों से कि

Monalisha क्या सोच रही है ?

84. Musketeer – मुस्कान + Tears = जिसके चेहरे पर मुस्कान भी होती है, और आँसू भी होते हैं।

85. मतलब – मत + Love = मत Love करो, यानि Love से ही तो मतलब है।

86. मेंहदी – लगाते हैं मेंहदी हाथों में, छिपाते हैं लकीरों को, पहचान न ले कोई, जान न ले भविष्य को।

87. मिशाल – Miss + शाल = जिसे सब लोग Miss करते हैं, उसी की तो मिशाल दी जाती है, या फिर उसके नाम की शाल पहनाकर सबको उसकी मिशाल दी जाती है।

88. Mental – Men + टल = आदमी जब चीजों को टालने लगता है, समझो Mental हो गया है।

89. मूर्ख – मूड़ + खाने = मूड़ खाने वाले को मूर्ख कहते हैं।

90. Mathematics – माथे + मा + Tricks = किसी के माथे में बहुत सारी Tricks आती हैं, बस वही Tricks से ही सारा Mathematics बना है।

91. Matrimony – मैत्री + Money = किसी से मैत्री करने के लिए Money जरुरी है।

92. Metro – मित्रों – मित्रों के शहर को Metro बोला जाता है। जहाँ पर मित्र ज्यादा करीब होते हैं अन्य सम्बन्धों के अलावा।

93. Matriculation – मातृक + कुल = माता के कुल में पूर्णता प्राप्त करना ही Matriculation है। Matriculation होने तक लड़की माता के कुल में ही रहती थी, और जब उसकी माता के कुल में सभी पढ़ाई हो जाती थी, तब वह अपने पति के घर पर आती थी, जिसे Intermediate कहते हैं। यानि जब तक गौना नहीं होता था तब तक लड़की माता के घर में ही रहती

थी।

94. **मुगल** – मंगोल की वह जाति जो भारत में आकर मुगल के नाम से मशहूर हो गई कैसे ? मुगल पहले मंगोल ही कहलाते थे, परंतु मुगलों के वंशजो ने औरंगजेब के बाद गली के लोगों को भी मुँह लगाना शुरु कर दिया, जिससे यह मँह गल यानि मुगल होगये और गली के लोगों को मुँह लगाने से इनका पतन हो गया।

95. **मशहूर** – जिसके पास हूर होती है, वही मशहूर होता है।

96. **Made** – मा + दे = मा कुछ बनाया है तो दे, यही माँ के द्वारा बनाई वस्तु को ही Made कहा गया है।

97. **Master** – माँ ही सबका स्तर जानती है, किसको क्या सिखाना है ? कितना सिखाना है ? इसलिए माँ ही Master है।

98. **मंच** – मन + च = मन में जो चलता है, उसको देखने के लिए मंच होता है। जो माथे पर अन्दर की तरफ होता है।

99. **Manufacture** – मनु के द्वारा ही सबसे पहले जो चीजें बनाई गईं वह Manufacture कहलाईं। यानि मनु ही थे जिन्होंने मनुष्य के लिए हर चीज पहले बनाई, बस उन्हीं के नाम से हर बनाई गई चीज को Manufacture कहा गया।

100. **मदद** – मद (शराब) पीने वाले की मदद की जाती है, क्योंकि वह खुद से चल नहीं सकता है।

101. **मदालसा** – मद + आलस = मद पीने से आलस आता है।

102. **मुफ्त** – मुँह + फट = मुँह फटे लोग ही मुफ्तखोर होते हैं यानि जो मुँह फट होगा वही मुफ्तखोर होगा।

103. **Melodrama** – मिलो + Drama = मेले में मिलने और बिछड़ने का जो Drama किया जाता है वह है Melodrama.

104. मेला – Male + आ = पहले मेले में Male (पुरुष) आते थे मिलने के लिए यानि बिकने के लिए जो शादी के लिए खरीदे और बेचे जाते थे, वहीं पर लड़के और लड़की का मिलाप किया जाता था, यानि मेलाप वही मेला कहलाता है।

105. Muzzle – मुँह + जाली = मुँह में जाली लगाना ही Muzzle है। पहले खलिहान में फसल की दाएँ की जाती थी जिसमें बैलों को फलसों पर चलाया जाता था तो उनके मुँह पर जालीनुमा (मुसीका) बाँध दिया जाता था, जिससे वह फसल को न खा सकें, वही Muzzle है।

106. Monitor – मौन + ईतर = जिस प्रकार Computer के Monitor पर सब दिखाई देता है, उसी प्रकार Class के Monitor पर सब प्रकट हो जाता है, मौन रहता है, और सारी Class से अलग (ईतर) रहता है, वही Monitor है।

107. Military – मिल + Try = मिल कर Try करना ही Military है।

108. Malaria – मल + Area = मल वाले Area में ही Malaria होता है।

109. मलयगिरि पर्वत – मलयगिरि पर्वत पर इतना मल डाला गया कि उसकी बदबू को हटाने के लिए चन्दन के पेड़ लगाये गये, कि सब और चन्दन की खुशबू फैले।

110. मुजरा – मुँह + जरा = जिसका मुँह जरा होता है, वह मुजरा करती है।

111. Madgaon – मद + गाँव = मद (शराब) वाला गाँव। गोवा में Madgaon है, गोवा शराब के लिए मशहूर है।

112. Map – माप – माप लेकर ही Map बनाया जाता है।

113. Meet – मीत – मीत से ही Meeting होती है।

114. Muddle – मद (शराब) पीने वाले ही मिट्टी में सने रहते हैं, इसीलिए Muddle हो जाते हैं।

मद + Dull = मद (शराब) पीने वाले Dull होते हैं।

115. Malignant – माली + गनन्त = माली ही बागी होते हैं, यानि जो बाग में काम करते हैं, उसे माली ही चलाते हैं, वह ही बागी बनते हैं।

116. Mint – मीन की बदबू को दूर करने के लिए Mint रखी जाती है।

117. Market – मार + काट = पहले सब चीज घूम-घूम कर बेची जाती थीं, फिर जब शहर में मार-काट मचती थी, तो एक ही जगह पर चीजों को रखकर बेचा-खरीदा जाता था, उसे Market कहते हैं।

118. Maternity – मातृ + नीति = माता की नीति ही Maternity है।

119.मृदंग - मृदा + दंग = मृदा (मिट्टी) में जब दंगल होता है, तो उसे मृदंग कहते हैं।

120. मुकाम - मुहँ + काम = मुहँ को भरने के लिए सभी को काम करना पड़ता है। यही मुकाम है।

121. मदहोश - मद + होश = मद (नशा) करके भी, जो होश में रहे, वह है मदहोश।

122. Meta Physics - मिटा + Physics = मिटाना Physics को ही Meta Physics है। Physics यानि भौतिक।
आध्यात्मिकता की प्राप्ति के लिए भौतिकता को मिटाना पड़ता है। तभी आध्यात्मिकता की प्राप्ति होती है।

123. Meditation इस तरह से है, जिस तरह आप ट्रेन में बैठे हैं, ट्रेन चल रही है। आप केवल बैठे हैं। आप कुछ नहीं कर रहे। फिर भी आप मंजिल पर पहुंच गए। बीच में सो भी लिए। यानि आप हवाई जहाज में बैठे कुछ नहीं कर रहे और मंजिल पर पहुंच गए। यानि Meditation में केवल आपको बैठना है। कुछ नहीं करना है। और कुछ वक्त के बाद आप मंजिल पर पहुंच जाएंगे। बस बैठना ही महत्वपूर्ण है, Meditation में।

124. मन्नत - मन + नत = मन का नत हो जाना ही मन्नत है। तन के साथ-साथ मन का नत होना भी जरूरी है। तभी मन्नत पूरी होती है।

125. मूढता - जो मूढ़ होते हैं, उन सिर मूढ़ दिया जाता है। यानि उनका मुंडन कर दिया जाता है। ताकि उनके सिर की गर्मी कम हो जाए।

126. मंशा - मन + Saw = मन में जो देखा वही मंशा है। यानि जब लोग कहते कि "मुझे पता है, तुम्हारे मन में क्या है ? क्योंकि मैंने तुम्हारे मन को देखा है।" "मैं तुम्हारी मंशा को जानता हूँ। मेरे से तुम्हारे मन की बात छिपी नहीं है" । बस यही मंशा है, यानि मन को देखना।

-:-:-:-

N

1. **नाड़ी -** ना + अड़े = जो न अड़े उसे नाड़ी कहते हैं। नाड़ी हमेशा चलती रहती है। जब आप अड़ने लगे तो समझ लो आपकी नाड़ी भी अड़ गयी है। ज्यादा अड़ने पर नाड़ी पूर्णतः अड़ जाती है, और व्यक्ति को हृदयाघात (Heart Attack) हो जाता है। इसलिए अड़ना नहीं चाहिए।
2. **नारायण -** ना + राय + अण = नहीं लेता राय अन्य की वह है नारायण। जो अन्य किसी की राय नहीं लेता। वह नारायण है। क्योंकि अन्य की राय तो सभी लेते हैं। परंतु परमात्मा किसी की राय नहीं लेता है।
3. **निजात** - Knee + जात = जब कोई अपनी जात से निजात (छुटकारा) पाना चाहता है। तो वह जातीय कार्यक्रम में न जाने के लिए बहाना करता है कि घुटने में दर्द है, चलने में कठिनाई है, इसलिए नहीं आ पाऊंगा। यही निजात है।
4. **नचिकेता -** नचिकेता यानि नचिकेत = नचि + केत या चिन + तके = चिन्तके = चिन्ता करता है और तकता है। वह व्यक्ति जो चिंता करता है, और तकता रहता है, कि अब क्या होगा ? जो चिंता करता है, वह हथेली पर अपनी Chin (थोढ़ी) को रख देता है। एक विशेष मुद्रा में बैठ जाता है। और तकता रहता है। वही नचिकेता है।
5. **नसीब -** नस + Eve = कोई नस पकड़ता है। कोई Eve (शाम) होने का इंतजार करता है। इन्हीं दोनों से किसी का नसीब तैयार करते हैं। कोई किसी की कमजोर नस पकड़कर उसका नसीब बिगाड़ देता है और अपना नसीब बना लेता है। कोई Eve (शाम) को किसी को धोखा देता है। क्योंकि शाम को कुछ दिखाई नहीं देता है ओर चालाक व्यक्ति इसी बात का फायदा उठा लेता है। अपना नसीब बना लेता है। इसलिए तो कहता है 'शाम को मिलते हैं' 'आज की शाम कहाँ गुजार रहे हो' 'आज शाम का खाना मेरे साथ' 'शाम को किसी Event में चलते हैं'।

6. निराशा - नीर (पानी) + आशा = नीर को पाने की आशा ही निराशा है। आदमी पानी के तलाश में भटकता है। पानी को प्राप्त करने की आशा ही उसे जीवित रखती है। जहाँ पानी मिल जाता है वहीं घर बना लेता है। इसे ही घोर निराशा कहते हैं। घोर यानि घर। फिर जब उस स्थान का पानी कम होने लगता है या खत्म हो जाता है। तब फिर नये पानी वाले स्थान की खोज की जाती है। यही पुनः नीर को पाने की आशा ही निराशा।

7. नारंग - नहीं है जिसका कोई रंग उसे कहते हैं नारंग।

8. नतीजा - तीजा (तीसरे) का न होना ही तो नतीजा है।

9. नेत्र - इत्र नहीं डाला जाता है जिसमें, उसे नेत्र कहते हैं। आँखों में इत्र नहीं डाला जाता है।

10. नमस्कार - नमः + कार्य = नमः करना अपने कार्य को। यानि कार्य को प्रारंभ करने से पहले, कार्य को नमस्कार करते हैं, फिर कार्य प्रारंभ करते हैं। यह सभी करते हैं ड्राइवर गाड़ी का दरवाजा खोलने से पहले गाडी को नमस्कार करता है। मोची, लोहार, बढ़ई सभी अपने कार्य को नमस्कार करते हैं।

11. निर्मल - नीर (पानी) से मल को साफ कर व्यक्ति निर्मल हो जाता है।

12. Naughty - यह शब्द Pnaughty है, अंग्रेज P को Silent रखते हैं। इसलिए जब उन्होंने पनोती को जब सुना और इसका अर्थ समझा तो P को Silent कर दिया और पनोती को Naughty कर दिया, पर मतलब एक ही है। इसलिए अंग्रेजी पढ़े-लिखे लोग किसी को Direct पनोती नहीं बोलते, वह कहते हैं You are so naughty.

13. निमंत्रण - आमंत्रण - जिसमें कड़वा-कड़वा खिलाया जाए वह निमंत्रण। जिसमें मीठा-मीठा खिलाया जाए वह आमंत्रण।

14. Name Plate - Hostel में कोई भोजन में Late आता है, तो उसकी

Plate के साथ एक पर्ची उसके नाम की लिख कर रख दी जाती है। वह Plate Name Plate कहलाती है।

15. **निर्भर** - नीर पर ही सब निर्भर हैं। इसलिए कहते हैं कि पानी (नीर) भर कर रख लेना।

16. **नक्शे कदम** - कुत्ता नाक से सूंघ कर चलता है। आदमी दूसरे के कदम पर कदम रखकर चलता है। इसी नाक से और कदम को मिलाकर नक्शा बनाया जाता है, उसे ही नक्शे कदम कहते हैं।

17. **Necklace** - जो लोग नेक से Less हो जाते हैं, वह लोग Necklace (हार) पहन लेते हैं।

18. **निद्रा** - निडर लोग ही निद्रा ले पा लेते हैं।

19. **नतीजा** - तीजा (तीसरे) का न होना ही तो नतीजा है।

20. **नकली** - नकली की नाक नकली होती है। नकली आदमी की पहचान होती है कि उसकी नाक नकली होती है। क्योंकि नकली आदमी बेशरम होता है, शर्म नाक में होती है, इसलिए शर्मनाक कहते हैं। नकली आदमी शर्मदार नहीं होता है, क्योंकि उसकी नाक शर्म से लाल नहीं होती है।

21. **नगमा** - गम का न होना ही नगमा है। जो गम में नहीं होता, वही नगमा गाता है।

22. **नाते** – नातेदार ही हमेशा ताने देते हैं।

23, **Nodal** – No + दल = जो किसी दल में न हो वह है, Nodal.

24. **नाजायज** – नाज + अ + यज (यज्ञ) = नाज (अन्न) जो यज्ञ में डाला जाता है, वही तो नाजायज है, क्योंकि वह अन्न किसी के खाने के काम आ सकता है।

25. **नीलाम** – नील + आम = पहले जमाने में नील की खेती होती थी, और आम के बाग होते थे। जब दोनों फसलें तैयार हो जाती हैं, तो उनकी बोली

लगाकर उनको बेचा जाता है। जिसे मिलाकर नीलाम कहा जाता है। फिर यही शब्द नीलामी के लिए उपयोग किया जाने लगा, यानि जब भी कोई चीज आम जनों के लिए बोली लगा कर बेची जाती है तो उसे नीलाम करना कह दिया जाता है।

26. **नुक्ताचीनी** – नुक्ता + चीनी = नुक्ता लगा दो, या चीनी गिर गई है, यही तो नुक्ताचीनी है।

27. **Note** – जितने नोट (रुपये) आप देते जाएगें, उतने Notes आपके File पर लगते जाएगें।

28. **नेता** – Net + आ = जो Net में फंस जाते हैं, वह नेता कहलाते हैं। यानि जो सरकार के जाल में फंस जाते हैं, उन्हें नेता बना दिया जाता है, फिर उस जाल में पूरी जनता को फसाया जाता है, यानि जहाँ नेता जाता है, पूरी जनता भी वहीं जाती है।

29. **Needle** – नींद + दल = नींद और दल के लिए Needle की जरुरत होती है। जिस प्रकार चिड़िया अपना घोसला (नीड) चोंच से बनाता है, उसी प्रकार दल के कपड़ो को सीने के लिए Needle (सुई) की जरुरुत होती है। जिस प्रकार नीड (घोसला) चिड़िया को सुरक्षा देता है, उसी प्रकार दल मनुष्य को सुरक्षा देता है। दोनों को ही नींद लेने के लिए Needle की जरुरत होती है और नीड (घोसला, घर) ही सबकी सबसे बड़ी Need है।

30. **Nail** – नाई + ला = नाखूनों को काटने के लिए अंग्रेज कहते थे नाई ला यही बाद में नाखून को Nail कहने लगे।

31. **नशेनी** – नशे में है या नहीं यह पता करने के लिए व्यक्ति को नशेनी (सीढ़ी) पर चढ़ाया जाता है।

32. **नेता** – जो Net में फँस जाते हैं, वह नेता बन जाते हैं।

33. **नियरे** – Near ही नियरे है।

34. **नशेड़ी** – नशा + ऐड़ी = नशे में रहने वाली की ऐड़ी से पता चलता है, कि वह नशेड़ी है, क्योंकि उसकी ऐड़ी में दर्द होता है, उससे उसके चलने में फर्क आता है।

35. **नक्सली** – नाक + सलामत = नाक को सलामत रखने के लिए वह नक्सली बनता है।

36. **Nut-Bolt** – नट – जो अपना काम Nut-Bolt से करता है, वह नट कहलाता है। यानि नट जो होता है, वह ऐसी सामग्री रखता है, जो Nut-Bolt से खुल जाए, उस Pack करके वह अपने साथ ले जाए, क्योंकि उसे बंजारों का जीवन जीना होता है।

37. **नामकरण** – नाम + कर्ण = कर्ण (कान) में जो नाम पुकारा जाता है, वही नामकरण कहलाता है।

38. **नास्तिक** – ना + आशा + टिक = जहाँ पर ना टिक आशा किसी की वह नास्तिक है।

39. **नवनीत** – नव + Neat = नया ही तो Neat है, यानि नई वस्तु ही नवनीत है, और मक्खन सदा नव रहता है, और Neat (बिना मिलावट) वाला होता है।

40. **नर्क** – जिस नर में अर्क नहीं होता है, उसका जीवन नर्क होता है।

41. **Nonsense** – नोन + Sense = जो खाने में नमक भी ठीक से नहीं डाल सकते हैं, और जो जीवन में छोटी-छोटी बातों (Sense) को भी नहीं समझ सकते हैं, वही Nonsense होते हैं।

42. **निश्छल** – छल करने वाला पुरुष निशा का इंतजार करता है।

43. **नक्से-कदम** – कुत्ते नाक से रास्ता पता करते हैं, आदमी दूसरे के कदम देखकर रास्ता पता करता है, कोई-कोई इन दोनों के ही एक नक्शा बनाता है, और कदम रखता जाता है, वह नक्से-कदम पर चलते चला जाता है।

44. **Nectar** – नेक + तर = नेक लोगों जिसको पीने से तर जाते हैं, वह है Nectar.

45. **निद्रा** – निडर लोगों को ही निद्रा आती है।

46. **नियम** – यम ही नियम से आते हैं। यानि यमराज यानि मृत्यु ही नियम से आती है।

47. **Network** – Net + Work = Net ही Work करता है, यानि किसी को फंसाने के लिए जो जाल फैलाया जाता है वह ही Work करता है।

48. **नेक** – Neck – नेक लोग अपनी नेक-नियती के लिए अपनी Neck (गर्दन) तक कटवा देते हैं।

49. **NET** – Never Enter There – Net यानि जाल जिसमें कभी प्रवेश नहीं करना चाहिए।

50. **नाराज** – ना + राज = राज के ना होने पर नाराज हो जाते हैं।

51. **निक्कर** – **Knee** + कर = जिसके कर (हाथ) अपने Knee **(**घुटनों**)** तक जाते हैं, वह निक्कर पहनता है।

52. **निधन** – न + धन = धन के न होने पर निधन हो जाता है।

53. **Notice** – Not + Ice = जब आदमी शराब पीता है तो यह जरुर Notice देता है कि वह बिना बर्फ वाली यानि Not Ice वाली पियेगा।

54. **Noon** – नून – नूण = नूण खाने वाले का दिमाग वैसा ही हो जाता है, जैसा **Noon (**दोपहर) में सूर्य का होता है, उसका इतना पारा चढ़ जाता है, यानि उसका रक्तचाप बढ़ जाता है।

55. **नकल** – हम नकल उतारने में जितने माहिर होते हैं, उतने ही हम सफल होते हैं, तभी तो **Charles Darwin** ने कहा कि मनुष्य के पूर्वज बन्दर थे, क्योंकि बन्दर ही नकल उतारते हैं।

56. **Nape** – नेप – नापी – फाँसी के लिए गर्दन का नाप लिया जाता था, उसेही

Nope कहते हैं।

57. **नस्ल** – नाक देखकर ही किसी की नस्ल बताई जाती है।

58. **Nausea** – नाव + **Sea** = नाव लेकर के जब समुद्र (Sea) में जाते हैं, तो जो बीमारी होती है, उसे Nausea कहते हैं।

59. **Near** – न + Ear = जिसके Ear नहीं होते हैं, वही कहता है कि Near (पास) आ जाओ, ताकी मैं तुम्हें सुन सकूँ उसी Near से नियरे शब्द बना।

60. **नियरे** – Near – Near (पास) रहने वालों को ही नियरे कहा जाता है।

61. **Neat** – **N** + **Eat** = नहीं खाना चाहिए, जो वस्तुओं ज्यादा साफ-सफाई वाली होती हैं, उन्हें नहीं खाना चाहिए,यही Neat है।

62. **Negative** – नेगेटिव – नेगेटिव लोगों को नेग देकर गति दी जाती है।

63. **Neigh** – नेग – बारात में जब घोड़ा दूल्हे को लेकर पहुँचता है, तो घोड़ेवाला भी अपना नेग माँगता है, जिसे Neigh कहते हैं।

64. **Nitrogen** – नाईट्रोजन – नाई लोग जब किसी जन के बाल काटते हैं, तो वह Nitrogen Gas से उसे स्तम्भित कर देते हैं। फिर बाल काटते हैं, यह **Gas** उनके पानी में होती है, जिससे वह आसानी से काम कर लेते हैं, और बाल कटवाने वाले के अन्दर की बात निकाल लेते हैं।

65. **नस** – जब किसी की कमजोर नस पकड़ ली जाती है, तो उसे कलाई में धागा बाँधा जाता है, या घड़ी बाँधी जाती है।

66. **नाच** – न + आँच = आँच का न होना ही नाच है। जहाँ पर आँच होती है, उस जगह पर जब कोई पैर रखकर बार-बार उठाता और ईधर-उधर रखता है, तो यही नाच है। यानि एक गर्म जगह पर जब कोई बार-बार पैर उठाकर उसे ईधर-उधर रखते हैं तो उसे नाच कहते हैं।

67. **नल** – नल ने पानी का नल बनाया, और भी जो चीजें नल के नाम से जानी जाती हैं जैसे – Signal, Channel इन सबको नल ने बानाया। नल यानि

रामायण के राम-सेतु को बनाने वाले नल-नील में से नल।

68. **निश्छल** – निश् + छल = रात को ही छल किया जाता है, वही तो निश्छल है।

69. **निश्चिंत** – निश + चिंत = निशा में ही चिंता होती है, जब तक रात में चिंता से निश्चिंत नहीं होता है, तब तक नींद नहीं आती है।

70. **Need** – नींद – नींद ही तो Need है उसी के लिए नीड (घोषला) बनाया जाता है, ताकि नींद अच्छी आ सके। हर किसी की Need ही तो एक नीड (घोषला) है।

71. **Now** – नाऊ – पहले कोई काम किया जाता तो नाई को बुलाकर निमंत्रण देने के लिए कहा जाता था, तो अभी-भी कहते हैं कि नाऊ को बुलाओ।

72. **Noun** – नाऊन – बच्चा जब पैदा होता है, तो उसकी नाल नाऊन ही काटती है, यानि नाई की पत्नी, तो बच्चे के दो नाम होते हैं, एक नाम राशि के अनुसार ब्राह्मण रखता है, एक नाम नाऊन रखती है, जो ज्यादा प्रसिद्ध होता है, क्योंकि नाई ही सब घरों में निमंत्रण देने जाता है, और वह नाऊन के दिये नाम से ही निमंत्रण देने जाता है, इसलिए Noun कहलाता है।

73. **Number** – नम + बर = जब कोई मर जाता है तो सब की आँखे नम होती है, और फिर वह बर (जल) जाता है। इसी तरह नम होकर बरने का Number सभी का आता है।

74. **Nosal** – No + जल = किसी भी नली में यह देखा जाता है कि इसमें जल है कि नहीं, उसे कहते हैं Nosal.

75. **नमन** - न + मन = नहीं करता जो मन से वह है नमन नमन कभी मन से नहीं किया जाता है। जब मन न हो फिर भी झुकना पड़े वह है नमन।

76. **निरुक्त** - निर + उक्त = निर पीने के बाद जो उक्त होता है वह निरुक्त है। यानि पानी पीने के बाद जो शब्द व्यक्ति के मुख से निकलते हैं उसे निरुक्त

कहते हैं। क्योंकि कहा गया है कि दो कोश पर बदले पानी चार कोश पर बदले पानी। जिस स्थान का पानी जैसा होगा उस स्थान की वाणी वैसी ही होगी। इसलिए पानी ज्ञानी लोग गंगा जल पीते हैं। जो पूरे समय एक ही प्रकार की ज्ञान की वाणी निकलती है। यमुना का पानी पीने वाले। चंबल का पानी पीने वाले। गोदावरी का पानी पीने वाले। मानस सरोवर का पानी पीने वाले। पुष्कर सरोवर का पानी पीने वाले। नर्मदा का पानी पीने वाले। कृष्णा का पानी पीने वाले। कावेरी का पानी पीने वाले। गोमती का पानी पीने वाले। सरयु का पानी पीने वाले। सब का अपना-अपना उच्चारण और अर्थ होता है तथा बोलने का लहजा अलग-अलग होता है। यही निरुक्त है। यानि जो पानी पीने के बाद उक्त होता है वह है निरुक्त। उक्त मतलब बोलना।

77. **निराकार -** निर + आकार = निर यानि नीर यानि जल यानि पानी - परमात्मा पानी के आकार वाला है। परमात्मा जल के आकार वाला है। इसलिए जल में ताकत है।

78. **निरंतर -** नीर + अंतर = नीर ही बिना अंतर के निरंतर. बहता है।

79. **निरीह -** नीर (पानी) पीने के लिए आए पशु को निरीह कहा गया है। इस निरीह पशु पर वार नहीं करना चाहिए। परन्तु रात के समय एक राजा ने पानी पीने आए पशु पर तीर चला दिया। और भारत में एक महाकाव्य लिखा गया।

80. **निश्चित -** निशा + चित = रात्रि में व्यक्ति का चित एकदम शांत होता है। इसीलिए वह रात्रि में जो उसके चित में आता है उसके लिए वह निश्चित हो जाता है।

81. **निदान -** Knee + दान = घुटने की बीमारी का ईलाज दान के द्वारा होता है। इसलिए उसे निदान कहते हैं। नि यानि Knee यानि घुटना। दान लेने

वाले सौ लोग पंगत में नीचे बैठे हैं। दान देने वाला डलिया में पूड़ी लेकर पूड़ी-पूड़ी कहकर घुटनों पर झुककर परोस रहा है। ऐसे ही दाल, चावल, सब्जी, मिठाई, पानी, फरसान, सभी कुछ परोस रहा है। उसका घुटने का दर्द हमेशा के लिए ठीक हो गया। यही निदान है।

82. निभाव - नि + भाव = आदमी दो ही चीजों से निभा पाता है - एक तो उसके घुटने अच्छे होने चाहिए। दूसरा उसमें भाव होना चाहिए। नहीं तो आदमी अक्सर यही कहता है आने का भाव तो बहुत था परन्तु घुटनों में दर्द था। इसलिए नहीं आ पाया।

83. नमक-चीनी - अंग्रेज यह जानते थे कि भारतीय अपने आप पर नियंत्रण नहीं रख सकते हैं। तो उन्होंने नमक और चीनी पर नियंत्रण लगा दिया। किन्तु जब वह नियंत्रण हटा तो भारतीय ही सबसे ज्यादा High Blood Pressure और Diebities के बीमार हुए। और आज का Medical उद्योग इन दो बीमारियों के बल पर भारतीयों के भरोसे चल रहा है।

84. नियम - Knee + यम = जब घुटने में दर्द होने लगता है, तब समझना, कि यम के आने का समय हो गया। यम हमेशा नियम से आते हैं।

85. निरद्वंद - निर + द्वन्द्व = यह पानी (नीर) पीयें या नहीं पीयें। यही निरद्वंद है। क्योंकि भारत में पहले कोई किसी का पानी तक नहीं पीता था।

86. नर्क – नर + अर्क = नर का जब अर्क निकल जाता है, तो उसका जीवन नरक हो जाता है। क्योंकि शक्तिहीन पर सब कब्जा कर लेते हैं। और वह पराधीन हो जाता है। नर का अर्क ही स्त्री की योनि द्वार से स्त्री में प्रवेश करता है, इसलिए स्त्री उस नर के अर्क का द्वार है।

-:-:-:-

O

1. **Ocean** – ओसन – ओसियान = राम जब सीता को ढूढ़ रहे थे तो कहते थे ओ सिया, ओ सिया यही Ocean है।
2. **Clock** – काल + Lock - काल को भी Lock कर दे वह है, Clock. यानि काल पर ताला लगा दे। समय पर ताला लगा दे।
3. **Organize** – नाई ही Organize करते हैं, पहले नाई ही सब काम Organize करते थे।
4. **Obey** – ओ + बे = जब भारत वाले कहते हैं कि औ बे यही Obey है।
5. **Original** – नल (राम सेतु बनानेवाले) कि द्वारा जो भी बनाया गया वह नल के नाम से जाना गया। नल ही पहले Engineer हैं। वही वस्तु Original है।
6. **Omelet** – अण्डे में ऊँ ही तो होता है, उसी ऊँ का Omelet बनता है।
7. **Opportunity** – ऊपर + चुनोती = ऊपर चढ़ने की चुनौती हर कोई देता है, यही Opportunity.
8. **Oven** – वन में रहने वाले लोग Oven (तंदूर) का प्रयोग करते हैं, क्योंकि वन में खुले में चूल्हे पर खाना पकाने से आग लग सकती है, इसीलिए Oven का प्रयोग किया जाता है।
9. **Offer** – Off + फर =किसी को Off करने के लिए ही उसे Offer दिया जाता है, पहले उसको Off किया जाता है, फिर उसके फर (पंख) काट लिये जाते हैं, और छोड़ दिया जाता है।

11. **Orphan** – ओर + फन = जो फनकार होतें हैं, उनसे जब किसी स्त्री का संपर्क होता है, उससे जो पैदा होता है, वह **Orphan** कहलाता है।
12. **Own** – आओ + न = जब कोई अपना अन्दर आना जाहता है, तो कहते हैं आओ न, अपना ही है, यही आओ न ही **Own** हो जाता है।
13. **Oxen** – बैल की ही नीलामी की जाती है, जब महाजन का कर्जा किसान

नहीं दे पाता है, तब महाजन के द्वारा किसानों के बैलों की नीलामी की की जाती है, जिसे **Oxen** कहते हैं।

14. **Oxygen - Ox** + जन = **Ox** में सबसे ज्यादा **Oxygen** होती है।
15. **उजड़ -** जब जड़ों को उखाड़ लिया जाता है। तो वह स्थान उजड़ जाता है।
16. **OM -** OM is stand for Oh ! My God. It means OM is my God. O is Oh! M is My OM is my God.
17. **Ora -** जब आपकी जिंदगी में कोई और आ जाता है, तो आपको आपके Ora के बारे में पता चलता है। क्योंकि वह आपमें प्रवेश करने की कोशिश कर रहा है। वह आपके जैसा नहीं है। जो आपके जैसा होगा वह आप में प्रवेश कर जाएगा। बस यही Ora है, जो हमें ओरों के बारे में, बताता है।

-:-:-:-

P

1. **प्रतिहार** - हार की प्रति ही प्रतिहार है। यानि जब कोई राजा हार जाता था, तो वह हार के तौर पर प्रतिहारी बनना स्वीकार कर लेता था।
2. **Parent** - जो Rent को Pay करें, वह हैं Parent.
3. **प्रस्ताव** - Press (दबाब) या ताव में आकर प्रस्ताव किया जाता है।
4. **Pulse** - पहले जमाने में Pulse (नाड़ी) की गति की गिनती करने के लिए Pulse (दाल) के दानों का उपयोग किया जाता था। इसलिए Pulse को नाड़ी और दाल को Pulse कहते हैं।
5. **पलक** - पल + Luck = पल (वक्त) और Luck (किस्मत) पलक झपकते ही बदल जाते हैं।
6. **परिवर्तन** - परि + वर्तन = परि से शादी हो जाए और पति को वर्तन धोने पड़ें, यही परिवर्तन है।
7. **प्रणव** - प्रण + अव = प्रण का आना जिससे होता है, यानि प्रण पूरा होता है। प्रण अवतरित होता है। प्रणव से ही प्राण मजबूत होता है। यही मजबूत प्राण रक्षा करनेवाला होता है। यही प्रणव है।
8. **पातञ्जली** - पात्र + अन्न + जली = पा + अत्र + अन्न + जली = पा इत्थे अन्न और जल। पातञ्जली यानि करपात्री। पूर्व काल में योगी और संन्यासी जब भिक्षा लेने जाते थे। तो कोई पात्र अपने पास नहीं रखते थे। वह दोनों हथेलियों को जोड़कर, (जिसे की अञ्जुली कहते हैं) करके कहते थे कि अत्र (यहाँ) पर अन्न और जल डाल दो। इसी से यह हाथों की मुद्रा पातञ्जली यानि अन्जुली कहलाती है। इसी को संन्यासी करपात्री कहते हैं। यानि जो अपने कर को ही पात्र बना ले। उसी में लेकर खाए-पीए वह है करपात्री। किसी से कुछ मांगने के लिए इसी तरह से दोनों हथेलियाँ जोड़कर फैलाई जाती हैं। चाहे वह भगवान से कुछ मांगना हो या संसार में किसी से कुछ मांगना हो।

9. **प्रस्तावना -** Press + ताव + ना = Press (दबाव) में या ताव में ना आकर जब कार्य किया जाता है, उसे प्रस्तावना कहते हैं। यानि यह कार्य में बिना किसी के दबाव या बिना ताव में आकर कर रहा हूँ।
10. **पिंगला** – गले में एक नाड़ी होती है, जहाँ पर Pin लगा दो तो आदमी मर जाता है। यानि एक नाड़ी जिस पर ऊंगली रखकर पता किया जाता है कि आदमी जिन्दा है कि मर गया है।
11. **Post -** पोश्त - अंग्रेजों ने अफगानिस्तान से अफीम के कच्चेमाल पोश्ता को ले जाने के लिए जगह-जगह Post बनाई और Post Office भी उसी लिए बनाया था।
12. **Piano -** जब घर पर पिया नहीं होता है तो स्त्री Piano बजाती है।
13. **Problem** – पूरा + Blame = पूरा Blame किस पर लगाएँ, यही तो है Problem.
14. **प्रणाम -** प्रण + आम = जब अपने प्रण को आम करते हैं तो उसे प्रणाम कहते हैं। यानि जब अपने प्रण (संकल्प, Resolution) को सब लोगों को बताते हैं, तो हाथ जोड़ कर कहते हैं कि मेरी बात रख लेना। यही प्रणाम है।
15. **Process -** यानि परोसना - कोई भी Software Installation एक Process से गुजरता है। उसके बाद उस का Key डाला जाता है। अब Software का इस्तेमाल कर सकते हैं। ठीक उसी तरह भोजन परोसा जाता है। परोसने के बाद " ऊँ नमः पार्वतीपतये " बोला जाता है जो Key है। फिर भोजन किया जाता है। Processing या परोसने के समय नहीं।
16. **प्रयत्न -** Pray + यत्न = मनुष्य को Pray (प्रार्थना) और यत्न दोनों ही करने चाहिए। तभी यह प्रयत्न कहलाएगा।
17. **Purchase -** किसी का पीछा करना है तो उसने क्या Purchase किया है, यह जानकर उसको Chase किया जा सकता है।

18. **Pancreas -** पान-क्रिया - भोजन के बाद पान खाने की क्रिया ही है, जो Pancreas की क्रिया को क्रियान्वित करती है। इसलिए भोजन के बाद पान खाया जाता है, कि भोजन पच जाए।

19. **Philosopher -** पहिलो + सफर = जो पहला सफर (यात्रा) करता है, वही कहलाता है। सफर कोई भी हो जमीन का हो या रुमानी हो। जो पहला सफर या पहली यात्रा करता है, वही अपने अनुभव बताता है। उसके वही अनुभव ही आगे चलकर Philosophy बन जाते हैं।

20. **परखना -** किसी को परखना हो तो उसके पर (पंख) पास में रख लिए जाते हैं, परंतु मनुष्य के पर नहीं होते हैं।

21. **परवाना -** पर + वाना = परीन्दे का पर और बाण दोनों को परवाने की जरूरत नहीं होता है।

22. **प्रचीन -** इस संसार में चीन ही प्राचीन है।

23. **परछाईं -** पर + छाईं = पर (पंख) की छाई ही परछाई होती है।

24. **पैदल -** दल हो तो ही पैदल चलना चाहिए। नागा साधुऔं का कुंभ स्नान हो या दांडी मार्च हो सब पैदल होता है।

25. **पुरुष और स्त्री -** पुरुष उस सूर्य की भाँति है, जो बाहर से गर्म पर भीतर से ठंडा। स्त्री उस पृथ्वी की तरह है, जो बाहर से ठंडी पर भीतर से बहुत गर्म।

26. **परिचय -** परि या चय (चाय) यानि या तो परि (अप्सरा) परिचय करवाती है, या फिर चाय पर परिचय होता है।

27. **Potential -** पोटी (Potty) ही Potential होती है।

28. **Powder -** पाऊँ + डर = पाऊँ का डर - जब लगता है, पाँव से डर, उसे कहते हैं Powder. पहले चप्पल या जूते का इतना प्रचलन नहीं था। आदमी नंगे पाँव ही चलता था। तो रास्ते पर चलते हुए या ईधर-उधर घूमते हुए, पाँव में गर्द लग जाती थी, तो जो गर्द पावँ में लगी रहती है, उसी से

सबको डर रहता था। इसलिए घर में घुसने से पहले पाँव धोया जाता था। तो यह Powder हो गया है।

29. **Premium -** Pre + Me + यम से बचने के लिए, यम को Premium दी जाती है यानि यम के पास जाने से पहले यम को दी जानेवाली रिश्वत, कि मैं वहाँ पहुँचू तो मेरा ख्याल रखना यह है Premium.

30. **परिमार्जन -** परी ही मारती है जन को और परिमार्जन करती है।

31. **प्रयाग -** प्राय जहां पर आग रहती है, उसे ही प्रयाग कहते हैं।

32. **Pad -** जो पैर है वह पैड का परिचायक है पैड यानी पैर। क्रिकेट के खेल में Pad पैर को बचाने के लिए है यह पैड यानि पद कहलाता है यही Pad है।

33. **Pet-Name -** जिसका पेट कोई पालता है, उसे एक Pet-Name देता है।

34. **पीक -** Peak पर जब आदमी होता है, तो पीक निकलती है, जहाँ पीक निकलती है, वहीं पर थूकता है, और वहीं पर Pick किया जाता है, पहले जहाँ पर पान की पीक पड़ी होती थी, वह लोगों के पहचान के स्थान होते थे, कि वहाँ से Pick कर लेना, यहाँ से Pick ले-लेना।

35. **परिजन -** परि + जन = परि (अप्सरा) के द्वारा जने हुए लोग ही परिजन हैं। वह परिजन हैं मेनका नाम की अप्सरा के परिजन ही हैं सब।

36. **प्रभू -** पर + भू = परमात्मा की ही भू है। यानि यह धरती परमात्मा की है, वही प्रभू है।

37. **पंखा -** पन + खा = पानी को खा जाता है, जो वह है पंखा। पंखा अपने आगे के पानी को खा जाता है, पहले तो वह पानी की आद्रता को ठण्डक देता है, पर फिर पानी को सोख लेता है, फिर गर्म होता जाता है, और गर्म हवा फेंकता है। यानि आपके शरीर के पानी को भी सोख लेता है।

38. **पृथक -** जो थक जाता है, वह पृथक हो जाता है।

39. **Painter -** Pain + तीर = Pain होता है, जिसको तीर से उसे Painter

कहते हैं। यानि जब किसी को तीर लगता है, और उसको Pain होता है, तो उस तीर के लगने से निकले हुए खून से जो वह लिखता है या बनाता है, वह Painter है।

40. **Palace -** पाल + ऐश = पालते हैं जहाँ ऐश से – जहाँ पर ऐशोआराम की जिन्दगी से किसी को पाला जाता है, उसे Palace कहते हैं।

41. **Pet -** जिसका पेट पाला जाता है, वही Pet है, चाहे जो भी है, वही Pet है।

42. **Pacific -** पैसे + फेंक = पैसे जिसमें फेंके जाते हैं, उसे कहते हैं Pacific. पहले जमाने नदी या समुद्र पार करते समय उसमें पैसे फेंके जाते थे और आज भी फेंके जातै हैं।

43. **प्रतियोगिता -** प्रति + योगिता = प्रति करने की योग्यता ही प्रतियोगिता है, यानि नकल करने की योग्यता ही प्रतियोगिता है।

44. **Pretty -** प्रीति – जिससे प्रीति होती है, वह Pretty होती है।

45. **प्रभात -** प्रभा + आती = प्रभात में ही प्रभा आती है।

46. **परिधि -** परि + धी = परि के द्वारा बनाया गया घेरा ही परिधि होती है।

47. **प्रवेश -**पर + वेश = पर और वेश होने पर ही किसी को प्रवेश मिलता है।

48. **पंखुड़ी -** पंख + उड़ी = पंख से ही उड़ी जाती है, इसीलिए उसे पंखुड़ी कहते हैं।

49. **पछताना -** पीछे + ताना = अगर आप पछताते हैं, तो लोग आप पर पीछे से ताने मारते हैं।

50. **Prize -** प्रिय + Rise = प्रिय लोगों को Rise करने के लिए ही उन्हें Prize दिया जाता है, यानि प्रिय लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए Prize दिया जाता है।

51. **पगड़ी -** चलने पर जो पग (पैर) में अड़ जाती है, उसे पगड़ी कहते हैं।

52. **Play -** कबड्डी में पाला होता है, और एक पाले से दूसरे पाले में जाया

जाता है, इसी से पाले से ही Play बना है।

53. पूँछना - पूँछ + ना = पूँछ के ना होने पर सभी पूँछते हैं, अरे यार आपकी पूँछ कहाँ है ? उसकी कोई पूँछ नहीं है, मुझे कोई पूछता तक नहीं है, पूँछ का ना होना ही पूँछना है।

54. पोंछा - पूँछ इन्सान घर पर भूल गया, उसकी पत्नी ने उसकी उसी पूँछ का पोंछा बना दिया।

55. पैरोकार - पैर +कार = पैरोकार करने वाले व्यक्ति दूसरों को पैरों पर कर देते है, खुद उनकी कार में घूमते हैं।

56. पटना - पट + ना = जहाँ पर पट (दरवाजे) नहीं होते हैं, वह है पटना।

57. पहाड़ - हाड़ के ही पहाड़ होते हैं।

58. Pizza - पित्त + जा = लोगों को पित्त की बीमारी होती है, जिसको भगाने के लिए Pizza बनाकर खिलाया जाता है।

59. पट्टा – पत्ता – गाँव में कोई शादी या अन्य भोजन समारोह होने पर जो व्यक्ति बीमार होता है, उसका पत्ता किया जाता है, वही पद्धति आगे पट्टा नाम से चली और उसके कुत्ते का भी पत्ता किया जाता था, क्योंकि घर पर भोजन नहीं बनता था, तो यही पत्ता भी कुत्ते के गले का पट्टा हो गया, यानि जिस कुत्ते के गले में पट्टा है, उससे पता चलता था, कि यह पालतू कुत्ता है और किसका कुत्ता है।

60. पवित्र – ईत्र डालकर पवित्र किया जाता है।

61. परेशान – परि + शान = परि (स्त्री) और शान के कारण ही तो सभी परेशान हैं।

62. परिवहन – परि + वहन = परि को वहन करना ही परिवहन है, किंतु परि किसी वाहन से नहीं चलती है, उसके तो अपने पर (पंख) होते हैं, किंतु जब परि जैसी दिखनेवाली स्त्री से पुरुष की शादी हो जाती है, तो वह पुरुष फिर

उसे वहन ही करता है, अपने दिमाग में हमेशा कि वह किसी और के साथ न हो।

63. **परिभाषा** – परि + भाषा = परि की भाषा ही, परिभाषा है।

64. **Plug** – पहलू + लग = पहलू जिसके लग जाते हैं, वह है Plug.

65. **Panic** – पानी का न होना ही Panic है।

66. **प्रसाद** – पर + Sad = Sad लोगों को ही प्रसाद खिलाया जाता है, जिससे उनके दुःख बँट जाते हैं, और वह हलके हो जाते हैं। दुःखी (Sad) व्यक्ति अपना दुःख प्रसाद के माध्यम से दूसरों से बाँट देता है। जिससे उसका दुःख हलका हो जाता है।

67. **Premium** – Pre + Me + यम = यम के पास जाने के पास जाने से पहले लोग यम को भी रिश्वत देते हैं, जिसे Premium कहते हैं।

68. **Pressure Cooker** – Pressure Cooker में खाना पकाने पर ही, Blood Pressure की बीमारी हो जाती है।

69. **प्रतिशत** – प्रति + शत = कौन कितनी नकल (प्रति) करता है, उसका ही प्रतिशत निकाला जाता है।

70. **पचड़ा** – पच + अड़ा = पच नहीं पाया इसीलिए अड़ा है, यही पचड़ा है। भोजन जब पच नहीं पाता और अड़ जाता है।

71. **Price** – Per + Rice = Per (एक-एक) Rice का ही, Price रखा जाता है।

72. **Pressure** – Press + सुर = दबाव देवताओं द्वारा – सुर यानि देवताओं के द्वारा किसी पर Pressure डलवाया जाता है, जिससे वह दूसरे की बात को मानने को तैयार हो जाता है और काम कर देता है। यही काम पूजा-पाठ में किया जाता है, कि उस देवता की पूजा की जाती है और वह देवता उस पर दबाव डालता है, कार्य हो जाता है।

73. पुनीत – पु + Neat = पुरुष के अन्दर से निकलने वाला वीर्य ही पुनीत होता है, उसमें कोई मिलावट नहीं होती है।

74. प्रांगण – प्राण + गण = प्राण ही आपका गण है, इसीलिए प्रांगण है।

75. पंचामृत – पंच + अमृत = पाँच चीजें अमृत हैं, यानि मरी हुई नहीं हैं, यह पाँच चीजें है, पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि, आकाश यही पंचामृत हैं, इन्ही से मनुष्य बना है, इसी में उसे स्नान करना चाहिए।

76. प्रमाण – पर + मान = पर (पंख) ही तो प्रमाण है। जब कोई कहता है कि मेरे यहाँ तो परिन्दा भी पर नहीं मार सकता है, तो उसे पर (पंख) दिया जाता है जिससे वह मान लेता है, यही प्रमाण है।

77. पताका – पता + का = जिस घर में पताका है, वही तो पता है, यही पताका का अर्थ है। पहले घर में पताका फहरा दी जाती थी जो घर का पता बता देती थी।

78. प्यार – Pay + यार = जब कोई कहता है, Pay यार तो यही प्यार है। अपने यार का प्यार पाने के लिए Pay तो करना ही पड़ता है।

79. Power – पाव + वर = जो पा जाता है वर को, वही वर Power होता है। जब कोई देवता किसी को वर देता था, तो उस व्यक्ति में Power आ जाता था।

80. प्रयास – Pray + आश = कोई Pray करता है, कोई आशा करता है, यह दोनों साथ में जब किये जाते हैं, उसे ही प्रयास कहते हैं।

81. Pedestrian – पेड़ + स्त्रियाँ = जहाँ रास्ते के फुटपाथ पर पेड़ पर स्त्रियाँ ही मिलती हैं, जिसे Pedestrian कहते हैं।

82. पवित्र – इत्र डालकर ही पवित्र किया जाता है।

83. Puppet – पाप + पेट = पापी पेट के लिए पाप भी करना पड़ता है, और Puppet भी बनना पड़ता है।

84. पद-चिन्ह – कोई पद (पैर) को देखकर चलता है, कोई चिन्ह को देखकर चलता है। यानि जो पैदल चलता है, वह दूसरे के पैर को देखकर चलता है। जो गाड़ी में चलता है वह Road Sign देखकर चलते हैं। बस यही दोनों ही पद-चिन्ह हैं।

85. पटवारी – पट + War = पाट दे जो War को वह है पटवारी, अंग्रेजों ने जमीन की लड़ाई को पाटने के लिए पटवारी को यह काम दिया।

86. पिंडली – Pin + डाली = जिसमें Pin भी न डाली जा सके उसे कहते हैं पिंडली।

87. Police – Pole + Ice = युरोप में बहुत बर्फ पड़ती है, तो वहाँ पर जहाँ पोल होती है, कि यहाँ से आदमी बर्फ में नीचे गिर सकता है, उसके आस-पास की बर्फ पर वह एक Pole (खंबा) गाड़ देते हैं, और लिख देते हैं कि Pole Here On Ice, यही फिर आगे वह एक आदमी खड़ा करने लगे, जो Police के नाम से पहचाना गया।

88. Push & Pull = भारत में किसी को नदी पार करनी होती थी तो दूसरा उसको धक्का (Push) देता था, और अंग्रेजों ने नदी को पार करने के लिए पुल बना दिया। जो सबसे पहला पुल बना वह था रस्सी के सहारे इधर से उधर जाना, तो इस प्रकार के पुल में दूसरी तरफ वाले को खींचना (Pull) करना होता था, बस यही Pull ही पुल के नाम से मशहूर हो गया।

89. पट्टी – पत्ती – पत्ति ही पट्टी है। इलाज में पहले पेड़ या पौधे की पत्तियाँ ही तो बाँधते थे वही पत्ती ही पट्टी कहलाई बाद में।

90. अगुआई – अ + गू + आई = अंग्रेज भारत में आये, तो देखा यहाँ पर रास्ते में यहाँ-वहाँ सब जगह गू ही गू है, तो उन्होंने एक आदमी को आगे-आगे रखा जो उनको गू से अलग रास्ते पर ले जाता और अगुआई करता था क्योंकि वह जानता था कहाँ गू है कहाँ नहीं है।

91. **Prank** – पर + रंक = रंक के साथ ही Prank किया जाता है। रंक यानि गरीब आदमी जो उड़ने के सपने देखता है, उसे नकली पर यानि पंख लगाकर उसे हवा में उड़ाने का वादा कर उसके साथ Prank किया जाता था।
92. **Perfume** – परि + Fume = परियाँ ही Perfume लगाती हैं, जिससे वह महकती रहें और उनमें पसीने की बदबू न आये।
93. **Potty** – पहले जब रात को संडास जाना होता था तो वह Pot में ही कर लेते थे, इसी से उसे Potty नाम दिया।
94. **Pedal** – पैदल – पहले आदमी पैदल चलता था, जब Cycle आई तो उसके यन्त्र को भी पाँव से ही चलाया जाता था तो उसे भी नाम दिया गया Pedal.
95. **Priest** – Pray + ईष्ट = Prayer करते हैं जो अपने ईष्ट की वही होते हैं Priest. पहले जमाने में कोई मूर्ति नहीं होती थी, और सूर्य की ही पूजा की जाती थी, जो कि East यानि पूर्व दिया में उगता है। तो जो प्रार्थना करता है पूर्व दिशा में वही Priest कहलाता है।
96. **प्यादे** – प्यार करने वाले अक्सर प्यादे बन जाते हैं।
97. **प्रिय** – Pray - प्रिय लोगों के लिए ही Pray (प्रार्थना) की जाती है।
98. **Pair** – पैर – पैर का ही Pair देखा जाता है, यानि पैर में पहनने के लिए ही जूतों की जोड़ी देखी जाती है कि एक-सी है कि नहीं।
99. **Protest** – जो लोग पक्के नहीं होते हैं, वही Test (परीक्षा) से पहले Protest करता है। यानि जो सच्चे नहीं होते वह आँच से दूर रहते हैं। अगर सोने को आँच से अलग रख दिया, जो समझ जाओ सोना नकली है, क्योंकि सोना आँच में और निखर कर आता है।
100. **Pass** – पाने + आस = पाने की आस ही किसी को हर परीक्षा से Pass

करवाती है और वह आगे बढ़ता जाता है।

101. Pendent – Pen + दंत = लोग गले में धागा पहनते हैं, और उसमें Pen या दाँत (शेर का दाँत) लगाते हैं, उसे ही Pendent कहते हैं।

102. Potrait – पोत कर ही Potrait बनाया जाता है।

103. Punishment - पानी + ईश = पानी न देना और ईश की उपासना न करने देना – पहले जमाने में किसी को Punishment दिया जाता था, तो उसका पानी बंद कर दिया जाता था, यानि हुक्का-पानी बंद कर देना और ईश्वर की उपासना करने से मना कर दिया जाता था, यह एक सजा थी।

104. परिवार – परि का ही परिवार होता है, फिर उसमें War होता है, यही परिवार है।

105. परम्परा – Rum को पीने की ही परम्परा होती है।

106. Principal – Prince + पल = Prince को पालने के लिए जो उसके साथ हर पल रहे वह Principal होता है।

107. प्रेषित - Press + It = जिस प्रकार कपड़े पर बार-बार दबाव डाल कर उसे स्त्री से Press कर सीधा किया जाता है, फिर उसे पहन लिया जाता है। उसी प्रकार आदमी के पास बार-बार स्त्री को प्रेषित कर उस पर दबाव डाला जाता है, फिर जब वह सीधा हो जाता है, तो उससे काम लिया जाता है अगर काम न करे तो उसी स्त्री द्वारा बदनाम किया जाता, फिर उसका काम तमाम कर दिया जाता है।

108. Power - पाव + वर = जो पा जाता है वर को, वही वर तो Power में होता है। जब कोई देवता किसी को वर देता था, तो उस व्यक्ति में Power आ जाता था।

109. Pressure – Press + सुर = दबाव देवताओं द्वारा – सुर यानि

देवताओं के द्वारा किसी पर Pressure डलवाया जाता है, जिससे वह दूसरे की बात को मानने को तैयार हो जाता है और काम कर देता है। यही काम पूजा-पाठ में किया जाता है, कि उस देवता की पूजा की जाती है और वह देवता उस पर दबाव डालता है, और कार्य हो जाता है। इसीलिए दूसरों पर दबाव डलवाने के लिए,देवताओं को प्रसन्न कर सिद्ध किया जाता है,और आजकल के देवता यह मंत्री और नेता हैं, इसीलिए उनको भी प्रसन्न रखने का प्रयास किया जाता है, और उनसे करीबी बढ़ाई जाती है, फिर उनसे किसी दूसरे पर Pressure डलवा कर काम करवा लिया जाता है। यही Pressure है।

110. पक्षपात - पक्षी + पात = पक्षी अपनी बीट गिराने में पक्षपात करता है।

111. प्रकृति - पर + कृति = परमात्मा की कृति ही, प्रकृति है।

कृति - कर + ऋति = करे जो रीति के अनुसार, वह है कृति। रीति ही ऋतु है। ऋतु के अनुसार प्रकृति चलती है। ऋतु वह व्यवस्था है, जो परमात्मा के द्वारा बनाई गई है।

112. पर्याप्त - परि + आप्त = आप्त को जब, परि मिल जाती है, तब वह पर्याप्त हो जाता है। जैसे आप्त पुरुष विश्वामित्र को मेनका जैसी परि (अप्सरा) मिल गई।

113. Powerful - Power + फुल = फूल से ही Power आ जाती है, इसलिए Powerful हो जाता है। कोई जब Powerless हो जाता है, तब भगवान के पास केवल फूल लेकर जाता, और Powerful होकर वापस आता है।

114. पुस्तिका - पुष्टिका - जो प्रमाण को पुष्ट करे, वह पुष्टिका है, यानि पुस्तिका है। इसलिए कहा जाता है कि, दिखाओ जरा ऐसा किस पुस्तक में लिखा है ? या इस पुस्तक में ऐसा लिखा है।

115. पैरवी - पैर + We = किसी से पैरवी करवाने के लिए, उनके पैर छूने पड़ते हैं। तभी वह हमारी पैरवी, किसी के सामने करते हैं।

116. Poetry - पोए + Try = पोए खानेवाले अक्सर Poetry करते हैं। पोहा मध्यप्रदेश में ज्यादा खाया जाता है। मध्यप्रदेश से सबसे अधिक कवि आते हैं। यहाँ किसी के भी मुहँ से तुरंत कविता प्रस्फुटित होती है। इसलिए अगर कविता करनी है तो पोए जरूर Try कीजिए।

117. प्रश्न - जो परेशान होते हैं। वही प्रश्न करते हैं। प्रश्न किसी की परेशानी को बयां करते हैं। उत्तर - जो ऊपर से नीचे उतर आते हैं। ऊपर क्या है इसका उत्तर देते हैं।

118. पंक्ति - पंक (कीचड़) में ही पंक्ति बनती है। कीचड़ में जहाँ से पहला व्यक्ति निकलता है । बस उसी के पदचिन्हों पर दूसरे भी निकलते जाते हैं। और इसी से एक पंक्ति बन जाती है।

119. पद - पहले पद (पैर) से पद (Post) तय किया जाता था। इसलिए पद (चरण) की पूजा होती थी। इसीलिए अंगद ने अपने पैर जमा दिये थे। और तीर्थों में भगवान के पद चिन्ह दिखाए जाते हैं।

120. प्रतिपल - प्रति + पल = जो पल बीत गया, उसकी प्रति (Xerox), नहीं बनाई जा सकती है। यानी समय की Duplicate Copy नहीं बनाई जा सकती। जो समय इस पल बीत रहा है, उसको जाता रोक नहीं सकते, उसे दोहरा नहीं सकते। समय हर पल नया होता है। समय बासी नहीं होता। जो समय की प्रति बनाना चाहते हैं, वह समय के उस पल से चूक जाते हैं। फोटो उस पल को अपने में समा **लेता है।**

121. पागल - प + अगल = प का मतलब परमात्मा। अगल का मतलब है अ + गल = यानी जिसके बारे में कोई गल (बात) न कर पाये। क्योंकि परमात्मा अनिवर्चनीय है। तो जो परमात्मा को तो प्राप्त कर लेता है। परन्तु

परमात्मा के बारे में बात नहीं कर सकता है। वही पागल है।

122. Participate - Party + See + पेट = Party मैं गए व्यक्ति के पेट को देखने से पता चल जाएगा, कि उसने Party में Participate किया है कि नहीं।

123. पलड़ा - पल + अड़ा = जो पल भर के लिए अड़ा रहे। उसे पलड़ा कहते हैं। क्योंकि आप आँख की पलक पल भर में झपका लेते हो। आप नाड़ी पल-पल में चलती है। पलभर में आदमी की किस्मत पलट जाती है। आप पलड़े को पलभर से ज्यादा नहीं अड़ा सकते हो।

124. पंचायत - पञ्च + आयत = पाँच आयतों से जो चलता है, वह पंचायत है। आयत कुरान में होती हैं। यानि कुरान की कौन-सी पाँच आयतों से भारत में पंचायती व्यवस्था चलती थी। क्योंकि जो ग्राम होते थे वह गांव जो राम को मानने वाले हैं। ग + राम = ग्राम। भारत में किस प्रकार राम के गांव को आयत की व्यवस्था में ढाला गया। उसे नाम दिया गया "ग्राम पंचायत"।

125. प्रहरी - Pray + हरी = जो प्रार्थना करता है हरी की, हरी उसकी रक्षा प्रहरी बनकर करते हैं। क्योंकि हरी को भी प्रहरी बनना पड़ा था। बलि की रक्षा करने के लिए। और रक्षाबंधन के दिन ही प्रहरीपन से हरी की मुक्ति हुई थी।

126. पल्लव - पल + Love = पल भर का होता है Love. तभी तो कहते हैं - "पल भर के लिए कोई हमें प्यार कर ले, झूठा ही सही"।

127. प्रस्ताव - Press + ताव = जब Press (Iron) में ताव आ जाता है। तभी Iron को Press किया जाता है। और कपड़ा तय हो जाता है।

128. Parmanent - परम + अनंत = परम ही अनंत है। परमानंद - परम + आनंद = परम में ही आनंद है। आदमी जिन्दगी में Parmanent नौकरी या

काम चाहता है। और भगवान की भक्ति में भी परमानंद चाहता है। क्योंकि शरीर के पालन-पोषण के लिए Parmanent नौकरी से चिंता खत्म हो जाती है। आत्मा के पोषण के लिए परमात्मा का परमानंद चाहिए। यानि Parmanent या परमानंद दोनों ही व्यक्ति चाहता है। एक शरीर के लिए दूसरा आत्मा के लिए। गृहस्थी को Parmanent Job चाहिए। साधु को परमानंद परमात्मा चाहिए।

129. पंथ - पानी + थकान = जिस रास्ते पर आप थक जाएँ और उस रास्ते पर आपको पानी मिल जाए वही पंथ होता है।

130. Population – पप्पू + Less + अन्न = जब अन्न कम पढ़ने लगे तो समझो, Population बढ़ गई है।

-:-:-:-

Q

1. Queue - क्यूँ ? यहाँ क्यूँ खड़े हो ? यह कहते हुए वह भी वहाँ खड़ा हो गया। इस तरह हर आनेवाला यही पूछता की यहाँ क्यूँ खड़े हो। और उत्तर सुनकर खड़ा हो जाता। क्यूँ कहते-कहते एक लम्बी कतार लग गई। इसी लम्बी कतार का नाम क्यूँ ही कालान्तर में Queue बना। क्योंकि जब भी कोई पूछता क्यूँ यहाँ क्यूँ खड़े हो ? इस तरह से यह दो क्यूँ के बीच जो "यहाँ" नामक शब्द है। वह बीच से हट गया और क्यूँ में दो क्यूँ यानि "क्यू-क्यू" ही Queue कहा जाने लगा। यही Queue सही अर्थ है।

-:-:-:-

R

1. **रूआब -** रूह के आब से रूआब आता है। फिर आदमी में रुआब आता है और बड़े ही रोब में चलता है।
2. **रईस** - जिसके पास **Rice** होता है, वही रईस होता है। जिसके पास धान होता है, वही धनी होता है।
3. **राक्षस -** रक्ष + us = रक्षा करे जो हमारी। वह है राक्षस। कमजोर हमेशा ताकतवर को यह एहसास दिलाता है और विवश करता है कि ताकतवर को कमजोर की रक्षा करनी चाहिए।किंतु कमजोर कभी अपनी ताकत को बढा़ता नहीं है।
4. **राहु -** राह + उ = जो उल्टी राह पर ले जाए, वह राहु। इसलिए यात्रा से पहले राहुकाल देखते हैं। क्योंकि राहुकाल में यात्रा करने पर, उल्टी दिशा में यात्रा हो जाएगी। फिर यह गाना भी इसी पर बना है - जाना था जापान, पहुँच गए चीन।
5. **राजेश -** राज + ऐश = जिसका राज होता है, उसी की ऐश होती है। यानि जो राजा होता है, वही ऐश्वर्यशाली होता है। वही राजेश होता है।
6. **Rambo -** राम + Bow = राम का धनुष। Rambo ने पूरी फिल्म में एक धनुष का उपयोग किया है। वही धनुष को राम का धनुष बोला गया। यानि RAM BOW. इसिलए राम के धनुष का उपयोग करनेवाले का नाम पड़ा Rambo.
7. **Ridam – Rituals -** भारतीय व्यक्ति Ridam पर चलते थे और Rituals मनाते थे। Ridam = ऋद + दम = ऋतुओं का दम। Rituals = ऋतु के अनुसार चलने वाले।
8. **Road -** लोगों ने राह में रोड़े डाले और उन्होंने उस पर डामर डाल कर Road बना डाली। जो अब सभी के लिए राह का काम करती है।
9. **Range -** जहाँ तक आदमी की रंज होती है, वहीं तक उसकी Range

होती है।

10. Roast - रुष्ट (रुठा) होना ही Roast होता है। जैसे Roast होने पर होता है, उसी प्रकार रुष्ट होने पर, आदमी भूना हुआ हो जाता है।

11. Recipe - रसेदार (तरीवाली) चीजों को बनाने की विधि को Recipe कहते हैं।

12. Risk - रिक्स (भोजन) के लिए Risk उठाना पड़ता है।

13. राजनीति - ----> राजनीत ------> राज + नीयत = कोई किसी के राज जानना चाहता है। कोई किसी की नीयत जानना चाहता है।

14. Rubbish - रब + ईश को ही लोग Rubbish कहते हैं।

15. Random - रण में वही जाता है जिसमें दम होता है, तभी रण में जानेवाले का जब चुनाव किया जाता है वह Randomely किया जाता है।

16. Rituals - ऋतु + Aal = ऋतु के अनुसार जो किया जाए वह Rituals होता है। भारत में त्योहार ऋतु (मौसम) के अनुसार मनाए जाते हैं, वही Rituals होते हैं।

17. Religion - रैली में जाने वाले जन ,जहाँ हो वह Religion होता है।

18. Rumor - जब कोई Rum पीकर अपने अंदर छिपे राजों को कहने लगता है और सुननेवाला कहता है और फिर आगे क्या हुआ ? या और सुना ? और सुनानेवाला भी कहता है और सुन या और सुनाऊँ। यही Rumऔर ही Rumor है।

19. Radar - डार (डाली) पर रहना ही Radar है। रहता है डार (डाल) पर। पहले पेड़ की डाल पर चढ़कर ही किसी के आने का पता लगाते थे। जैसे लक्ष्मण ने भरत के आने का पता डाल पर चढ़कर लगाया था।

20. रसूखदार - जिसके पास ऊख का रस होता है, वही रसूखदार होता है। क्योंकि ऊख के रस से जो शराब बनती है वह बहुत पैसेवाला बना देती है।

21. **Receiver** – ऋषि + वर = ऋषि ही वर देते हैं, इसीलिए वह ऋषिवर कहलाते हैं।
22. **रोटी** – रो + ताती = रोटी तवे के ऊपर ताती (गर्म) होती है, तो उसको एक छोर से पकड़कर उल्टा-पल्टा जाता है, जब ऊँगली गर्म तवे पर लग जाती है तब वह रोती है। रोटी तवे पर Rotate की जाती है वह रोटी कहलाती है।
23. **रिश्वत** – ऋषि + वत = रिश्वत देकर रिश्ते बनाए जाते हैं। ऋषि वत चलना ही रिश्वत होती है। पहले जमाने में ऋषि लोग तपस्या करते थे, तो आम जनता उनके पास अपने काम बनाने के लिए आती थी, तो उनके लिए फल, दक्षिणा आदि लाती थी। बस यही फल दक्षिणा ही तो रिश्वरत है।
24. **Ring** – जब किसी को घेर लिया जाता है, तब उसे Ring पहनाई जाती है यानि अब वह फंस गया है यानि जब किसी को छला जाता है तो उसे छल्ला पहनाया जाता है।
25. **Racist** – राशि के अनुसार रहने वाले Racist कहलाते हैं।
26. **Routine** – रुटीन – ऋतु से ही Routine बनता है, जैसी ऋतु आती है, वैसा ही Routine होता है।
27. **Rocket** – रोकें कैसे यही Rocket है।
28. **रिश्वत** – रिश्ते रिश्वत से ही बनते हैं, रिश्तेदारों को रिश्वत नहीं दी तो वह रिश्ते नहीं रखते हैं।
29. **ढ़ृढ़** – रीढ़ ही ढ़ृढ़ है।
30. **रानी** – रान पर जो बैठे वह रानी है।
31. **रुतबा** – ऋतु के अनुसार सब अपना रुतबा दिखाते हैं।
32. **रुखसत** – सत के निकल जाने से सभी रुखसत कर जाते हैं।
33. **Roots** – जो ऋतु के अनुसार आते हैं, उन्हें Roots कहते हैं।
34. **Restaurant** – Rest + Rent = जहाँ पर Rest करते हैं Rent देकर वह

है Restaurant.

35. रम्भा – Rum + भा = Rum पीकर सब को जो भाये वह है रम्भा है।

36. Rule – Rule ही तो रुलाई करवाते हैं।

37. Root – रुत - ऋतु - पहले ऋतु के अनुसार रास्ते तय कर लेते थे। वर्षा के समय अलग रास्ते, गर्मी के अलग रास्ते, सर्दी के अलग रास्ते, उसे ही Root यानि रास्ता रहते हैं।

38. Ribbon – Rib + Bone = Rib और Bone को बाँधा जिससे जाता है वह है Ribbon.

39. Read – रीढ़ – भारत में व्यक्ति पढ़ने के समय रीढ़ को सीधे रखते थे, अंग्रजों ने रीढ़ की हड्डी सीधे रखने को ही पढ़ना कहा यही Read करना है। पढ़ते समय रीढ़ की हड्डी सीधी रहती है, इसीलिए पढ़ने को Read कहते हैं।

40. रिवायत – Rev + आयत = जो दुबारा बार-बार आती है, वही तो रिवायत है।

41. रुमाल – रुपये + माल = रुपया और माल जिसमें रखता है, उसे रुमाल कहते हैं।

42. रावण – र + वन = रहता है जो वन में वह है रावण।

43. Ration – राश + अन्न = राश या अन्न ही Ration है।

44. Rite – रीत – रीती-रिवाज ही संस्कार कहलाते हैं।

45. ऋतु – रीत – जब पृथ्वी घूमती है, तो जो उसके अन्दर होता है, वह ऋतु आने पर रीत (खाली हो) जाता है, यानि सर्दी आने पर सर्दी की चीजें रीत जाती यानि खाली हो जाती हैं, यही रीत ही तो ऋतु है।

46. Ruble – रुह + बल = रुह का बल ही Ruble है।

47. Rebel – Re + Bell = जो बार-बार घंटी बजाते हैं, वही तो Rebel करते

हैं, और Rebellion होते हैं। भारत के मंदिरों में तो कई बार घंटियाँ बजती हैं। वह मंदिर में देवता के सामने लगी घंटी बजाते हैं, और अपनी बात कहते हैं।

48. **Rhyme** – राईम – अंग्रेज जब भारत में आये तो उन्होंने राई नृत्य में गाया जानेवाला तुकबंद वाला गाना सुना, उसी को उन्होंने **Rhyme** कहा, यानि की रहायी मिल गई, यही फिर **Rhyming** हो गया।
49. **Regmall** – माल को रगडकर निकालने वाले को **Regmall** कहते हैं।
50. **रूसी** – ऋषि को ही रूसी होती है, ऋषि लोग जटा रखते हैं, बाल कभी धोते नहीं हैं, उनकी जटा में रूसी हो जाती है।
51. **Regular** – मनुष्य गू जाने का कार्य ही **Regular** करता है।
52. **Rank** – र + अंक = रंक के अंक होते हैं, राजाओं के कोई **Rank** नहीं होते हैं, क्योंकि उनके कोई अंक नहीं होते, क्योंकि किसी राजा को आँका नहीं जा सकता है।
53. **Ridicules** – Red + कुल = जो कुल रक्तपात करते हैं, वह Ridicules कहते हैं।
54. **Russia** – रसिया – ऋषियों का देश ही Russia है।
55. **रजनीश** - रजनी + ईश = रात का जो ईश्वर है उसे रजनीश कहते हैं।
56. **Repeat** – Re + पीट = जो आपको हाथ से नहीं मार सकते, वह बात को Repeat करके, आपको बार-बार आपके दिमाग में, चोट करते हैं।

S

1. **Surname -** सरनेम को अगर हम सुरनाम पढ़ें। संतान की प्राप्ति सुर (देवता) के वरदान से होने पर उन देवता के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए सुर का नाम संतान के नाम के साथ लगाया जाता था। यही सुरनेम कालान्तर में Surname हो गया।
2. **सरहद** - सर + Head = सर ही Head है। राज व्यवस्था के समय राज्य की सीमा पर शत्रु पक्ष के सैनिकों के सिरों से दीवार बनाई जाती थी। यह सीमा की दीवार सर से बनी होती थी, इसलिए इसे सरहद कहते थे। जब भी कोई बात हद से ज्यादा हो जाती है, तो उस समय कहते हैं, बात सर के ऊपर से निकल गई। या फिर कहते हैं, पानी सर तक आ गया है। यानि सर को सीमा माना गया है, इसलिए कहते हैं, हद कर दी आपने। सर और Head एक ही हैं, इसलिए सरहद है।
3. **संस्कृति** - Sons (पुत्रों) के लिए जो कृत की जाए, वह संस्कृति है। हर पिता अपने पुत्रों के लिए जो भी कृत करता है, वह संस्कृति कहलाती है।
4. **System -** साईस + टीम = साईस लोग घर के बाहर या होटल के बाहर अपनी घोड़ागाड़ी लेकर खड़े रहते थे। वही एक System बनाते थे।
5. **Shower** – भारत में शव को जलाने के बाद जो स्नान किया जाता है, उसे Shower कहते हैं। शव जलाने का स्थान नदी किनारे होता है।
6. **शकरकंद -** शक्कर + कंद = शक्कर बनती है जिस कंद से, उसे कहते हैं शकरकंद। दुनियाभर में शकरकंद की शक्कर बनती है। केवल भारत में शक्कर गन्ने की बनती है। शकरकंद से बननेवाली शक्कर सेहत के लिए फायदेमंद होती है। गन्ने से बननेवाली शक्कर सेहत के लिए हानिकारक होती है। शकरकंद को ही Sugar Candy (शक्करकंदी) बोलते हैं।
7. **सत्य -** सत + त्य = सत (परमात्मा) जो त्य करता है, वह सत्य है।
8. **सखा-खास -** जो खास होते हैं वही सखा होते हैं। जैसे श्रीकृष्ण के लिए

सुदामा खास थे, इसलिए उनके सखा थे।

9. **सखी-खीस** - जो सखी होती है, वही खीसे (जेब) में हाथ डाल सकती है। पत्नी ही पति की सखी होती है, जो पति के खीसे में अपना हाथ डालने का हक रखती है।

10. **शिलान्यास** - शिला + न्यास = शिला पर न्यास (Trust) करना ही शिलान्यास कहलाता है। भगवान राम ने शिला रूपी अहिल्या पर Trust (विश्वास) किया। यही पहला शिलान्यास था। तबसे शिला पर कुछ न कुछ लिखा जाने लगा। उस लिखे पर ही विश्वास करना और उसे सच मानना ही पड़ता है। इसलिए कहते हैं पत्थर की लकीर है। इतिहासकार भी इन्हीं शिलालेख को पढ़कर, उन पर Trust करके उससे इतिहास लिखते हैं। जिस पर हम पढ़नेवाले भी Trust करते हैं। यही शिलान्यास है।

11. **स्वर्ण** - स्व ÷ Earn = स्वयं के द्वारा जो Earn करता है। उसके लिए वही स्वर्ण होता है। खुद की मेहनत से जो कमाता है, उसके लिए वही सोना, उसी से वही चैन से सोता है।

12. **श्री १०८** - कहीं पर भी कभी भी लोग अक्सर एक प्रश्न करते हैं कि "यह आप लोग श्री 108 क्यों लगाते हो ?" आज इसका उत्तर सामने आया सो बता रहा हूँ –

“ श्री 108 “

नवरात्रि में 9 दिन

एक दिन में 24 घण्टे

एक रात्रि 12 घण्टे की

9 दिन और 12 घण्टे को गुणा करने पर 9 X 12 = 108 यह आता है।

यह है 108 का रहस्य।

न ो ंवे दिन लक्ष्मी जी की पूजा होती है। लक्ष्मी जी यानि “श्री” यानि 12

घण्टे रात्रि का पूजन 9 दिन तक करने से श्री यानि लक्ष्मी की प्राप्ति होती है। इसलिए जिसके पास लक्ष्मी होती है उसको श्रीमंत या श्रीमान् कहते हैं। यानि श्रीमंत का मतलब की जिसके पास लक्ष्मी यानि धन होगा उसी की बात मानी जाएगी।

श्रीमंत - श्री + मंत = यानि जैसे जिसके पास धन होता है और वह दुकानदार को धन देता है। दुकानदार उसकी बात मानता है और उसे ही वस्तु प्रदान करता है। उसी प्रकार श्रीमान् - श्री + मान् = यानि जिसके पास श्री यानि धन होता है उसी को मान मिलता है। तो यह श्री 108 दोनो के लिए लगाया जाता है यानि बात भी मानी जाती है और मान् भी दिया जाता है। इसलिए यह श्री 108 सम्मानपूर्वक लगाया जाता है। यानि सम्मान का प्रतीक है। F M Radio की Frequency 108 पर पूर्ण हो जाती है, और Thermameter की आखिरी गणना भी 108 तक होती है, उससे आगे नहीं जाती है। संत-महात्मा श्री 108 अपने नाम के आगे लगाते हैं।

13. संत – Sun + अंत = Sun (सूर्य) का जब अंत हो जाता है, तब संत काम आते हैं। सूर्य का अंत यानि सूर्य के डूब जाने पर अंधेरा छा जाता है, व्यक्ति डर जाता है। काम बंद कर देता है, यात्रा बंद कर देता है, भोजन बंद कर देता है, उसका दिमाग सो जाता है, शरीर थक जाता है। ऐसे ही व्यक्ति के जीवन का सूर्य जब बंद हो जाता है। यानि व्यक्ति के जीवन में जब अंधेरा हो जाता है। सब काम बंद हो जाते हैं, वह घोर निराशा में चला जाता है। उसे सहारा देने वाला कोई नहीं होता, तब उसके जीवन में संत का आगमन होता, संत के प्रकाश में वह रास्ता पाता है। अपने काम करता है। संत उसके घोर संकट के समय में काम आते हैं। उसकी मदद करते हैं। यही काम संतों का है। इसलिए संत साधना और तपस्या कर के अपना तेज बड़ाते रहते हैं ताकि वह किसी राह भटके को रास्ता दिखा सके। उसकी

साधना से किसी का जीवन संवर जाए। इसलिए संत जो हैं वह त्यागी होते हैं वह अपनी इच्छाओं को छोड़कर दूसरों की इच्छाओं की पूर्ति के लिए अपना सब त्याग कर देते हैं। यही संत होते हैं जो जीवन के अंधेरे में उजाला बन कर मार्ग प्रशस्त कराते हैं। इसलिए जब सूरज डूबता है तो उसका रंग संत के चोले के रंग की तरह होता है। यानि उसका यही संकेत होता है कि अब मैं जा रहा हूँ और अब मेरे स्थान पर संत रंग धारी कपड़े पहने हुए संत आपको आगे का मार्ग दिखायेगें। जैसे रात्रि को चन्द्रमा मार्ग दिखलाता है, दिया मार्ग दिखलाता है। उसी प्रकार जीवन के अंधकार में संत मार्ग दिखाते हैं।

14. **शुद्धि-उपास्य** - उपासना करने से शुद्धि हो जाती है। शुद्ध होने से वह ऊपर के आसन पर बैठ जाता है। बाल्मीकि ने उपासना की और शुद्ध हो गए। डाकू के आसन से ऊपर उठकर महर्षि के आसन पर बैठ गए।

15. **सुष्मना** – सु-सु + मना = सु-सु कर लेना चाहिए, मन को शांत करने के लिए। सुष्मना वह नाड़ी है जो हृदय से जुड़ी है और हृदय पर जोर पड़ने पर सु-सु (पेशाब) कर लेनी चाहिए।

16. **संस्कार** – Sons + कार (कार्य) = दो ही तरह से Sons (पुत्रों) को संस्कार दिये जाते हैं। एक Car देकर और दूसरा कार्य देकर।

17. **सुकड़ना -** सु-सु (पेशाब) आने पर सुकड़ना पड़ता है। पेशाब आने पर आदमी सुकुड़-सुकुड़ कर चलता है।

18. **शराफत -** सर + आफत = सर पर आफत आने पर शराफत आ जाती है।

19. **Slogan -** Slow + गण = Slow गण लोगों को तेज करने के लिए Slogan बनाए जाते हैं। जिससे उनमें तेजी आए।

20. **Suffering -** सफर या Ring यह दोनों ही मनुष्य को Suffering में डालते हैं। यानि चक्कर मे फसना या सफर मे चलना। दोनों ही कष्टदायक

होता है।

21. **सुरक्षा -** Shoe + रक्षा = Shoe (जूते) मनुष्य की रक्षा करते हैं। कांटे से, कंकड़ से, धूप से, धूल से।

22. **शुभ -** किसी के जूते दिखना ही शुभ होता है। इसलिए फिल्म अभिनेता राजकुमार के जूते पहले दिखाए जाते थे।

23. **शेख -** गुरु नानक देव जी मक्का गये थे। वहाँ उन्होंने शिष्य बनाए, जो आज शेख कहलाते हैं। क्योंकि शिष्य ही से सिख बना और सिख से शेख बना।

24. **समन्वय -** स + मन + वय = जो मन है और जो वय (शरीर) है उनका एक होना ही समन्वय है।

25. **संताप** - Sun + ताप = Sun (सूर्य) कह लो, चाहे ताप (तापमान) कह लो एक ही बात है। क्योंकि Sun में ही ताप है और ताप ही सूर्य है।

26. **तापमान** - जिसमें ताप होता है, उसी का मान किया जाता है। इसलिए सूर्य के ताप का मान किया जाता है।

27. **शिकस्त -** Sick + अस्त = Sick यानि बीमार हो जाना और अस्त यानि ढल जाना - इन्हीं दो वजहों से आदमी शिकस्त पाता है।

28. **संतोष -** संत + ओष = संत और ओष का स्वभाव एक जैसा होता है। पवित्र और निर्मल। ओष अलिप्त रहती है और संत भी।

29. **Status -** Stay + टस = Stay Order ले लेना। टस से मस न होना। इन दोनों से ही किसी का Status बनता है।

30. **Samsung -** साम (सामवेद) को ही Sung किया किया जाता है। सामवेद को ही गाया जाता है।

31. **समीचीनम् -** चीन में बनी हर वस्तु समीचीनम् होती है।

32. **सिफारिश** - सिफर + रिश = सिफर पाने वाले रिश्तेदार ही सिफारिश

करवाते हैं।

33. **स्वास्तिक** - स्व + आस + तिक = व्यक्ति को स्वयं की आस पर टिक कर रहना चाहिए। यानि व्यक्ति को स्वयं पर विश्वास बनाए रखना चाहिए। यही स्वास्तिक का अर्थ है।
34. **Separate** - Shape + Rate = Separate दो ही प्रकार से किया जाता है। या तो किसी को Shape देकर या किसी को Rate देकर।
35. **सलीका** - साली के सामने आने पर, हर कोई सलीकेदार हो जाता है।
36. **साँच को आँच नहीं** - साँचे को आँच नहीं लगती क्योंकि ईंट का साँचा आग में नहीं डाला जाता है। साँचा न जाने कितनी ईंटों को ढाल जाता है, अगर साँचे को आग में डालेंगे, तो फिर नई ईंट नहीं ढाल पाएँगे।
37. **सलाह** - साला + आह (बात) = सलाह केवल साले की मानी जाती है। और किसी की नहीं। तभी आदमी कहता है, अरे साले साहब कोई सलाह तो दीजिए।
38. **सौभाग्यवती भव** - गांधारी ही केवल सौभाग्यवती थी। उसके ही भाग्य में सौ पुत्र थे।
39. **Spice** - अंग्रेज ने भारत में भोजन किया। भोजन ज्यादा मसाले वाला था। अंग्रेज बोला सि-सिप-Ice. यानि जल रहा है, ठंडक के लिए Ice दो। तब से मसाले को अंग्रेजी में Spice कहने लगे।
40. **सत्यम् शिवम् सुन्दरम्** - यम (मृत्यु) ही सत्य है। मृत्यु को जीतनेवाला ही शिव (मृत्युञ्जय) है। मृत्यु के बारे में सुनकर (सन्दरम्) सबको डर लगता है, कि तेरे दरवाजे पर मौत खड़ी है।
41. **Sauce** - सास ने बहु से Sauce बनवाई, बहु चटनी पीस लाई, चट-चट कर सास ने चटनी खाई, बहु का नमक-मिर्च का हिसाब जान पाई।
42. **संस्कृति** - संस्कृति - Sons (पुत्रों) के लिए जो कृत की जाए, वह संस्कृति

है। हर पिता अपने पुत्रों के लिए जो भी कृत करता है, वह संस्कृति कहलाती है।

43. **Smell** - शरीर के मैल की ही तो Smell है, उसी मैल से Smell आती है।

44. **श्रद्धाञ्जली** - श्रद्धाञ्जली- जब भी व्यक्ति किसी के पास कुछ माँगने जाता है, तो वह श्रद्धा एवं अञ्जुली लेकर जाता है। श्रद्धा यानि सुनकर धारण करना। किसी के प्रति श्रद्धा उसके बारे में सुनकर बनती है। एक बार किसी के बारे सुनकर जो श्रद्धा बन गई, वही धारणा बन जाती है, जो फिर लाख कोशिशों के बाद भी नहीं बदलती है। जिस प्रकार नदी की धार एक बार जो मार्ग धारण कर लेती वह कभी-भी नहीं बदली जा सकती है। यही श्रद्धा है।

अञ्जुली यानि दोनों हाथों को जोड़कर वह इस तरह कर लेगा कि इसमें अन्न और जल आ जाए और गिर न पाए।

45. **शनि** - शनि यानि निशा। जिस प्रकार निशा में कुछ नहीं सूझता, उसी प्रकार शनि की दशा में कुछ नहीं सूझता।

46. **Stair** - सताने के लिए Stair होता है। यानि किसी के सत्य को उसी के सामने बताना ही तो Stair है।

47. **System** - साईस + टीम = साईस लोग घर के बाहर या होटल के बाहर अपनी घोड़ागाड़ी लेकर खड़े रहते थे। वही एक System बनाते थे। इसे System कहते हैं।

48. **संतुलन** - Son से जब तुलना हो तो पिता को संतुलन बनाना बड़ा भारी पड़ता है। यदि पिता उस समय संतुलन बना ले, तो यह संतुलन उसे संत बना देता है। बहुत मुश्किल है अपने से अपने पुत्र की तुलना को झेलना, सहना और संतुलन बना कर रखना।

49. **सफेद** – स + Fed = जो Fed हो जाए वही सफेद है।

50. **सुकून** - सु-सु (पेशाब) कर लेने पर ही सुकून आता है। पेशाब कर लेने पर कुन-कुना (गर्म) पानी बाहर निकल जाता है, आदमी ठण्डा हो जाता है, उसका दिमाग और दिल सुकून पाता है।

51. **सितम** - सीता पर सितम इतना ढाया, कि सितम भी सीता के नाम से सितम कहलाया।

52. **सम्मोहन** - सम्मोहन वो चीज़ है, जब किसी के कोई सम हो जाता है यानी की बराबर हो जाता है, और फिर उससे उसे मोह हो जाता है, उस मोह में उसको हन किया जाता है, वह है सम्मोहन।

53. **श्रावण** - श्राव अणुओं का होता है जब अणु का श्राव होता है, उसे कहते हैं श्रावण। श्रावण में अणुओं का श्राव होता है। यह अणु बाद में अलग-अलग जीव जन्तु, पेड़-पोधे, मनुष्य, पशु, पक्षी, के रूप में जन्म लेते हैं। श्रावण में पृथिवी का गर्भ खुल जाता है और परमात्मा के अणु पृथ्वी के गर्भ में गर्भ धारण करते हैं।

54. **Shoes** – सूज – पहले लोग बिना जूता-चप्पल के चलते थे, तो उनके पैर में काँटा लगने से वह सूज जाता था, तो पैर में काँटा न लगे, और वह न सूजे, इसीलिए फिर उन्होंने Shoes पहनने शुरु किये।

55. **Strategy** - स्त्री का जी जो तय करता है, वह है Strategy.

56. **Sea** - राम जब समुद्र किनारे माता सीता को ढूँढते थे। तो कहते थे, सिया-सिया, वही सिया ही Sea है। जिसको उच्चारण करने पर सिया आता है।

57. **Search** – Sea + अर्च = सिया को ढूँढने के लिए जो अर्चना की गई, वही Search है।

58. **संकोच** - अपने Son का Coach बनने में सभी को संकोच होता है। इसलिए सभी अपने Son को पढ़ाने के लिए एक Coach को रख लेते हैं।

59. **शेरवानी** - शेर की खाल से बने वस्त्र को शेरवानी कहते हैं।

60. Stop - Top पर पहुँचते ही Stop हो जाना चाहिए। नहीं तो आगे गिरने का खतरा रहता है।

61. Sea – सिया – राम ने सिया-सिया कहकर सीता को समुद्र किनारे पुकारा वही समुद्र Sea नाम से जाना गया।

62. सितारे - सीता ने अशोक-वाटिका में बैठे-बैठे जो तारे गिने, वह सितारे हो गए।

63. Sauce - बहू जब शादी करके घर आती है। तो सास बहू से Sauce (चटनी) बनवाती है। उसी बनी हुई चटनी से सास बहू को परख लेती थी कि कितना नमक-मिर्च डालती है बहू।

64. सौगंध - गान्धारी के सौ पुत्रों की गंध। गान्धारी ही है जो सौगन्ध ले सकती है, क्योंकि वही है जो सौ पुत्रों की गन्ध ले सकती है और गन्ध से ही अपने पुत्रों को पहचानती है।

65. सीमांकन – सीमा + अंकन = सीमा का ही अंकन किया जाता है।

66. सन्तरी – Sun + तरी = Sun ही तो सन्तरी है, यानि सूर्य ही सबसे बड़ा सन्तरी है। रात को जब सूर्य डूब जाता है तो सन्त ही सन्तरी का काम करते हैं।

67. Serial – जो Real है, वही Serial है। यानि जो Real है वही लगातार जारी रहता है।

68. सञ्चय – Son + चय = Son यानि पुत्र के लिए व्यक्ति हर वस्तु चयन-चयन करके सञ्चय करता है। यानि पिता अपने पुत्र के लिए ही वस्तुओं का सञ्चय करता है।

69. शब्द – शरीर + बद = शरीर को बंद करने के लिए शब्द है, यानि किसी के शरीर को रोकने के लिए एक नाम दिया जाता है, जिसे शब्द कहते हैं, वह शब्द सुनते ही उसका शरीर रुक जाता है, अतः यही शब्द है।

70. **Sorrow** – सोर + Row = सोर और Row दोनों में ही दुःख होता है। सोर यानि जब स्त्री बच्चे को जन्म देती है तो उसे सोर कहते हैं। उसके दर्द में दुःख होता है। Row में यानि पंक्ति में खड़े व्यक्ति को भी खड़े-खड़े दर्द होता जिससे उसको दुःख होता है।

71. **Spider** – Spy + डर = Spy का डर सभी को होता है। जब किसी के घर में Spy करना हो तो Spider को छोड़ दिया जाता है। Spider फिर उस घर में Spy करता है, इसलिए Spider से सभी को डर लगता है। आपके यहाँ पर Spy यानि जासूसी हुई है, इसका पता भी Spider (मकड़ी) से चलता है। मकड़ी का जाला अगर टूटा हुआ हो तो किसीने आपके यहाँ पर जासूसी की है। क्योंकि जासूसी अक्सर झरोकों से की जाती है, और झरोकों पर मकड़ी जाला बनाती है।

72. **Soldier** – Sold + डर = Sold कर देता है जो अपने डर को वह है Soldier. पहले जमाने में गुलाम ही Soldier होते थे। जो अपने डर से अपने आप को बेच देता है, उनको खरीदा जाता था और उनके परिवार वालों को पैसे दिये जाते थे।

73. **सरहद** – सर + हद = सरों को काटकर उनसे बनाई गई हद ही सरहद है।

74. **Sonography** – सोनोग्राफी – सोने (Gold) को पता करने के लिए Sonogrphy की जाती है। जब लंका को जीतने के बाद सभी लोग वापस जा रहे थे। तब सभी की Sonogrphy की गई कि कोई पेट के अन्दर सोना छिपा कर तो नहीं ले जा रहा है, क्योंकि पूरी लंका सोने की थी। और चारों तरफ सोना ही सोना था। भारत के लोग सोने के प्रति बहुत ही लालच से भरे रहते हैं।

75. **संन्ध्या** – Sun + ध्या = Sun (सूर्य) का ध्यान करना ही संन्ध्या है। शाम को जब सूरज डूब जाता है, आदमी ध्यान लगाता है, कि सूर्य कहाँ गया।

76. सवार – जो War के लिए जाते हैं, वही सवार होते हैं।

77. श्रृंग – सिर + Ring = जानवरों के सिर पर जो सींग होते हैं, वह कभी-कभी पूरे घुमावदार गोल घेरे के रूप में होते हैं, तो उन्हें देखकर लगता है कि वह सिर पर Ring की तरह हैं, बस वही श्रृंग है।

78. श्रृंखला – सिर + Ring + खला = ऐसे ही जब सिर के Ring के बीच खाली स्थान होता है, उसे श्रृंखला कहते हैं।

79. Stereotype – स्त्रियों + Type = स्त्रियों के जैसा ही तो Stereotype होता है। स्त्रियाँ ही Typing करती है, और कहानियाँ सुनाती है।

80. सुराही – सुर + राही = सुर (देवता) और राही यह दो लोग ही सुराही रखते हैं।

81. स्वाद – स्वंय के वाद का ही स्वाद आता है।

82. Strict – स्त्री ही Strict होती है।

83. सम्पन्न – Sum + पानी = जो पानी को जोड़-जोड़कर रखता है, वही सम्पन्न होता है।

84. Skin – सिकी + न = जो सिकी नहीं वही Skin है।

85. सूचना – सु-सु + चना = सु-सु करके और चना देकर ही किसी को सूचना दी जाती है।

86. स्वछन्द – स्वयं का छन्द ही स्वछन्द है।

87. स्वादिष्ट – स्वाद + East = स्वाद ही ईष्ट है जिनका यानि East (पूर्व) में रहने वाले लोग स्वादिष्ट भोजन करते हैं।

88. साधारण – साधा + रण = जिसने रण को साध लिया है, वह साधारण है।

89. Service – Sir + Vice = Vice लोगों को Sir कहा जाता है, और Sir लोगों की ही Service की जाती है, यानि उनके गिलास में Ice डालकर, अंग्रेज लोग शराब पीते हैं, और उनकी Service करने वाले उनके पूछते

हैं, कि Sir With Ice Or Without Ice.

90. **संभाल** – भाल (माथे) को संभाल को कर रखना चाहिए।

91. **सुराग** – सुर + आग = सुर और आग से ही सुराग पता चल जाता है।

92. **शान** – नशा करने वाले शान दिखाते हैं। अक्सर व्यक्ति शान दिखाने के लिए नशा करते हैं।

93. **सौदा** – पहले लोग सौदा करते थे तो उसे मनाने के लिए Soda पीते थे।

94. **Shoalin** – श्व + लीन = श्व ही लीन होना होता है, यानि जहाँ श्व लीन होते हैं, वह Shaolin.

95. **स्वीकार** – Car को हर कोई स्वीकार कर लेता है।

96. **सदा** – जो दास बनकर रहता है, वह सदा रहता है।

97. **सितार** – सीता + तार = सीता ने तार बजाया, उसे सितार कहते हैं।

98. **सताया** – सत से ही किसी को सताया जाता है।

99. **श्लोक** – लोक में ही श्लोक चलते हैं यानि जो आम लोग गाते हैं, वह श्वोक कहलाते हैं।

100. **School** – स + चूल = जहाँ पर चूल्हे की पढ़ाई होती है, उसे School कहते हैं।

101. **सचेत** – सच से ही किसी को सचेत किया जाता है।

102. **Suggestion** – स्त्रियाँ अक्सर पूँछती हैं कि वह कैसे सजे ? यानि सजने के लिए हर कोई Suggestion माँगता है।

103. **शिकन** – जब कोई शिक जाता है, तो उसके कान-गाल लाल हो जाते हैं, फिर जब वह सूखते हैं, तो उन पर पपड़ी जैसी सिकुड़न आ जाती है, यही है शिकन पड़ना। उसे ही Skin कहते हैं, Skin पर ही सिकन आती है।

104. **सुबह** – सु + बह = सु-सु- बहती है सुबह, यानि प्रातःकाल ही सु-सु लगती है।

105. शहनशाह – सहन + शाह = सहन कर लेते हैं जो सब कुछ, वही तो कहलाते हैं शहनशाह।

106. Skull – शक्ल – जब कोई व्यक्ति दीन-हीन हालत में मिलता है, तो कहते हैं कि यह क्या शक्ल बना रखी है, यानि उसकी चेहरे की सारी हड्डियाँ दिखाई दे रही हैं, बस उसी शक्ल को अंग्रेजों ने Skull कह दिया है। फिर उसी Skull पर ही किसी की शक्ल बनाई जाती है।

107. सत्य – सत + त्य = सत यानि परमात्मा जो तय करता है, वह है सत्य।

108. संजय – Son + जय = अपने Son (पुत्र) की जय हर होई सुनना चाहता है, इसीलिए धृतराष्ट्र ने संजय को रखा की वह मेरे पुत्र दूर्योधन की जय सुनाये।

109. Socket – शोख लेते हैं जो वह हैं Socket. Socket में जब Plug को को लगाते हैं तो वह उसमें से बिजली को सोख लेता है।

110. Switch – स + विच = जो दोनों के बीच होता है, वह है Switch.

111. क्षुधा – सुधा – क्षुधा ही सुधा है, सुधा ही अमृत है, यानि जो मरे न वह अमृत है, और क्षुधा यानि भूख कभी मरती नहीं, मार देती है।

112. श्वान – श्व + अन्न = श्व को अन्न के रूप में खानेवाला ही श्वान होता है, तभी तो कहते हैं, तेरे शरीर को कुत्ते नोंच कर खा जाएगें।

113. सर्वेक्षण – Survey ही सर्वेक्षण है।

114. संस्था – Sons को स्थायी करने के लिए संस्था बनाई जाती है।

115. स्वर्ग – स्वयं के वर्ग में रहना ही स्वर्ग होता है।

116. शुद्ध – सु-सु (पेशाब) करनेवाला अन्दर से शुद्ध हो जाता है, Shoe पहननेवाला बाहर से शुद्ध रहता है।

117. सहारा – हारे को सहारा चाहिए।

118. सहारा – सह + आरा = लकड़ी को काटने के लिए आरा चलाने के लिए

सहारा चाहिए, अकेले आरा नहीं चलता है।

119. Suddenly – किसी चीज के सड़ने की बदबू Suddenly ही आती है।

120. Ship – समुद्र से सीप को ढूंढ़ने के लिए ही Ship बनाते हैं।

121. साबुन – बुनी हुए कपड़े से बु न आये इसीलिए साबुन लगाया जाता है।

122. Syndrome – Sin + डर = Sin का डर ही Syndrome बनाता है।

123. Scarf – Scar को छिपाने के लिए ही Scarf पहना जाता है।

124. सिकोड़ना – Sick + कोड़ = Sick (बीमार) और कोड़ी लोगों को देखकर नाक-भों सिकोड़ते हैं।

125. Sandal – सैन्डल – पहले खडाऊँ पहनी जाती थी, जो कि चन्दन की बनी होती थी, इसीलिए उसे Sandal कहते हैं।

126. शैतान – शय + तान = जिसको पीकर आदमी तानकर सो जाता है, उसे शैतान कहते हैं, इस्लाम में शराब को शैतान कहते हैं, जिसे पीकर आदमी नशे में आकर सो जाता है।

127. सन्देश – Son + देश = Son की मिट्टी की खुशबू ही उसी के लिए सन्देश होती है।

128. स्वर्ण अक्षर में इतिहास – जो स्वर्ण देते हैं, उनका इतिहास ही स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाता है।

129. Storage – Store + Age = Store वाले के पास या Age वाले के पास ही चीजों Storage रहती हैं।

130. Smart – स्मार्त ही तो Smart होते हैं। जो लोग Smart होते हैं, उनकी स्मृति बहुत अच्छी होती है।

131. सड़ान्ध – सड़ + अंध = सड़े हुए का पता केवल अंधे आदमी को ही चलता है, कि वहाँ सड़ान्ध है।

132. शान्ति – वाह इनकी क्या शान थी। अब नहीं है, अब बड़ी शान्ति है।

किसी की शान देखकर हर कोई ईर्ष्या करने लग जाता है, जब उसकी शान चली जाती है, तब उसे शान्ति मिलती है।

133. Shield – आदमी जब कमजोर हो जाता है, तो वह औरत को Shield बना लेता है।

134. शागिर्द – सह + गिर्द = सह (साथ-साथ) चले जो और इर्द-गिर्द रहे, वह है शागिर्द।

135. सरमिन्दा – सर + Mind = सर या Mind में रखते हैं, जो वह है सरमिन्दा।

136. संरचना – Sun + रच + ना = Sun (सूर्य) दे द्वारा जिसको न रचा गया वही तो है संरचना, क्योंकि उसे आदमी ने रचा है।

137. स्मृति – स्म + मृत = ऋतु आने पर हर चीज अपने आप स्मृत हो जाती है, कि पिछली बारिस में यह हुआ था, सर्दी में यह हुआ था, और किसी के मरने पर उसकी हर चीजें याद आ जाती हैं, कि वह ऐसा था, उसने ऐसा किया था।

138. समाधान – समा + धान = समा के चावल या धान लेकर के आओ दोनों ही समाधान है।

139. सदमा – Sad + दमा = Sad (दुःख) होने पर दमा हो जाता है और व्यक्ति सदमे में चला जाता है।

140. सिफारिश – परीक्षा में सिफर (शून्य) पानेवाले ही सिफारिश करवाते हैं।

141. Stardom – Star + दम = किसी के सितारों का दम ही, उसे Stardom देता है।

142. सहस्त्र – स + हस + त्र = यानि तीन लोगों का हंसना ही सहस्त्र होता है।

143. सैलाब – Sale + आब = Sale और आब में ही सैलाब उमड़ता है। जब कही Sale लगी हो या फिर नदी में आब (बाढ़) आयी हो, वही

सैलाब है।

144. शाबास – साब + Boss = साब या Boss ही शाबास कहते हैं, यानि शाबादी देते हैं।

145. Such – सच ही तो Such है।

146. Snow – सनो – देखो कैसौ माटी में सनो है, तो अंग्रेजों ने बर्फ से सने व्यक्ति को भी Snow Man कहना शुरु किया और गिरती बर्फ को Snow.

147. Science – साईं + अंश = साईं (भगवान) का अंश ही Science है। यानि भगवान की सृष्टि के थोड़े से अंश के रहस्य जब हम जान जाते हैं तो उसे Science कहते हैं यानि साईँ (भगवान) का अंश कहते हैं।

148. शत्रु – शरीर + True = जो आपके शरीर के बारे में True (सत्य) कह दे वही तो शत्रु है, यानि सत्य ही शत्रु है, इसीलिए हर आदमी सत्य को छुपाकर रखता है, कि सच बाहर नहीं आना चाहिए।

149. Sketch – शरीर + कीच = शरीर जब कीचड़ में चला जाता है, तब फिर उसके सूखने के बाद जो आदमी दिखाई देता है, उसका चित्र नहीं Sketch ही बनता है।

150. Suspense – सु-सु + Pense = परीक्षा के समय जो बार-बार सु-सु जाए या फिर बार-बार Pen बदले लिखने के लिए उसमें समझो कोई न कोई Suspense है।

151. शक्कर – शक + कर = शक करने वाले पड़ौसी ही शक्कर माँगने आते हैं।

152. सजा – गरीब आदमी को जब सजा देनी होती है, तो पूरे बाजार को सजा दिया जाता है, और वह सोच भी नहीं पाता क्या खरीदें क्या नहीं ?

153. Sick – सिक – जब किसी की सिकाई की जाती है तो गर्म तवे पर कपड़े

को पहले सेक लिया जाता है, फिर उससे सिकाई की जाती है, उसमें जो गरमाहट होती है, उसी गर्माहट को देखकर बुखार आने पर जो शरीर गर्म होता है, तो अंग्रेजों ने उसे Sick कहा यानि शरीर गर्म है।

154. सफर – फर (पंख) से ही सफर तय किया जाता है।

155. Seeker – सीख + कर = जो सीख कर कार्य करते हैं वही Seeker कहलाते हैं।

156. सिन्धु – Sin + धु = Sin (पाप) जिसमें धुल जाएँ वही सिन्धु है। पहले लोग सिन्धु नदी में पाप धोते थे, फिर जब गंगा आ गई तो गंगा में पाप धोने लगे।

157. स्वपन – स्व + पन = पानी पीकर सोने से स्वपन आते हैं। यानि जब वह पानी पी कर सोता है तो पानी ही आईने की तरह उसके अन्दर हो जाता है, और उसके स्व में क्या चल रहा है ? यह उसको उस पानी में दिखाई देता, बस यही स्वपन (सपने) कहलाते हैं। इसीलिए पानी पीकर नहीं सोना चाहिए और पेशाब कर के सोना चाहिए।

158. संदीप – Sun + दीप = Sun (सूर्य) जब डूब जाता है, तो दीप ही रात को उजाला देता है। इसी प्रकार Son + दीप = यानि किसी का पुत्र ही उसके जीवन में दीपक की तरह उजाला देता है।

159. **सिखाना** – खाना ही सिखाना होता है। जैसे चीन में सीक यानि दो लकड़ियों से खाना खाया जाता। जो हर किसी के बस की बात नहीं है, वह सिखाना पड़ता है। ऐसे ही सभी खाने सिखाने पड़ते हैं।

160. शिविर – शिव के रहने का स्थान ही शिविर कहलाता है, क्योंकि शिव घूमन्तू जाति से हैं, जो घूमती रहती है, और वहाँ कैलास में बहुत ठंड होती है, जिससे सबको Shivering (ठंड) होती है, इसीलिए वहाँ शिविर लगाते हैं।

161. Shivering – शिविर में रहने वाले ठंड से काँपते हैं, हिमालय में शिव के रहने के स्थान पर ठंड है।

162. श्रेय – सर + ये = जो सब अपने सर पर लेता है, उसे श्रेय मिलता है। श्रेय भी सर पर मिलता है, उसे मुकुट पहनाया जाता है। परंतु संसार उल्टा है यहाँ पर श्रेय (Credit) लेने वालों की होड़ है, परंतु सर आगे करने की नहीं। यह सब कुछ दूसरे के सर मड़ देना चाहते हैं यानि दूसरे के सर में Mud (मिट्टी) लगे अपने सिर पर ताज सजे।

163. साहित्य – सा + Hit = किसी को Hit करने के लिए जब तय कर लिया जाता है तो फिर उसके लिए साहित्य लिखा जाता है। साहित्य में उसकी तारीफ होती है, तारीफ से वह अंहकार में आ जाता है और आसानी से Hit किया जा सकता है।

164. शिष्य – Sis + य = शिष्य उसी को बनाया जाता है, जिसकी कोई Sister होती है।

165. शराब – शर + आब = शर नाम के पौधे को आब (पानी) में मिलाया जाता है, और शराब बनाई जाती है।

166. Strike – स्त्राईक – स्त्री की बात नहीं मानी जाती है, तो वह काम करना बंद कर देती, बस यही Strike कहलाती है।

167. Speed – पीड़ा ही Speed है। जितनी पीड़ा होती है, Speed उतनी ही ज्यादा होती है, इसीलिए किसी से कोई कार्य लेने के लिए उसे पीड़ा दी जाती है, जिससे वह ज्यादा Speed से काम कर सके, ताकि वह उस पीड़ा से छूट जाए।

168. Spice – स + प + Ice = भारत में अंग्रेजों ने जब मसाले से बने तीखे और गर्म खाने खाये तो उन्होंने कहा स-स पानी दो या Ice दो यानि बर्फ लाओ यही है Spice.

169. सिद्धत – सिद्ध + दत्त = दत्त की तरह ही सिद्ध होना सिद्धत होता है।

170. Strategy – स्त्रैत + जी = स्त्रियाँ अपने जी से Strategy बनाती हैं।

171. Share – शेर ही Share करते हैं।

172. Surprise – सुर + सुर = सुर लोग जो Prize देते हैं, वह Surprise कहलाता है।

173. सेतु – सेना के हेतु जिसको बनाया जाता है, वह है सेतु।

174. शौच – शौच करने पर सोच अच्छी हो जाती है।

175. संशोधन – Sun + शोध + अन्न = Sun से ही अन्न का संशोधन होता है और Son के लिए शोध करने के लिए व्यक्ति धन को लगा देता और संशोधन करवा लेता है।

176. Search – सिया + अर्च = राम ने सिया (सीता) को ढूंढने के लिए अर्चना की, वही Search है।

177. Suitcase – Suit + Case – सूत + केश – Suit + Case = पहले सूत का ही सूट (पहनने वाला सूट) बनाया जाता था, जिसके रखने के लिए सूटकेस बनाया जाता था। अब यह सूट को रखने वाला सूटकेस किस प्रकार Case को रखने Suitcase बन गया यह एक कहानी है। एक दिन एक स्त्री ने पति के सूट पर एक स्त्री का केश (बाल) देखा, और किसी दूसरी औरत से उसके पति का सम्बन्ध इस पर उस स्त्री ने अदालत में एक Case Suite कर दिया, बस उस दिन से उस सूटकेस में Case के Paper रखने के काम आने लगा और वह सूटकेस ही Suitcase हो गया।

178. सूत्र – सू + तर = सु-सु से तर जगह ही सूत्र का काम करती है, यानि उसे वहीं से सूत्र मिलता है।

179. सिन्दूर – Sin + दूर = Sin से दूर कर दे वह है सिन्दूर – जो स्त्री बिना सिन्दूर लगाये बच्चा पैदा करती है वह पाप की श्रेणी में गिना जाता है, और

जो सिन्दूर लगाकर बच्चा पैदा करती है, वह Sin (पाप) से दूर रहती है।

180. Sad – सद – जो Sad रहता है, वही सद रहता है।

181. श्वास – श् + Wash = शरीर को जो Wash करे, वह श्वास, प्राणायाम करने से शरीर की शुद्धि हो जाती है।

182. Socks – सोक लेती है जो पसीने को वह है Socks.

183. सुधीर - सु + धीर = सु (पेशाब) लगी हो और उस समय धीर रखने वाला ही, सुधीर होता है।

184. Surround - सर (सिर) + Round (गोल) = सर तो Round ही होता है। यानी सिर तो गोल ही होता है।

185. सर्वशक्तिमान - Serve + शक्ति + मान = Serve (सेवा) वही करता है, जिसके पास शक्ति है, शक्ति जिसके पास है, उसी का मान होता है, सर्व (सबकी) सेवा जो करता है, वह सर्वशक्तिमान है। केवल परमात्मा है जो सबकी सेवा करता है। परमात्मा मिट्टी, पानी, आग, हवा, फल, फूल, अनाज, सब कुछ देता है। परमात्मा के पास शक्ति है, परमात्मा का ही मान होता है, इसलिए परमात्मा सर्वशक्तिमान है।

186. Sponsor - Spoon + Sir = किसी Programme में खाने के समय, जिससे बार-बार यह पूछा जाए, Take this Spoon Sir, तो समझो वह Sponsor है, और जो पूछ रहा है, वह Spoon है।

187. Survey - सुर + Way = सुर ही Way (रास्ता) बताता है। जिधर से आवाज आती है लोग उसी तरफ जाते हैं। इसलिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करने के लिए अपने सुर को बढ़ाया जाता है।

188. सतत - सत (परमात्मा) ही सतत है।

189. सोने पे सुहागा - रात को अच्छी नींद आने के बाद सुबह सु यानि पेशाब हागा यानि संडास अच्छी तरह आते हैं। यही सोने पे सुहागा है।

190. Stepne - Step + Nee = आदमी के घुटने आजकल ओपरेशन करके बदलवाये जाते हैं। क्योंकि उसे एक Step चलने में भी परेशानी होती है। इसलिए वह Nee की Stepne रखता है।

191. Science - साईं + अंश = साईं का अंश ही साईंस है। साईं यानी भगवान। Scientist - साईं + ईष्ट = साईं ही जिसका ईष्ट है वही तो साइंटिस्ट है। भगवान ने अपने थोड़े से अंश के बारे में किसी को बता दिया वह साईंस है। उस साईटिस्ट के जो ईष्ट हैं वह साईं (भगवान) हैं।

192. समाहित - सम + अहित = सम (Sum) जुड़ना। जुड़े रहने पर, अहित नहीं होता है। अगर व्यक्ति आपस में जुड़े रहें तो कोई उनका अहित नहीं कर सकता।

193. श्रम - श्रम करनेवाले शर्म करते हैं। विश्राम करनेवाले बेशर्म होते हैं। तभी तो कहते हैं, कुछ शर्म करले, बेशर्मों की तरह क्यों पड़ा है ? कुछ काम-धाम क्यों नहीं करता।

194. संघर्ष - Sun + घर्ष = Sun (सूर्य) से घर्षण होना ही संघर्ष है। सूर्य की तपती धूप में सभी लोग कार्य करते हैं। इसे ही जीवन का संघर्ष कहते हैं। जब लोग काम करते हैं दिनभर तब उनके शरीर का सूर्य की किरणों से घर्षण

होता है। इसे ही संघर्ष कहते हैं। पहले के लोग दिन भर कड़ी धूप में खेती में काम करते थे।

195. Shocking - शोक + King = किसी के लिए शौक होता है। किसी के लिए शोक होता है। राजाओं का शौक अक्सर दूसरों के लिए शोक ही होता है। इसलिए Shocking होता है। पहले के राजा भूखे शेर के आगे सजायाफ्ता कैदियों को डाल देते थे। फिर दोनों में मुकाबला होता था। और राजा का शौक पूरा होता था। उधर कैदी को शोक होता था। यही

अंग्रेजों ने देखा और नाम दिया Shocking. यानि शौक राजा के शोक प्रजा के।

196. Surrender - सर + End + डर = सिर के End (समाप्त) हो जाने का डर। जब किसी को कहा जाता है सर झुका दो नहीं तो सर काट दिया जाएगा। बस इसी का डर Surrender करवा देता है।

197. श्मशान या श्माशान - यानि श्मा (रोशनी) की शान हो वह है श्मशान। श्मशान में सभी तरफ चिताओं की आग की रोशनी होती है।

198. सरकार - सर + कार्य = जिसके सिर पर कार्य होते हैं, उसे ही सरकार कहते हैं।

199. संकल्प - Sun + कल्प = Sun यानि सूर्य एक कल्प तक रहता है। फिर प्रलय आ जाती है। इसीलिए संकल्प कराया जाता है कि यह कार्य एक कल्प तक रहे। या फिर कहा जाता है कि, जब-तक सूरज-चाँद रहेगा। .... तेरा नाम रहेगा। चाहे कार्य Sun के रहने तक रहे, या फिर कल्प तक रहे, एक ही बात है, यही Sunकल्प है।

200. श्याम - श्य + आम = आमतौर पर नींद आती है, उसे श्याम कहते हैं। श्याम को ही शाम कहते हैं। शाम काली होती है, इसीलिए काले को श्याम कहते हैं।

201. Space - I need some space. यह Space ही तो परमात्मा है। जब आदमी थक जाता है। तो वह पुनः उर्जावान होने के लिए खाली स्थान (एकांत) ढूंढता है। अब वह एकांत हिमालय हो या कोई जंगल हो। क्योंकि Space का मतलब आकाश होता है। और आकाश ही परमात्मा है।

202. स्वयं - स्व + यम = यम से स्वयं मिलना पड़ता है। यम अपने सारे काम स्वयं करते हैं।

203. संत - Sun + अंत = जब सूर्य का अंत आता है यानि डूबते सूर्य का जो रंग होता है वही रंग संत के वस्त्र का होता है।

204. सुखद - सु + खद = सु यानि पेशाब ही खाद (Fertilizer) है। इसीलिए सुखद है। आजकल का Urea मनुष्य के पेशाब से बनता है। जिससे फसल की पैदावार बहुत अधिक होती है। वह फसल मनुष्य खाता है और मनुष्य में Uric Acid बड़ जाता है। क्योंकि न जाने किसके Urine से बने Urea से वह अपनी फसल उगाता और फिर उसे खाता है। पहले जमाने में गाय के मूत्र एवं गोबर से खाद बनाई जाती थी। जिससे उगा अन्न खाने में व्यक्ति को सुखद लगता था। व्यक्ति हृष्ट-पुष्ट रहता था। यह है सुखद।

205. संतरी - सूर्य डूबने के बाद रात हो जाती है। रात को जो पहरा देता है वह संतरी है। ऐसे ही किसी के जीवन में जब सूर्य डूब जाता है वह व्यक्ति जीवन की कठिनाइयों के अंधेरे में फंस जाता है तो उसके जीवन में संत ही संतरी बनकर आते हैं और उसे सही राह दिखाते हैं।

206. संतरी - Sun + Tree = One English man said "in India, Summer is very hot, Because of Sun." So is there any Tree on the road, who save me from the heat of the Sun. So that's why, I call it Sun Tree or संतरी। Because Tree is saving me from the heat of Sunlight.

207. Stable - Stay + बल = जिसके पास बल है, वही फिर Stable रह सकता है।

208. सम्मान - Sum + मान = जुड़े रहने से सम्मान बना रहता है।

209. सत्तर - सत + तर = सत में सब तर जाते हैं। परमात्मा में सब मोक्ष को प्राप्त हो जाते हैं।

210. Single - Sing + Girl = Sing करते हैं जो Girl के लिए वह Single

होते हैं।

211. सेंधा - सेंधा नमक की दीवार में सेंध लगती है। इसलिए तो जब कोई दगाबाजी करता है तो उसे नमक हराम कहते हैं। क्योंकि उसने नमक खाया और उसमें सेंध लग गई।

212. संस्कार या आदत - एक तल पर मनुष्य भी पशु ही है। जिस प्रकार से पशु को जिस रास्ते से चराने ले जाओ और चराकर उसी रास्ते से लौट आऔ। आप पांच दिन ऐसा करो छठवें दिन पशु अपने आप उसी रास्ते से जाकर

वापस लौट आएगा। बस मनुष्य में भी यही है जिसे संस्कार या आदत नाम दिया गया है। क्योंकि आदत या संस्कार मनुष्य को सुला देते हैं। उसको विवेक को दबा देते हैं। वह आदतों और संस्कारों का गुलाम हो जाता है। हम उसका आंकलन करते हैं और उसकी आदतों एवं उसके संस्कारों से फिर उसे पहचानने लगते हैं। कि अब वह यह करेगा, अब ऐसा करेगा। क्योंकि वह आदत से लाचार और संस्कारों के अधीन होता है। बस वह इन सबसे ही मुक्ति चाहता है और विवेक की तलाश में रहता है। आदत और संस्कार या Habit व्यक्ति को मूर्छित कर देते हैं। उसे सुला देते हैं, उसका विवेक उसका ज्ञान सब खो जाता है।

213. श्याम - श्य + आम = श्यन करते हैं आम लोग जब उसे कहते हैं श्याम। यही श्याम ही शाम है। यानि आम लोग सो जाते हैं।

214. सुप्रभात - Super + भात = रात को पत्नी ने भात बनाया। किन्तु पति ने नहीं खाया। क्योंकि वह रात को चावल नहीं खाता था। सुबह होने पर पत्नी ने वही भात तड़का लगाकर पति को नाश्ते में दे दिया। पति ने भात खाया और कहा "Super भात" "Super भात"।

215. System - शिष्यतम् - शिष्य बनने पर System में रहना पड़ता है।

उच्छिष्ट - उच्च लोगों का छिच्ष्ट खाना पड़ता है। चाहे वह कुछ भी हो। भोजन, वस्त्र, पुस्तक और ज्ञान शिष्य बनने पर सबकुछ एक System के तहत लेना पड़ता है। यही System है।

216. System - शिष्यतम् - शिष्य बनने पर System में रहना पड़ता है।

217. Stage - सतेज - जिनमें तेज होता है, उन्हें Stage की जरूरत नहीं होती है।

218. शिकायत - शीक + आयत = जब सीख जाते हैं कोई आयत तो करते हैं शिकायत।

219. समस्या – Some + Say = कुछ तो कहो क्या बात है ? जब किसी को कोई समस्या हो जाती है, तो उसको कहा जाता है, कि कुछ तो कहो। Say Something या Some Say यही समस्या है।

-:-:-:-

T

1. Torture - चढ़कर टोड़ना ही, torture है।

2. Tribute - जब कोई कहता है कि Tribute देना है। यानि तेरे बूते यह काम हुआ है। तभी वह उसको Tribute देता है।

3. Tone - Tongue के अनुसार Tone होती है।

4. Trinity – त्रि + नीति = तीन तत्त्वों की नीति ही त्रिति है। यानि तीन तत्त्व सत, रज, तम, यह तीनों तत्त्व ही Neat हैं। इन तीनों की नीति ही तो त्रिनीति है।

5. Towel – To + Well = स्नान के लिए जिस कपड़े को लेकर Well की तरफ जाते हैं, उसे Towel कहते हैं।

6. टुकड़ा - Two + कड़ा = कड़े दो ही होते हैं इसलिए Two कड़ा होता है।

7. Temple - जब Temper या Pulse High हो जाता है, तो उसे मंदिर में ले आते हैं,जिससे उसका Temper या Pulse Down हो जाती है।

8. Translate - त्र + अंश + लेत = तीन का अंश लेता है। Translate में तीन लोगों के अंश होते हैं। एक जो बात कहता है। दूसरा जो बात को Translate करता है। तीसरा जो Translate की गई बात को, अपने अर्थ में समझता है।

9. तराश - राशियाँ ही व्यक्ति को तराशती हैं।

10. Tuesday - Tea + Use + Day = मन गलने लगता है मंगलवार को। यानि व्यक्ति का मन कमजोर होने लगता है। तो उस गलते हुए मन को दुबारा जाग्रत करने के लिए Tea का Use किया जाता है। जिससे मन जागता हुआ रहता है।

11. ताकतवर - वर (वरदान) ही किसी को ताकतवर बनाता है। ऐसे बहुत से उदाहरण हैं, जिसमें वर प्राप्त कर कई लोग ताकतवर हुए हैं।

12. Touch - त्वचा को ही Touch किया जाता है। इसलिए त्वचा को त्वच

या Tou + ch कहते हैं।

13. **तिलक -** Till + Luck = Luck के लिए तिलक लगाया जाता है। यानि जब तक तिलक है, तब तक Luck है।

14. **Trust -** त्रस्त लोग ही किसी पर Trust करते हैं।

15. **तहजीब -** जीभ को तह करके रखना ही तो तहजीब है।

16. **तकलीफ -** तक + Leaf = Leaf की तो तकलीफ है। Leaf का तकना ही तो तकलीफ है। जब तकना पड़ता है कि कोई Leaf इधर न गिरे, क्योंकि फिर उनको झाड़ू लगाना पड़ेगा। फिर उसको तकना ही तकलीफ है। एक कहानी भी है कि एक बीमार एक पेड़ की पत्तियाँ देखकर अपना वक्त काटता था। अपनी तकलीफ को भूलने की कोशिश करता था। यानि वह तकता रहा लीफ को जब तक की आखरी Leaf गिर नहीं गई। और अपनी तकलीफ की तरफ मन को नहीं जाने दिया। पतझड़ में जब Leaf पेड़ से गिरती हैं, तो उनको तकना और साफ करना ही तकलीफ है।

17. **Talent -** ताल + Entry = ताल (ताली) बजती है जिसकी Entry पर। जिसमे Talent होता है, उसकी Entry पर ताली बजती है।

18. **Twins** – Two + अंश - द्व + अंश = एक ही भाग के जब दो अंश कर दिये जाते हैं, उसे Twins कहते हैं।

19. **Tribute -** जब कोई कहता है कि Tribute देना है। यानि तेरे बूते यह काम हुआ है।तभी वह उसको Tribute देता है।

20. **Tip-Top -** Tip से ही तो Top पर पहुँचा जाता है।

21. **Top Secret -** Secret रहोगे तो Top पर जाओगे। Top में हर चीज Secret रखी जाती है। किसी के Top पर पहुँचने का कोई-न-कोई तो Secret होता है।

22. **Thread -** Three + Ad = तीन Ad का बंद कर देना ही Thread है।

यानि रोटी, कपड़ा और मकान के Ad को न देना ही Thread है।

23. **त्रुटि** - किसी को True कहना ही त्रुटि है।

24. **Tattoo** - टट्टू की पहचान के लिए उस पर Tattoo बना दिया जाता है।

25. **Toilet** – तोय + Late = उससे पूछा क्यों Late हो गया। उसने कहा कि वह गया था हलका होने तोय Late हो गया। इससे तोय Late का Toilet हो गया।

26. **तमाशबीन** – तमाश + बीन = बीन के आवाज सुनकर तमाशा देखने के लिए तमाशबीन जमा हो जाते हैं।

27. **Toll Rate** – तोल + Rate = तोल करने से पहले Rate तय कर लेना चाहिए।

28. **Tolerate** – तोल + Rate = जो तुलवा लेते हैं फिर उनको वही कीमत देनी होती है, जो दुकानदान माँगता है।

२९. **Top-Secret** – Top में जो Secret है, वही तो Top Secret है। Boss ने Secretary से कहा कि यह Top-Secret है, तो Secretary ने उसे अपने Top में रख लिया। वह Top Secret हो गया, और Secret क्या है ? रुपया ही Secret है, यानि Boss जो रिश्वत लेता था, वह अपने पास न रख कर Secretary को देता था, वह Secretary उसे अपने Top में रख लेती थी। क्योंकि Boss को यह रिश्वत Top Secret File को Secret रखने के लिए मिली थी। और साथ-साथ ही Secretary उस Top Secret File को भी अपने Top में छिपा कर अपने घर ले जा कर Top (सबसे ऊपर) रख देती थी। इस तरह Secretary के पास बहुत सा रुपया और File इकट्ठी होने लगी। और एक दिन फिर Secretary ही Boss वन गई। क्योंकि जिसके पास Secret होगा यानि राज होगा वही तो Boss होगा यानि राजा होगा। यानि उसी के पास Top-Secret हैं।

30. **Tool** – तूल = किसी कार्य को आगे बढ़ाने के लिए Tool दिया जाता है, और किसी बात को आगे बढ़ाने के लिए तूल दिया जाता है।
31. **Teacher** – Tea + चर = चाय के बागान में चर करना ही तो सिखाता है, वह Teacher है, यानि चाय के बागान में चाय की पत्तियों को तोड़ना सिखाया जाता है, जो वह सिखाता है, वही Teacher है यानि पहला सबक अंग्रेजों ने जो सिखाया वह Tea में किस प्रकार चरना है।
32. **Threat** – Eat की ही Threat है, कि तुम्हें खाना नहीं मिलेगा यानि हमेशा यही धमकी दी जाती है कि खाना नहीं मिलेगा तुझे।
33. **Talcum** – ताल + कम = तबले की ताल को कम करने के लिए Talcum Powder का इस्तेमाल किया जाता है।
34. **तवाजून** – तवा + June = तवा कहलो कि June कहलो बात बराबर ही है, क्योंकि June की गर्मी जितनी गर्मी, तवे पर भी होती है, इसीलिए तवाजून।
35. **टका** – ताका – बंगाल में कपड़े बुने जाते हैं, बुने हुए कपड़ों के बण्डल को ताका कहा जाता है, तो एक ताका को ही टका कहा जाता है, आगे चलकर यही टका मुद्रा के रूप में परिवर्तित हो गया।
36. **तफसील** – Tuff + Seal = Seal Tuff है या नहीं यह जाँचने के लिए तफसील की जाती है। Tuff हो या Sealed हो दोनों को ही तोड़ नहीं सकते हैं। Tuff को तोड़ने के लिए ज्यादा ताकत चाहिए और Sealed को तोड़ने के लिए Permission चाहिए। इसलिए चीजों को रखने के बाद यह देख लिया जाता है कि यह Tuff है और नहीं तो फिर उसको Seal कर दिया जाता है और अगर दोनों ही टूटे मिले तब फिर तफसील होती है कि यह टूटे कैसे ? यही तफसील है।
37. **Telecom Powder** – तेल को कम करने के लिए एक Powder

लगाया जाता है, जिसे Telecom Powder कहते हैं।

38. Team – Tea के Garden में औरतें काम करने जाती हैं, तो उनकी एक Team बनाई जाती है।

39. तवा – ताव – जिसमें ताव आ जाता है, उसे ही तवा कहते हैं। ताव में इन्सान का चेहरा भी तवा की तरह गरम हो जाता है।

40. Tailor – आदमी की Tail (पूँछ) लगाने के लिए आज भी Tailor को बुलाया जाता है।

41. Triple – त्रिपल ही तो Triple है।

42. Trap – त्राप – तीन लोग जिन्हें लोग आप कहते हैं, उन्हीं की बातें Trap हैं।

43. Tag Line – तागे की Line – कपड़े पर लिखी Line ही Tag Line है।

44. थकान – थक जाते हैं जब कान तो हो जाती है थकान। थकान कानों से पता चलती है, जब कहते हैं कि, मेरे कान थक गये तुम्हारी बातें सुनते-सुनते।

45. तकदीर – तक + दीर = तकते रहते हैं दीर लोग उसे कहते हैं, तकदीर।

46. तकबीर – तक + वीर = वीर लोग ही अपनी तकबीर बनाते हैं।

47. टाल – एक आदमी रोज एक लकड़ी लाता है, पर वह उसे जलाना टाल देता है, तो ऐसे टालते-टालते एक टाल बन जाती है, जो उसके अंतिम संस्कार में जलाने के काम आती है।

48. Talk – टोक – जब कोई टोकता है, तो उसके बाद फिर जो बात आगे बड़ती है, उसे ही Talk कहते हैं।

49. तालीबान – ताली + बान = ताली बजाई जाती है, जब बाण मारने पर वह है, तालीबान।

50. टिप्पणी – Tip + पण = Hotel में Tip देकर उस नौकर से आदमी

टिप्पणी लेता है। अब चाहे Tip कहो कि पण एक ही बात है, चाणक्य के समय में रुपये को पण कहते थे, और यही पण ही Tip होती है। यही Tip को प्राप्त कर व्यक्ति Top पर पहुँच जाता है।

51. **तबेला** – बेला (सूर्या) के उगने और डूबने का समय – बेला जब हो जाती है, तब बेला (Bowl) लेकर के दूध लेने के लिए तबेला में जाते हैं।

52. **Trust** – त्रस्त लोगों को राहत देने के लिए Trust बनाया जाता।

53. **टहनी** – टंगा + Honey = जहाँ टँगा रहता है Honey उसे कहते हैं टहनी।

54. **Task** – ताश + खेलना = जिसके पास कोई Task नहीं होता है, वह तास खेलता है।

55. **Tragedy** – त्रासदी – त्रासदी ही Tragedy है, तीन चीजों अगर न मिले तो जीवन सदी के बराबर लगता है, रोटी, कपड़ा और मकान।

56. **टिप्पणी** – टिप्प + पणी = बरसात में जब पानी टिप-टिप दी छोटी-छोटी बूंदे इकट्ठा करके ही पानी बनता है। उसी तरह छोटी-छोटी Tip से ही खजाना भरता है, छोटी-छोटी Tip से ही मंजिल पर आदमी पहुँचता है, छोटी-छोटी टिप्पणी से ही एक बड़ा लेख बनता है, Tip से ही व्यक्ति Top पर पहुँचता है, इसीलिए Tip-Top कहलाता है, और Tip-Top होकर निकलता है।

57. **Transport** – त्रंश + Port = तीन जगहों पृथ्वी, जल, वायु, पर जो Port करे वह है, Transport.

58. **तिलोत्तमा** – तिल + उत्तम = जिसके शरीर का तिल-तिल ही उत्तम है, वही तिलोत्तमा है।

59. **थाली** – थाह + ली = किसी की थाह लेने के लिए उसे थाली में भोजन खिलाया जाता है।

60. **Tornado** – तोड़ने + दो = तोड़ने काम जो करे वह है, Tornado.

61. **तकाजा** – तक + आजा = तकाजा करनेवाले लोग तक कर रखते हैं, अब तो आजा और फिर तकाजा करते हैं।

62. **Total** – Total करनेवाला हमेशा पूरी रकम को तोतला बोलता है, जिससे पता न चले कि रकम कितनी है।

63. **तरीका** – सब्जी की तरी बनाने का तरीका ही तरीका है।

64. **Toic** – Top + Pic = जब कोई Top पर होता है, तो वह वहाँ एक Pic खींचता है, और फिर उसी Pic से ही एक Topic बनता है, जिसकी चर्चाएँ होती रहती है, कि Top पर कैसे पहुँचा ? उसकी Pic कैसी है ? यही Topic है।

65. **Terrible** – टेरीबल – टेढ़ी + बल = जब किसी की पेशानी पर टेढ़े बल पड़ जाते हैं तो उसे Terrible कहते हैं।

66. **Tie** – तय किया जाता है जिसको उसे Tie पहना दिया जाता है, यानि उसे Tie पहनाकर उसे बाँध लिया जाता है, जैसे जानवर को खूँटे से बाँध दिया जाता है।

67. **तमाशा** – तम + आशा = तम (अंधेरे) में उजाले कि किरण की आशा ही तो तमाशा कहलाती है। तमाशा रात को होता है, रात के अंधेरे में थोड़े-से उजाले में आशा की किरण में तमाशा किया जाता है।

68. **Town** – ताऊ – ताऊ का ही Town होता है।

69. **तनाव** – तन + Now = जब तन में तनाव होता है, तो वह हर वस्तु अभी (Now) चाहता है, यही तनाव होता, जिसमें फिर व्यक्ति नाव बन जाता है, यानि मुर्दा हो जाता है और नदी में नाव की तरह तैर जाता है।

70. **TATA** – टाटा – ताता – लोहा गर्म हो जाने के बाद ताता हो जाता है। जमशेद जी TATA ने जब लोहे की Factory लगाई तो जो गर्म लोहा होता था, उसको कैसे पहचाना जाए कि यह गर्म लोहा है, तो उसमें ताता के

Seal लगाई जाने लगी। अब अंग्रेजों का जमाना था तो ताता को अंग्रेजी वर्णमाला में TATA लिखा जाता है, टाटा ही पढ़ा जाता है, तो यह टाटा ही फिर TATA नाम से पहचाने हो गया। क्योंकि लोहे पर लगी Seal मिट तो नहीं सकती वह सभी को दिखाई देती है। इससे जमशेद जी के नाम के पीछे TATA Surname लग गया।

71. **Trigonometry** – त्री + गुणों + मैत्री = तीन गुणों की मैत्री ही Trigonometry. तीन गुण सत्त्व, रजस, तमस की मैत्री किस प्रकार होती है यही Trigonometry में बताया जाता है।

72. Tension – रावण को असली Tension थी क्योंकि उसके Ten सिर थे। यानि आत्मा एक और सिर दस, सिर दस तो मतलब, दस दिमाग तो सभी दिमाग अलग-अलग विचार-बुद्धि वाले। अब उसकी आत्मा किसका माने किसका न माने ? कौन सही है कौन गलत है ? इसमें ही उसकी आत्मा Tension में आ जाती थी।

73. **Tally** – तेली – भारत में तेली (साहूकार) लोग ही हिसाब-किताब रखते थे, तो वह तेली से ही Tally हो गया।

74. **थप्पढ़** – थप् + पढ़ = जब किसी को थप-थपाते हैं पढ़ने के लिए वह है थप्पढ़।

75. **तबादला** – तब + बदला = बदला लेने के लिए किसी का तबादला कराया जाता है।

76. **Teakwood** – भारत में Teakwood यानि सागवान की लकड़ी ही सबसे अच्छी मानी जाती है, क्योंकि वह ज्यादा टिकने के कारण Teakwood कहलाती है।

77. **तौहीन** – हीन की ही तौहीन की जाती है।

78. **Toe** – टोह –पैर के ऊँगली से ही किसी की टोह ली जाती है, ईसीलिए उसे

Toe कहते हैं।

79. Tallow – तल्लो – कोई चीज तलने के लिए Tallow ही होता है।

80. तार – तार ही रफ्तार है। पहले तार (Telegram) आता था, जो तार से आता था, वह बहुत ही रफ्तार से आता था।

81. तालाब – तल + आब = जिसके तल में से आब (पानी) निकलता है, उसे तालाब कहते हैं।

82. Toffee – बड़ी चीज तोहफा कहलाती है, छोटी चीज Toffee कहलाती है।

83. Terrorist – Terror + Wrist = रिश्ते दो प्रकार से ही बनते हैं, एक तो Terror से यानि डर दिखाकर के किसी से जबरदस्ती रिश्ता बनाना। यानि किसी पर कब्जा कर लेना और फिर उससे रिश्ता बनाना जो Terrorist बनाते हैं। दूसरा Wrist पर धागा बाँधकर जैसे पंडित कलाई में कलावा बाँधकर रिश्ता बनाते हैं।

84. थकावट - थक + आ + वट = वटवृक्ष को देखकर, थकावट आ जाती है।

85. ताज्जुब - ताज + Job = ताज के Job (कार्य) को देखकर, सभी यही कहते हैं, What A Job !!!!! और ताज्जुब करते हैं। क्योंकि जो हमेशा, ताजा रहे, वह ताज है। जैसे कि अभी-अभी बना है। जो पुराना न लगे।

86. Token - टोक + कान =Token न लेने वाले को उसके कान में टोक दिया जाता है कि जाकर Token लेकर आओ। यहीं से Talk करना शुरु करता है आदमी। यानि फिर दोनों में बातचीत (Talking) शुरू हो जाती है। टोकने से ही Talking शुरु होती है।

87. तत्पर - तट + पर = नदी के तट पर खड़ा आदमी और पर (पंख) लगा आदमी हमेशा तत्पर रहता है। इसीलिए जो तटपर रहता है वही तत्पर रहता है।

88. तत्काल - तत् + काल = पहले पानी के जहाज चलते थे। जब वह तट पर खड़े होते थे। तो जोर से Call करते थे। और किसी को चलना है इतने का तत्काल टिकट है।

89. Three Phase - शक्ति के तीन Face होते हैं। पहला Phase ब्रह्मा जी का। दूसरा विष्णु का जी। तीसरा महेश का। तीन Face से ज्यादा नहीं होते। प्रकृति तीन गुणात्मिका है। तम, राज, सत।

90. Torrent – तुरंत – Torrent ही तुरंत है। किसी File की तुरंत Download करता है। तो Torrent से तुरंत Download हो जाती है।

-:-:-:-

U

1. उपवास - उप+Wash = ऊपर का wash ही तो उपवास है। क्रोध एवं कुविचार सदा अन्न के सेवन से निर्मित होते हैं। क्योंकि क्रोध और कुविचार मन में आते हैं। मन का निर्माण अन्न से होता है। इसलिए अन्न मे अगर दोष है तो उस अन्न को खाना छोड़ दो। जिससे उस प्रकार का मन नहीं बनेगा। इसलिए एक तो शरीर का Wash होता है। एक शरीर के भीतर का Wash होता है। जब भीतर का शरीर धुल जाता है। तब उसके अंदर भी प्रेम और करुणा आती है। इसलिए ऋषि-मुनि अन्न का सेवन न करके तपस्या मे वर्षों बैठे रहते थे। जिससे उनके भीतर के शरीर का Wash हो जाए।

2. उद्धार – उद् + धार = उद् यानि पेट की धार – इसी पेट को भरने के लिए उधार लेता है, बस इसी पेट की धार ही तो सब को खतम कर देती है, अगर यह धार न भरी जाए तो उद्धार कर देती है।

3. उच्चारण - चारण को उच्च स्वर में उच्चारण करना चाहिए। तभी तो चंदरबरदाई की बात पृथ्वीराज चौहान ने सुन ली।

4. Unity - उन्नति करने के लिए Unity चाहिए।

5. उदास - उदर की आस ही उदास बना देती है। फिर दास बना देती है। दास ही उदास होते हैं।

6.उत्तम - तम ही उत्तम है।

7. उद्देश्य - उदर ही उद्देश्य होता है, हर प्राणी का, कि मेरा पेट भर जाए, तो इसका भी उद्देश्य उदर ही है।

8. उपाय – ऊपर + आय = ऊपर की आय ही उपाय है।

9. Unique – जो नेक लोग होते हैं, वह Unique होते हैं, और वह Queue में नहीं लगते हैं।

10. उम्मीद – उम्दा + ईद = ईद पर ही सभी यह दुआ करते हैं, की कुछ उम्दा हो जाए, यही उम्मीद है।

11. उपनयन – आज कल बच्चों को उपनयन संस्कार में जनेऊ नहीं, उपनयन (चस्मा) लगाया जाता है, जो शब्दों के साथ सही अर्थ है।

12. उचित – चित ही उचित है, यानि Cheat करना ही, उचित है।

13. उबल – जिसमें बल होता है, वही उबलता है।

14. उबाल – दूध को उबाल लिया जाता, जो बाल होता है उसमें वह उबलकर बाहर आ जाता है।

15. उर्वशी – उर्जा + वश = उर्जा को वश में करनेवाला ही उर्वशी है।

16. उमंग – उम्दा + अंग = उम्दा अंग से ही उमंग निकलती है।

17. Under – जो अन्दर रहते हैं, वह Under हैं। उन्दीर (चूहा) जमीन के नीचे रहता है, इसीलिए उसे उन्दीर कहते हैं।

18. उजाला – जाला हटा दो तो उजाला हो जाता है, घर में जब जाले हटा दिये जाते हैं, तो रोशनदान से उजाला आता है।

19. Urea – Urine + Area = Urine करने के Area से ही Urea बनाते हैं, यानि Urine से ही Urea बनाते हैं।

20. Urgent – ऊर्जा + Entry = ऊर्जा होने पर व्यक्ति जो Entry करता है, उसे बहुत ही Urgent होता है। कमजोर लोग इन्हीं ऊर्जा वाले लोगों से बड़ी ही Gently कार्य करने के लिए अर्ज करते हैं, और कहते हैं कि Urgent यह कार्य करना है।

21. उँगली – उधर है गली – गली की तरफ ईशारा उँगली से ही किया जाता है, कि उधऱ है गली।

22. उलहाना – उलने + हानि = बीज में से जब पौध उलने लगती है, तो उसको कोई तोड़ दे या खाले उसे उलहाना कहते हैं, यानि उलने की हानि होना ही तो उलहाना है।

23. उल्लेख - उल्लू + लेख = उल्लू के द्वारा लिखा गया। तभी तो कहते हैं,

कि यह किस उल्लू के द्वारा लिखा गया। क्योंकि उल्लू रात को जागता, तो रात को क्या हुआ ? इसका प्रमाण उल्लू के द्वारा लिखे गए लेख में होता है, इसलिए उसे उल्लेख कहते हैं।

24. उजड़ - जब जड़ों को उखाड़ लिया जाता है। तो वह स्थान उजड़ जाता है।

25. ऊब - ऊब का उल्टा बू होता है। जब कोई चीज से बू आने लगे तो समझो आप ऊब रहे हो। ऊब को अंग्रेजी में Bore कहते हैं। यानि Now this is Boring, Something new. बस यही भूल Meditation में करते हैं, जब उन्हें Meditation Boring लगने लगता है तो वे उसे करना छोड़ देते हैं। कि रोज-रोज का वही। We want something excitement. किन्तु एक बात है कि जब तक धरती से साफ और मीठा पानी नहीं निकलकर आता है तब तक Boring करनी पड़ती है। फिर इस Boring में कितना ही Bore क्यों न होना पड़े। ऐसे ही Meditation है जब तक आपमें धैर्य नहीं आया तब तक Meditation करते रहो। Meditation से सबसे पहले चिंता दूर हो जाएगी। क्योंकि जब आप लगातार एक आसन पर तीन घंटे बैठेंगे तो आप अपने आस-पास होने वाली कयी बेकार Disturbance से छुटकारा पा जाएंगे। फिर जब आप छोटी-छोटी बातों से परेशान नहीं होगें तो आप निश्चिंत हो जाएंगे और आपके अन्दर धैर्य आएगा। धीरे-धीरे धैर्य से आपके भीतर शांति का प्रादुर्भाव होगा। और आप दकदम शांत हो जाएंगे। आपको शांति की प्राप्ति होगी। फिर आप जो भी कार्य करोगे वह शांति के साथ करोगे। बस ध्यान में ऊबने पर उसे छोड़ मत देना। करते रहना और रोज करना कम से कम एक घंटा रोज ज्यादा से ज्यादा तीन घंटे रोज।

26. उत्सुक - उत + सुक = सुक (तोता) बहुत ही उत्सुक होता है।

27. उच्छिष्ट - उच्च + शिष्ट = उच्च लोग उन्हीं को शिष्ट मानते हैं। जो उनका

उच्छिष्ट स्वीकार कर लेते हैं। उच्च लोगों का छिच्ष्ट खाना पड़ता है। चाहे वह कुछ भी हो। भोजन, वस्त्र, पुस्तक और ज्ञान शिष्य बनने पर सब कुछ एक System के तहत लेना पड़ता है। यही System है।

-:-:-:-

V

1. वशीयत - किसी को वश में करने के लिए उसके नाम पर वसीयत कर दी जाती है।

2. विवश - Web + वश = Web (जाल) में फँसा और वश में किया गया व्यक्ति, यह दोनों ही विवश होते हैं।

3. वृत्ति - व + ऋत = ऋतु ही वृत्त है। एक ऋतु आती है उसके अनुसार चलते हैं। दूसरी ऋतु आती है उसके अनुसार चलते हैं। पर एक प्रकार के लोग योग के द्वारा इस वृत्ति का निरोध कर रहे हैं। प्राणायाम से सर्दी दूर करते हैं। दूसरे प्रकार के लोग संसाधन जुटाकर भोग करते हुए इस वृत्ति का निरोथ करते हैं। A.C. लगाकर गर्मी दूर करते हैं। परंतु वृत्ति वैसे ही चलते ही रहती है, उसे कोई नहीं रोक सकता है। क्योंकि पृथ्वी वृत्त में घूम रही है।

4. व्याकुल - कुल वाले ही तो, व्याकुल होते हैं, क्योंकि उन्होंने जो कुल में पढ़ा है। उसका अनुभव जल्दी से जल्दी करना चाहते हैं।

5. विभक्त - We + भक्त = ऐसी घोषणा की गई की जो भक्त हैं वो अलग खड़े हो जाए। यही से विभक्त करने की शुरुआत हुई।

6. विशेषण - विश + ऐश + अण = विशेषण तीन लोगों के लिए ही उपयोग किया जा सकता है -

विषधर यानि भगवान शिव।

ऐश्वर्यशाली यानि भगवान विष्णु।

अन्नमय यानि भगवान ब्रह्मा।

7. विस्मरण - Wish + मरण = जो किसी प्रकार की भी Wish लेकर मरता है, उसे कोई विस्मरण नहीं कर सकता है। इसीलिए जब कभी-भी उस तरह की Wish की बात होती है, तो मरनेवाले की याद स्वतः ही आ जाती है कि, अरे उसकी भी यही ईच्छा थी। इसीलिए न्यायलय में फाँसी प्राप्त करनेवाले

अपराधी की आखिरी ईच्छा पूछी जाती है, कि मरने से पहले तुम्हारी कोई Wish है - यही है विस्मरण।

8. Vocabulary - बको + बोलरी = यह दोनों ही Vocabulary बनाते हैं। कोई कहता है "बको क्या काम है" ? कोई कहती है बोलरी क्या बात है ?

9. विश्लेषण - विष + लेश + अणु = विष का लेशमात्र अणु । अंग्रेज जब चिकित्सा करते थे, तो वह सबसे पहले यह देखते थे, कि शरीर में विष का लेशमात्र अणु कौन-सा है ? जिसके अनुसार वो, उस विष का प्रतिरोधक उस को दे देते थे।

10. Valid -जिनके वालिद होते हैं वही Valid होते हैं।

11. Voice - जैसी Ice खाएँगे वैसी Voice होगी। जैसा पानी पिएँगें वैसी वाणी होगी।

12. व्ययसन - व्यय + Son = Son के लिए व्यय करना ही व्ययसन है। जब लड़का खर्च करने लग जाता है । पिता को उसको खर्चा देने में कोई दिक्कत नहीं आती है।

13. वर्चस्व - वर का ही वर्चस्व रहता है।

14. Ventilator – Went + Later = जब मनुष्य को Ventilator पर रखा जाता है तो उसका मतलब यही है कि वह जायेगा परंतु बाद में यही है Ventilator.

15. Victim – जो विकट स्थिति में है, वह Victim है।

16. विल्वपत्र – विल्वपत्र ही बेल पत्र हैं, यानि Bail पत्र, यानि बेलपत्र चढ़ाने से आदमी को Bail (जमानत) मिल जाती है।

17. Vampire – वामपंथी तान्त्रिक पूजा करते हैं, जो भूत-पिशाचों, चुड़ैलों-डायनों को सिद्धि करते हैं, वही Vampire होते हैं।

18. वटवृक्ष – Banyan Tree – जैसे वटवृक्ष होता है, वह अपनी शाखा नहीं

बनाता है, वह सीधे जटा फैलाता है और उसकी जटा ही नीचे जमीन में जाकर जड़ बन जाती है, यानि वह वहीं से अपने लिए पानी लेने लगता है। ऐसे ही बनिया भी नई Branch नहीं खोलता, वह जड़ की तरह व्यापार करता है, वहीं से अपना लाभ कमाता है, इसीलिए उसे वटवृक्ष कहते हैं। इसी पर VAT का Tax लगाया गया।

19. **वयमनस्य** – वय + मन + Say = वय (शरीर) और मन का एक न होना ही वयमनस्य होता है।

20. **विकार** – Weak + कार्य = जो कार्य Weak (कमजोर) लोगों के द्वारा किये जाते हैं, उनमें विकार होते हैं।

21. **वितरण** – वित्त + रण = किसको कितना वित्त मिलना चाहिए, इसी वितरण के लिए ही तो रण होता है।

22. **Van** – वन में जाने के लिए Van बनाई जाती है।

23. **विराजित** – वीर + अजित = जो वीर होता है, वही अजित होता है, यानि उसको जीता नहीं जा सकता है।

24. **विस्तार** – Wish + तार = Wish और तार इन दोनों का विस्तार कितना ही कर लो कम नहीं होता है।

25. **विश्वास** – Wish + वास = किसी की Wish (इच्छा) पूरी करो और उसमें वास (रहो) करो, इस तरह आप किसी का विश्वास जीत सकते हो। लोग उसी का विश्वास करता है, जो उनकी Wish को पूरी करता है, Wish को पूरी करके वह उनमें वास करने लगता है।

26. **विकास** – Weak + आश = Weak की आशा को ही विकास कहते हैं, क्योंकि वह अपने से नहीं चल सकता है, तो सोचता है, कि रेलगाड़ी, बस, कार, हवाई जहाज आदि का विकास हो जिससे वह चल-फिर सके।

27. **वनचित** – Won + Cheat = जो लोग जीतने के लिए Cheat करते हैं,

उसे वनचित कहते हैं, यानि वैसे तो जीतने के लिए चित किया जाता है किसी को, पर जब उसे चित करने के लिए Cheat किया जाता है, तो उसे वनचित कहते हैं यानि उसे हर चीज से वंचित कर दिया जाता है और उसे जीत लिया जाता है, और फिर हारने वाले को वन में जाकर अपना चित लगाने को कह दिया जाता है।

28. **विलास** – Will + आस = जिसके दूसरे की सम्पत्ति मिलने की आस हो, वह विलासी जीवन व्यतीत करता है।

29. **विश्वामित्र** – विश्व + अमित्र = विश्व का जो अमित्र है यानि विश्व में जिसकी किसी के साथ मित्रता नहीं है।

30. **Voice** – Voice हमेशा Ice की तरह होती है, जैसे की जैसा पानी वैसी वाणी। तो Ice पानी की ही बनती है और वह जब पेट में जाती है, तो वैसी ही Voice निकलती है।

31. **Vitamin** – वित्त ही Vitamin है।

32. **Visit** – विजित – जिसको जीत लिया जाता है, उसी को ही Visit किया जाता है।

33. **विसर्जित** – जिसे विष देकर मारा जाता है, उसे सजाकर, विसर्जित किया जाता है।

34. **विवादास्पद -** विवाद + दास + पद = विवाद तभी शुरू होता है, जब कोई दास किसी महत्वपूर्ण पद को प्राप्त कर लेता है।

35. **व्यवसाय -** व्यय + स + आय =कोई व्यय करता है,तो किसी की आय होती है, यही व्यवसाय है।

36. **वर्णन** – जिसका कोई वर्ण नहीं होता है, उसी का वर्णन किया जाता है, क्योंकि वर्ण वाले की तो सभी बातें पहले से पता होती हैं।

37. **Version -** वर्जना – हर कोई नया Version चाहता है। इसीलिए चीजों

को नया रखने के लिए कुछ वर्जनाएँ होती हैं।

38. **व्यवसाय -** व्यय + स + आय = कोई व्यय करता है, तो किसी की आय होती है, यही व्यवसाय है।

39. **वर्णन** – वर्ण + न = जिसका कोई वर्ण नहीं होता है उसी का वर्णन किया जाता है समझाने के लिए कि वह कैसा आदमी है।

40. **वेदना -** वेद + ना = वेद (ज्ञान) का ना होना ही वेदना है। जब व्यक्ति यह सोचता है, काश मुझे इसका ज्ञान होता, तो मैं यह कर लेता। बस यही वेदना है।

41. **विरचित -** वीर्य + रचित = वीर्य के द्वारा जो रचा जाता है।

42. **विज्ञान -** Wig + ज्ञान = Wig का ज्ञान ही तो विज्ञान है।

43. **Vancouver -** Bank + कुबेर = जो धनवान होते हैं वह कनाडा क्यों जाते हैं ? क्योंकि वहाँ पर Bank हैं, जो कुबेर लोगों का धन जमा कर लेते हैं। और उस धन की रक्षा करते हैं। इसी से वहाँ के एक शहर का नाम Vancouver है।

44. **VISA** – वीजा या कहें वजह या वजा – वीजा को वजह या जिसको बाद में वजा बोला गया। यानि आप किस वजह या वजा से यह देश छोड़कर हमारे देश में आना चाहते हैं। यह वजह या वजा ही फिर VISA बन गई।

1. **Wilson -** Will वाला Son ही तो Wilson है। यानि जिसमें आदमी अपनी वसीयत (Will) के अनुसार जिसको देता है वह उसका Son ही उसका Wilson होता है।
2. **Wedding -** वेद के अनुसार शादी करना Wedding है।
3. **वृत्तांत -** वर + ऋत + अंत = व्यक्ति तीन ही चीजों का वृत्तांत सुनना चाहता है।

वर का यानि दूल्हे का - जब बारात द्वारे पर आती है और दूल्हा देखने दुल्हन की सहेलियां जाती हैं। दूल्हा देखकर वापस दुल्हन के पास आती हैं। तो दुल्हन उनसे वर (दूल्हे) के बारे में पूछती है।

ऋत - जब ऋतु आती है, तो कवि लोग ऋतु का वर्णन कर पूरा काव्य लिख डालते हैं।

अंत - जब किसी का अंत हो जाता है तो उसके पूरे जीवन के बारे में सुनाया जाता है। बस यही वृत्तांत का अर्थ है।

4. **वासना -** Wash + ना = जो Wash नहीं होती है वह वासना है।
5. **Wicket -** जब कोई बाल को नहीं मार पाता था तो वह विकट स्तिथि में आ जाता था तो उसको Wicket बोलते हैं।
6. **वरिष्ठ -** Wrist - वर की Wrist पर धागा बाँधकर एक रिश्ता बनाया जाता है। जिसमें वर को वरिष्ठ बनाया जाता है।
7. **विकराल** – Weak + राल = Weak की ही राल निकलती है, यानि जो कमजोर होता है, उसी की लार निकलती है। यह लार निकलने का मतलब है कि उसका हृदय कमजोर हो रहा है।
8. **विकल्प -** Week लोगों को अल्प मिलता है। जिससे उन्हें कोई विकल्प ढूँढना पड़ता है।
9. **वर्चस्व -** वर का ही वर्चस्व होता है।

10. **Wrinkle -** ऋण + कल = ऋण लेने वाले व्यक्ति के चेहरे पर Wrinkle जल्दी आ जाते हैं। क्योंकि एक तो ऋण के चिंता की लकीरें बार-बार आने से Wrinkle (झुर्रियाँ) बन जाती हैं। दूसरी वह धन अभाव के कारण अच्छा खा-पी नहीं सकता इसलिए जल्दी बूढ़ा हो जाता है और उसको Wrinkle आ जाते हैं। और वह ऋण वापस मांगने पर कहता है - ऋण कल वापस करेगा यानि तुम्हारा ऋण कल चुका दूँगा।
11. **Website** – Web + सीते = जाल जो सीता को फँसाने के लिए बुना गया, वह है Website. यानि जब रावण ने सीता को फंसाने के जो षडयंत्र बुना वह Website ही है।
12. **विनाश** – Win + नाश = Win करने के लिए नाश करना पड़ता है, यानि जीतने के लिए नाश करना पड़ता है, यही विनाश कहलाता है।
13. **वितरण** – वित + रण = वित्त के लिए ही तो रण होता है, यानि जब धन का बराबर वितरण नहीं होता है तो फिर रण (युद्ध) होता है।
14. **Wonder** – Won + डर = जीतना अपने डर को – यही सबसे बड़ा Wonder है,कि आप अपने डर को जीत लें।
15. **Wheat** – वह + Eat = वह जिसे खाया जाता है, वह है Wheat.
16. **विलायत** – Will + आयात = Will करके किसी को आयात किया जाता है, वह है विलायत।
17. **Worship** – War + Ship = War और Ship में जाने से पहले Worship की जाती है।
18. **Wiper** – बाई + पर = परि के परों से ही Wiper बना और परी फिर बाई बनी है, जो दूसरों के घरों में काम करती है, यानि परी के परों को काट दो तो वह फिर उड़ नहीं सकती है, और हमेशा आदमी के पास रह जाती है, और आदमी फिर उसे बाई बना कर रख लेता है।

19. वकार – कार से ही वकार है, किसी की इज्जत कार से ही होती है।

20. Water – वात + अर = वात को खतम करने वाला ही Water है, पानी पीने से शरीर की वायु खतम हो जाती है।

21. विनती – Win करनेवाले से ही विनती की जाती है।

22. वहम – वह + हम =हम का होना ही वहम है, यानि लोगों को लगता है कि वह हमारे साथ हैं, किंतु जब समय आता है, तो उनका यह वहम टूट जाता है, यही वहम है।

23. वाह-वाह – वाह-वाह कहकर किसी की हवा फैलाई जाती है।

24. विकल्प – Weak + अल्प = Weak (कमजोर) लोगों के पास अल्प (कम) होता है, उनके पास कोई विकल्प नहीं होता है।

25. विचार – We + चार = जब चार लोग बैठ कर किसी पर अपने मत प्रदान करत हैं उसे विचार कहते हैं।

26. विपरीत – Whip + रीत = जो लोग Whip जारी करते हैं, जो के रीत के विरुद्ध होते हैं, वही विपरीत होते हैं।

27. विदाई – With + आई = जब दुल्हन की विदाई होती है, तो वह अपने साथ बहुत सारा सामान लेकर के ससुराल जाती है, तो ससुराल वाले पूछते हैं, कि किसके साथ आई है ?, क्या-क्या लाई है ? बस यही विदाई है।

28. Wonder – Won + डर = डर पर Won करना ही तो Wonder है।

29. वर्दी – वर देने वाले वर्दी भी देते हैं।

30. Walk – वाक् – शाम के समय भोजन के बाद सभी घूमने जाते हैं, और साथ-साथ में बातें करते जाते हैं, उस समय की गई बातों को यानि वाक् को अंग्रेजों ने Walk लिखा।

31. वाकिफ – Walk करते-करते एक-दूसरे से बातें करते हैं, तो एक-दूसरे से वाकिफ हो जाते हैं।

32. वाणिज्य – वाणी + जय = वाणी की जय ही वाणिज्य है यानि व्यापार में जो वाणी एक बार दे दी बस उसी को माना जाता है, उसी पर सौदा होता है।

33. विकलांग – Weak + अंग = जिसके अंग Weak होते हैं वही विकलांग होते हैं।

34. Wikipedia – वाई + की + पीढियाँ = जहाँ पर किसी की पीढियों का ज्ञान होता है वह Wikipedia होता है। यानि जब कोई कहता है कि मैं तो वाई की पीढ़ियाँ तक को जानता हूँ।

35. Warm – War + में = War में जाने के लिए गर्म होना पड़ता है।

36. Welcome - Wel + Come = Wel का मतलब होता है अच्छे, Come का मतलब होता है आना, यानि जब कोई किसी के घर पर आता है तो उसको कहते हैं - अच्छा किया आप हमारे यहाँ पर आए, आपका स्वागत है। Welcome शब्द तमिल शब्द वणक्कम् से बना है। जिसका अर्थ होता है स्वागत। यानि स्व + आगत।

-:-:-:-

Y

1. याददास – यह सदा याद रहे कि, कभी आप दास थे।

2. Yes – जो Yes करते हैं, वही यश पाते हैं।

3. यूनानी – You + नानी = जो नानी का है वह यूनानी है। यानि कहते हैं कि नानी की दवाई के नुस्खे, बस वही तो यूनानी दवाखाना है।

4. यशस्वी - Yes + स्वीकार = जो Yes (हाँ) करता है, उसे ही स्वीकार किया जाता है। वही यशस्वी होता है। यानि जो सकारात्मक होता है। उसे ही सब स्वीकार करते हैं। वही प्रसिद्धि पाता है।

-:-:-:-

Z

1. **जुबान** – Zoo + बाण = किसी को Zoo में खड़े कर देना और उसके हाथ में बाण दे देना। फिर कहना अब शिकार करो।
2. **Zodiac -** जोड़ी + एक = जोड़ियाँ एक की जाती हैं। जन्मकण्डली देखकर ही तो जोड़ी एक की जाती है।
3. **Zero -** जी जब रोने लगे, जिससे उसे Zero कहते हैं।
4. **Zoom** – जूम – झूम – जूँ को देखने के लिए Zoom किया जाता है, और जब शराबी झूमता हुआ आता है तो वह किसी को देखने के लिए अपनी आँखों को हाथों से खोलता है, और बड़े ही गौर से खोलता है।
5. **Zoo** – जू – जहाँ पर जूजू-जूजू ही रहते हैं, वह Zoo है। यानि छोटे बच्चों को डराते थे कि वह जू-जू है बस वही जूजू Zoo है।

-:-:-:-

Alarm - अल्लाह + राम = प्रभात फेरी में राम-राम की धुन तथा सुबह-सुबह अल्लाह-ओ-अकबर की अजान। यह दोनों ही प्रातःकाल में जगाने का काम करते हैं। इसलिए अंग्रेजों ने इसे घड़ी के Alarm का शब्द बनाया।

Compensation - कम्पन + शेष + अन्न = शेष नाग के हिलने-डुलने से पृथ्वी में कम्पन होता है, जो बचा हुआ अन्न होता है, उसे सभी में बाँटने को Compensatio कहते हैं।

शब्दों का सफर सदियों से चला आ रहा है, और न जाने कितनी भाषाओं में हो-होकर गुजरा है, परिवेश और वक्त के बदलते तेवरों ने शब्दों को बहुत से रुप और रंग दिये हैं, एक ही शब्द एक देश में अलग अर्थ में तथा दूसरे देश में अलग अर्थ में रूप में जाने जाते हैं, शब्दों के सफर में आज शब्द यहाँ तक पहँचे हैं। स्त्रियों के शब्द जरुरतों तक सीमित हैं, और पुरुष के शब्द शौक के लिए होते हैं।

-ब्रह्मचारी प्रहलादाननंद

The journey of words has been going on for centuries, and not knowing how many languages have passed through, the changing times of environment and time have given many forms and colors to the words, the same word in a different meaning in one country and the other The words are known in the country in different meanings, the words today are still here in the journey of words. Women's words are limited to the requirements, and men's words are meant for hobbies.

- Brahmachari Prahladanand